| | |
|---|---|
| सेंसेक्स | ~ |
| निफ्टी | ~ |
| सोना | ~ |
| चांदी | ~ |
| डॉलर | ~ |

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
सोमवार 04 अगस्त 2025
श्रावण शुक्ल 10 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 309
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00


## खास खबर

### गोंडा में सड़क हादसे में एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत पर सीएम योगी ने जताया शोक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में रविवार सुबह 13 लोगों से भरी एक बोलेरो गाड़ी सरयू नहर में जा गिरी, जिसमें 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी मृतक एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। इस घटना पर सीएम योगी ने शोक व्यक्त किया है। जानकारी अनुसार यह हादसा मोतीगंज थाना क्षेत्र के सीहागांव-खरगूपुर मार्ग के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण नहर किनारे का रास्ता बेहद फिसलन भरा हो गया था। बोलेरो की स्पीड भी थोड़ी अधिक थी, जिससे ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और गाड़ी सीधे नहर में जा गिरी। बताया जा रहा है कि सभी लोग पृथ्वीनाथ मंदिर में जल चढ़ाने के लिए निकले थे। जैसे ही हादसा हुआ, आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और लोगों को बचाने की कोशिश की। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। इस दुर्घटना में मृत हुए लोगों की पहचान बीना (35), काजल (22), महक (12), दुर्गेश, नंदिनी, अंकित, शुभ, संजू वर्मा, अंजू, अनसुइया और सौम्या के तौर पर हुई हे। इन सभी के शव नहर से बाहर निकाल लिए गए हैं। दो घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है।

### डॉक्टर अपनी जांच पर भरोसा करें, एआई के भरोसे नहीं रहे

नई दिल्ली। अमेरिकन मेडिकल ान के अध्यक्ष एवं भारतवंशीय डॉक्टर बॉबी मुक्कमाला का कहना है। डाक्टर अपने स्टेथेस्कोप एवं शारीरिक परीक्षण पर भरोसा रखें। उन्होंने कहा कि एआई की जो जांच रिपोर्ट आती है।10 पेज की रिपोर्ट में केवल तीन लाइने ही उसमे काम की होती हैं। डॉ बाबी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा, एआई और मेडिकल उपकरणों द्वारा की गई जांच के अलावा मरीज की प्रत्यक्ष जांच और अनुभव के आधार पर डॉक्टर को ही उपचार के बारे में निर्णय करना पड़ेगा। तभी मरीज को सही चिकित्सा मिल पाएगी। उन्होंने अपने साक्षात्कार में कहा है, मेडिकल एजुकेशन में लगातार बदलाव होते रहना चाहिए। जिस तरह के परिवर्तन चिकित्सा के क्षेत्र में आ रहे हैं। उसके अनुसार लगातार सिलेबस और प्रैक्टिकल में बदलाव की जरूरत है।

## कुछ ना कहना

# 2024 लोकसभा चुनाव में हुई धांधली

## दस्तावेज और डेटा हमारे पास मौजूदद्व राहुल गांधी ने कांग्रेस के कानूनी सम्मेलन को किया संबोधित, ईसी को बताया मृत

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। शनिवार को कांग्रेस पार्टी के कानूनी सम्मेलन में राहुल गांधी ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में धांधली हुई। उन्होंने कहा कि अब उनके पास इस बात के दस्तावेज और डेटा भी है, जो यह साबित करते हैं कि चुनाव में गड़बड़ी हुई। उन्होंने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव गड़बड़ी वाला था। अब हमारे पास इसके सबूत हैं। हम इसे साबित करेंगे। राहुल गांधी ने लोकसभा सीट का उदाहरण देते हुए कहा कि हमने एक सीट की वोटर लिस्ट की जांच की। उसमें 6.5 लाख वोटर थे, जिनमें से 1.5 लाख फर्जी निकले। उनका दावा है कि यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि सुनियोजित योजना के तहत किया गया फर्जीवाड़ा है। राहुल ने पार्टी के विधि विभाग द्वारा विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान यह बात कही। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी की बहुमत सरकार इस गड़बड़ी के कारण बनी है। अगर बीजेपी को 15-20 सीटें कम मिलतीं, तो नरेंद्र मोदी पीएम नहीं बनते। उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी गंभीर सवाल उठाए और कहा कि भारत में चुनाव आयोग अब मर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अब यह संस्था स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रही है। राहुल ने कहा कि उन्हें 2014 से ही चुनाव प्रणाली पर शक था और गुजरात विधानसभा चुनाव में यह शक और गहरा गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान, मध्यप्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस को एक भी सीट न मिलना, हैरान करने वाला था। जब भी हम बोले, लोग कहते थे सबूत कहां हैं? राहुल गांधी ने दावा किया कि महाराष्ट्र में उन्हें पहली बार ठोस सुराग मिले। उन्होंने कहा कि लोकसभा में हमने जीत हासिल की, लेकिन चार महीने बाद विधानसभा में हमारी हार हुई। जब हमने जांच की तो पाया कि लोकसभा और विधानसभा के बीच 1 करोड़ नए वोटर जुड़ गए, जिनमें से ज्यादातर वोट बीजेपी को गए। अब कोई शक नहीं कि ये चुनाव गड़बड़ी से प्रभावित था। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब इन तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर पूरे देश के सामने यह सच्चाई लाएगी। उन्होंने कहा कि वे इसे कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर इसे उठाएंगे।

### कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष ने कहा- राहुल पहले दें हमारे सवालों के जवाब

बेंगलुरु में प्रस्तावित राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन और वोट चोरी के खुलासे से पहले सियासत और गरमाती जा रही है। इस बीच कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चलवाडी नारायणस्वामी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एक खुला पत्र लिखते हुए उन्हें सीधे शब्दों में चुनौती दी है। उन्होंने राहुल को कांग्रेस के अभिनेता बताते हुए कहा कि यदि वह सच में पार्टी का नेतृत्व करने योग्य हैं, तो पहले उनके सवालों का जवाब दें। नारायणस्वामी ने पत्र में कहा, कि राहुल गांधी जी, आपका स्वागत है कर्नाटक में, लेकिन आप यहां एटम बम फोड़ने नहीं, बल्कि अपने ही घर की सफाई करने आए हैं। कांग्रेस पार्टी में धोखाधड़ी करने वालों की भरमार है, और आप उन्हीं लोगों के भरोसे राजनीति कर रहे हैं। इससे पहले कि आप चुनाव आयोग पर अंगुली उठाएं, मेरे कुछ सवालों का जवाब दें। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि कांग्रेस ने कर्नाटक की एक लोकसभा सीट का डेटा खंगालकर वोट चोरी की पूरी प्रक्रिया का पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा था कि वह इसे ब्लैक एंड व्हाइट में जनता और चुनाव आयोग के सामने रखेंगे। उन्होंने 4 अगस्त को बेंगलुरु में विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपने की भी घोषणा की है। इसी पर पलटवार करते हुए नारायणस्वामी ने कहा कि, आपने कहा कि कर्नाटक में भयंकर चोरी पकड़ी है। क्या यह वही राज्य नहीं है जहां कांग्रेस सत्ता में है? क्या आप अपनी ही पार्टी की सरकार पर सवाल उठा रहे हैं या फिर वोटर डेटा में हेराफेरी आपकी पार्टी के सहयोग से हुई?

# प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से की शिष्टाचार भेंट, हुई बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों नेताओं के बीच चर्चा हुई। हालांकि, दोनों के बीच हुए चर्चा के बारे में अधिक जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति के सोशल मीडिया हैंडल से पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बीच हुई मुलाकात

की तस्वीर भी शेयर की गई, जिसमें वे दोनों चर्चा करते हुए दिखाई दे रहे हैं।चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अंकाउट से पोस्ट कर लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। पीएम मोदी और राष्ट्रपति के बीच यह मुलाकात तब हुई है, जब भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव को लेकर प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हो गई है। चुनाव आयोग ने 1 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग के अनुसार, उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को कराया जाएगा। चुनाव आयोग की ओर से जारी शेड्यूल के अनुसार, 7 अगस्त को चुनाव के लिए आधिकारिक अधिसूचना (नोटिफिकेशन) जारी की जाएगी। इसके बाद इच्छुक उम्मीदवार 21 अगस्त तक अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 22 अगस्त को की जाएगी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर बैठक की तस्वीरें साझा की गई है इससे पहले, 16 जुलाई को प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की थी। यह मुलाकात संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले हुई थी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक पोस्ट शेयर कर बैठक की तस्वीरें साझा की गई थीं।

## एयरलाइन-कर्मियों के साथ सेना के अधिकारी ने की मारपीट एक्सट्रा सामान के चार्ज को लेकर हुआ विवाद

श्रीनगर। स्पाइजेट की फ्लाइट से सफर करने वाले एक यात्री पर एयरलाइन के चार कर्मियों के साथ मारपीट का आरोप लगाया गया है। एयरलाइन का आरोप है कि इस दौरान उन्हें लात-घूंसे मारे गए क्यू स्टैंड से पीटा गया, इस मारपीट में कर्मचारियों की रीढ़ की हड्डी तक टूट गई। इस दौरान एक कर्मचारी बेहोश भी हो गया लेकिन यात्री नहीं रुका। ये घटना फ्लाइट में चढ़ने से पहले हुई। एयरलाइन के प्रवक्ता का कहना है कि यात्री के पास जो सामान था, वह अनुमान सीमा से 10 गुना अधिक था। इसके बाद यात्री से एक्सट्रा समान के लिए चार्ज देने को कहा गया था। लेकिन यात्री नहीं माना और बोर्डिंग प्रोसेस पूरा किए बिना ही एयरोब्रिज में घुस गया। इसके बाद जब यात्री को वापस गेट पर लाया गया, तब यात्री ने मारपीट शुरू कर दी। स्पाइजेट प्रवक्ता के मुताबिक घटना 26 जुलाई की है, जहां यात्री श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट बोर्डिंग गेट पर स्पाइसजेट ग्राउंड स्टाफ के चार सदस्यों के साथ मारपीट की। एयरलाइन प्रवक्ता ने बताया कि यात्री सीनियर आर्मी अधिकारी है। उन्होंने बताया कि यात्री के पास दो केबिन बैगेज थे, जिनका कुल वज़न 16 किलो था, जो 7 किलो की अनुमत सीमा से अधिक था। जब यात्री से विनम्रता से अतिरिक्त सामान के बारे में बताया गया और इसके लिए लागू चार्ज देने के लिए कहा गया, तब यात्री ने इंकार कर बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही ज़बरदस्ती एयरोब्रिज में घुस गया। इसके बाद सीआईएसएफ के अधिकारी ने यात्री वापस गेट तक पहुंचाया। गेट पर, यात्री का व्यवहार और भी आक्रामक हुआ और स्पाइसजेट ग्राउंड स्टाफ के चार सदस्यों के साथ मारपीट की। प्रवक्ता ने बताया कि यात्री इस कदर आक्रामक हो गया कि उसने चारों कर्मचारियों को बेरहमी से पीटा। एक कर्मचारी जब बेहोश हो चुके अपने साथी की मदद के लिए नीचे झुका, तब उसके जबड़े पर ज़ोरदार लात मारी जिससे उसके नाक और मुंह से खून बहने लगा। घायल कर्मचारियों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनका इलाज जारी है।

## भगवत जी, मोदी जी और योगी जी का नाम लेने का दबाव बनाया, नहीं मनाने पर प्रताड़ित किया-साध्वी प्रज्ञा ठाकुर

भोपाल। मालेगांव ब्लास्ट मामले में एनआईए कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर सहित 7 लोगों को बरी किया है। अब मामले में पूर्व बीजेपी सांसद प्रज्ञा ठाकुर ने चौंकान वाला खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि मुझे बहुत बड़े लोगों के नाम जबरदस्ती लेने के लिए दबाव बनाया गया। राम माधव, भगवत, मोदी जी का नाम, योगी, इंद्रेश जी का नाम लेने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा कि मैंने उनकी बात को नहीं सुना। इसकारण मुझे प्रताड़ित किया गया। परमबीर सिंह बहुत की निकृष्ट व्यक्ति हैं। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा कि मैंने बार-बार कहा है कि परमबीर सिंह बहुत निष्कृष्ट और अदम व्यक्ति हैं, क्योंकि परमबीर सिंह ने मुझे प्रताडति करने के लिए हर सीमा पार की है। हर कानून को तोड़ा है और कानून से बाहर जाकर उसने मुझे प्रताड़नाएं दी हैं। सिर्फ परमबीर सिंह ने ही नहीं बल्कि मुझे पूरे एटीएस अधिकारी ने प्रताड़ित किया है। मुझे गैर कानूनी तौर पर 13 दिनों तक रखा गया। गलत तरीके से 11 दिनों की पुलिस हिरासत में रखा गया। इस तरह से मैं 24 दिनों की पुलिस कस्टडी में रही और ATS की प्रताड़नाएं झेलती रही। दरसअल 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में रमजान और नवरात्रि से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था। धमाके में छह लोगों की जान चली गई और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। एक दशक तक चले मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 323 गवाहों से पूछताछ की, जिसमें से 34 अपने बयान से पलट गए। शुरुआत में, इस मामले की जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने की थी। हालांकि, 2011 में एनआईए को जांच सौंप दी गई।

## मरम्मत और रखरखाव के चलते अमरनाथ यात्रा एक सप्ताह पहले ही स्थगित

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के अंतिम दिन 6 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा मंदिर में बाबा बर्फानी के दर्शन किए, जिससे कुल यात्रियों की संख्या 4.14 लाख हो गई। पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने दर्शन किए थे। अमरनाथ यात्रा का समापन आम तौर पर रक्षा बंधन के दिन होता है। इस साल यह यात्रा 9 अगस्त को समाप्त होने वाली थी। अधिकारियों ने भारी बारिश को देखते हुए मरम्मत और रखरखाव कार्यों का हवाला देते हुए यात्रा को एक सप्ताह पहले समापन करने का फैसला किया। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को कुल 6,497 तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए। उन्होंने बताया कि यात्रियों में 4,586 पुरुष, 1,299 महिलाएं, 62 बच्चे, 51 साधु, पांच साध्वी और 494 सुरक्षा बल के जवान शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि 3 जुलाई को यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक 4,14,311 यात्री पवित्र गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं। हाल ही में हुई भारी बारिश से क्षतिग्रस्त हुए मार्गों के रखरखाव की जरुरत के कारण, अधिकारियों ने इस साल अमरनाथ यात्रा उसके तय समापन से ठीक एक सप्ताह पहले शनिवार को स्थगित कर दी।


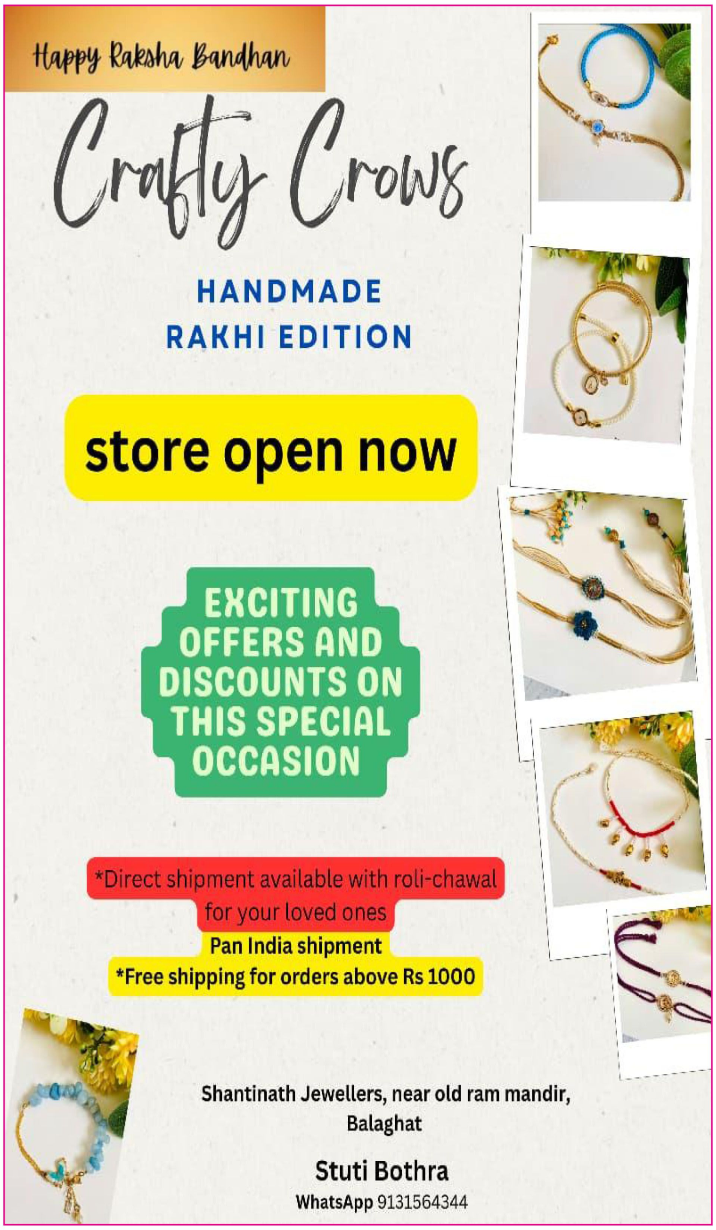

# प्लॉट बेचते समय किए थे ढेरो वादे, अब मूलभूत सुविधा को तरस रहे कॉलोनीवासी

## रहवासियों ने कॉलोनी नाईजर पर लगाए आरोप, वादों के मुताबिक सुविधा की करी मांग, नगर के वार्ड नं 5 काशी कालोनी का मामला

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। कुछ कॉलोनी नाईजर सर्व सुविधायुक्त कॉलोनी का निर्माण और तरह-तरह की सुविधा देने का प्रलोभन देकर लोगों को प्लाट बेच रहे हैं।लेकिन उनके द्वारा वादों के अनुसार कॉलोनी में सुविधाए न देकर रहवासियों को ठगने का काम कर रहे हैं। ताजा मामला जिला नगर के वार्ड नं 5 काशी कालोनी से सामने आया है जहां के स्थानीय रहवासियों ने कॉलोनी नाईजर पर झूठे वादे करने और तरह-तरह के प्रलोभन देकर उन्हें प्लाट बेचकर उनके साथ ठगी किए जाने का आरोप लगाया है।वही कॉलोनी में विभिन्न प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।**

### मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे रहवासी

बताया गया कि कॉलोनी नाईजर ने प्रशासन से सभी प्रकार की अनुमति होने की बात कहते हुए, वैध कॉलोनी के नाम से प्लाट तो बेच दिए है, लेकिन कई वर्ष बीत जाने के बाद भी कॉलोनी वासियो को मूलभूत सुविधाए प्रदान नहीं की है। अब कॉलोनी में रहने वाले लोग स ?क, बिजली ,पानी, नाली, जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे है।

### प्लाट बेचते समय दिए था तरह तरह का प्रलोभन

सर्व सुविधा युक्त कॉलोनी के नाम पर प्लाट लेकर, अपना आशियाना बनाने वाले लोग, सुविधाओं के आभाव में परेशान है, जिनकी कही कोई सुनवाई नही हो रही है है।रहवासियों का आरोप है कॉलोनी नाईजर ने कॉलोनी में प्लाट विक्रय के दौरान, आवागमन में सुविधा, सीसी रोड, गार्डन, बिजली, पानी नाली सहित ढेर सारी सुविधाएं देने की बात कही थी।जो आज तक नही दी गई है। जिस पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए समस्याओं से ग्रस्त रहवासियों ने रविवार को कालोनाइजर के विरुद्ध मोर्चा खोलते हुए विरोध जताया है।

### दिखावे के लिए लगा दिए है विद्युत पोल

रहवासियों ने बताया कि कालोनाइजर ने महज दिखावा के लिए उनकी कालोनी में कुछ स्थानों पर अस्थाई टाइप के विद्युत पोल लगाए है जो किसी काम के नहीं है। वही ट्रांसफार्मर भी नहीं लगाया गया है। वर्तमान समय में वर्षा का सीजन चल रहा है जिससे अधिक समस्या उत्पन्न हो गई है। कालोनी में रात होने पर अंधेरा छा जाता है जीव-जंतुओं से खतरा भी बना रहता हैं।

### कलेक्टर न्यायालय से लगाया गया है, पांच लाख का जुर्माना

रहवासी डा. जसबीर सिंह सौंधी सहित अन्य ने बताया कि कलेक्टर न्यायालय ने अवैध कालोनाइजरों की शिकायत पर सुनवाई करते हुए कुछ कालोनाइजरों पर कार्रवाई की है जिसमें काशी नगर के कालोनाइजर भी शामिल है। इन पर कलेक्टर न्यायालय ने पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया है और एफआइआर दर्ज करने के लिए भी कहा है, बावजूद इसके कालोनाइजर अब तक जुर्माना की राशि तक जमा नहीं कर पाया है, और न ही उनकी कालोनी में कोई सुविधा मुहैया कराई गई है जिसका खामियाजा रहवासियों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कालोनाइजर पर पूर्व में भी जुर्माना लगाया गया है जिसका मामला भी न्यायालय में चल रहा है।

### वादों पर खरा नही उतर रहा कालोनी नाइजर- रहवासी

काशी नगर के रहवासी मनीषा मस्की, समीर चौरसिया सहित अन्य ने बताया कि करीब दो से ढाई साल पहले उन्होंने काशी नगर में कालोनाइजर से प्लाट खरीदे थे। इस दौरान उन्होंने कालोनी में स्थायी बिजली, पक्की सड़क,नाली और पानी उपलब्ध कराने का वादा किया था। जिसके बाद प्लाट खरीदकर घर बनाकर रह रहे है, लेकिन अब तक एक भी सुविधा मुहैया नहीं करा गई है। कालोनाइजर को कहने पर उनके द्वारा लगातार गुमराह किया जा रहा है कि सुविधाएं मुहैया कराइ जाएगी। रहवासियों ने बताया कि स्थिति ये निर्मित है कि टीसी कनेक्शन के सहारे जीवन गुजारना पड़ रहा है। टीसी कनेक्शन के कारण जहां बिजली बिल दो से तीन हजार रुपये प्रतिमाह देने पड़ता है, वहीं कई-कई दिनों तक बिजली न होने की स्थिति से भी गुजरना पड़ता है। जिसके चलते 19 जुलाई को मामले की शिकायत की गई जिसके बाद कहा जा रहा है कि जल्द से जल्द टीसी कनेक्शन लेने के लिए कहा जा रहा है। उन्होंने बताया कि काशी नगर नगरीय क्षेत्र में होने के बाद भी वर्तमान में भरवेली क्षेत्र से टीसी कनेक्शन लेना मजबूरी बनी हुई है।

## 9 अगस्त को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा विश्व आदिवासी दिवस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आदिवासी समाज की विशिष्ट जीवन शैली के महत्व को बरकरार रखने के लिए संयुक्त राष्ट्रसंघ की घोषणा के अनुरूप केवल भारत देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में 9 अगस्त के दिन को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है।जहां आदिवासियों की सभ्यता, उनकी संस्कृति, वेशभूषा और उनके अधिकारों के संरक्षण की बात दोहराकर उनके हक, अधिकारों को लेकर जन जागरूकता देने के साथ-साथ आदिवासियों के योगदान को भी

याद किया जाता है।इसी कड़ी में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 9 अगस्त शनिवार को जिला मुख्यालय सहित तहसील व ग्रामीण अंचलों में विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। आदिवासी समुदाय के लिए समर्पित इस दिन विशेष पर आदिवासी समाज द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएगे। जिसका मुख्य समारोह नगर मुख्यालय में आयोजित किया गया है। इन कार्यक्रमों में आदिवासी समुदाय द्वारा नगर में निकाली जाने वाली रैली, आदिवासी वेशभूषा आदिवासी संस्कृति, बैगा नृत्य मुख्य आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे। जिसकी रूपरेखा बनाने के लिए रविवार 3 अगस्त को नगर के वारासिवनी रोड स्थित रानी दुर्गावती सामाजिक भवन में समाज के विभिन्न संगठनों की एक बैठक का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले आयोजित इस बैठक में 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने और सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाने की रूपरेखा तैयार की गई। जहां बैठक के दौरान पदाधिकारियो ने समस्त आदिवासी समाज द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन किए जाने की बात दोहराते हुए आदिवासी समाज के अंतर्गत आने वाले सभी समाजों को उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की है।

## शराब पीने पर डांट फटकार लगाने से गुस्साये युवक ने खाया चूहा मार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शराब पीकर घर आने पर मां के द्वारा डांट फटकार लगाने से गुस्साये एक युवक ने चूहा मार दवाई का सेवन कर लिया। चूहा मार दवाई का सेवन करने से हालत बिगड़ने से पर इस युवक को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है यह युवक निकेश पिता टेकचंद मेश्राम 21 वर्ष ग्राम तिलपेवाड़ा थाना हट्टा निवासी है।जिसका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार निकेश मेश्राम मजदूरी करता है। जिसके साथ उसकी मां फूलकला मेश्राम भी रहती है।2 अगस्त को रात्रि 8=30 बजे निकेश मेश्राम शराब पीकर घर आया था तब निकेश मेश्राम को उसकी मां और परिजनों ने शराब पीकर क्यों आया है। कहकर डांट फटकार लगाई थी। परिजनों द्वारा डांट फटकार लगाने से निकेश मेश्राम मानसिक तनाव में आ गया और उसने ने घर में रखी चूहा मार खा लिया। चूहा मार दवाई खाने के बाद निकेश मेश्राम का मुंह का स्वाद बदल गया। तब उसने चूहा मार दवाई का खाली पैकेट अपनी मां को दिया। तब निकेश मेश्राम को उसकी मां ने परिजनों की सहायता से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये है।

# बब्बर सेना ने निभाई स्व.डाली दमाहे की परम्परा

### 17वर्षो से चली आ रही परम्परा को निभाने शामिल हर 6 गांवो के युवा, कावड़ यात्रा में गूंजे -बम बम भोले के जयकारे, 600 से अधिक युवा सामूहिक कावड़ यात्रा मे हुए शामिल

बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। भगवान शिव की आराधना का पावन महीना सावन अब अपने अंतिम चरण मे हैं।जहाँ 4 अगस्त को सावन का अंतिम सोमवार होने के चलते अंतिम सावन सोमवार के एक दिन पूर्व रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलों व ग्रामीण अंचलो के तमाम शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में शिव भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर उनकी विशेष पूजा अर्चना की।जहाँ रविवार सुबह 6 बजे से ही मंदिरों में भक्तों की अच्छी-खासी भीड़ दिखाई दी।जहा सुबह स्नान करने के बाद बड़ी तादात में लोग भगवान शिव की पूजा करने के लिए मंदिरों में पहुंचे।जिनके द्वारा भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा अर्चना की गई।वही श्रद्धालु भक्तो द्वारा शिवलिंग पर बेलपत्र, धतूरा, चंदन, अक्षत, शमीपत्र आदि अनेक शुभ वस्तुएं चढ़ाई गई।वही सभी शिवालयों में सुबह से लेकर देर शाम तक बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे।इसी दर्मियान जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों से लांजी कोटेश्वर धाम व हट्टा के गुसेश्वर महादेव स्थल लिए भव्य रुप से कावड़ यात्रा निकाली गई।

### आज गुसेश्वर महादेव का होगा जलाभिषेक

प्रतिवर्षानुसार, इस वर्ष भी बब्बर सेना द्वारा सावन मास में कांवड यात्रा निकाली गई।3 अगस्त रविवार को बालाघाट नगर के शंकर घाट से हट्टा क्षेत्र के डोंगरगांव गुसेश्वर महादेव मंदिर के लिए निकाली गई इस कावड यात्रा में 600 से अधिक ग्रामीण व श्रद्धलुओं का समावेश रहा।जो रविवार करीब 1बजे शंकर घाट से वैनगंगा का पावन जल लेकर गुसेश्वर महादेव के लिए रवाना हुए।यह कावड यात्रा नगर के जयस्तंभ चौक, काली पुतली, गुजरी चौक, नया सराफा, हनुमान चौक, सरेखा अंडर ब्रिज से कोसमी नवेगांव, लिंगा होते हुए हट्टा पहुंची।बताया गया कि हट्टा में रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन, 4 अगस्त की सुबह 4 बजे सभी कांवड़िए, हट्टा के डोंगरगांव स्थित, गुसेश्वर महादेव के लिए प्रस्थान करेंगे और बाबा गुसेश्वर महादेव जी को जल अर्पित कर विभिन्न अनुष्ठानों ने भाग लेंगे।

### बोल बम के जयकारों से गुंजा नगर

उधर शंकर घाट से बब्बर सेना द्वारा स्व. डॉली दमाहे की परंपरा का निर्वहन करते हुए भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई।यह कावड़ यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों का भृमण करते हुए सरेखा ,कोसमी, नवेगांव, लिंगा होते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना हुई।जहां शिव भक्त डीजे, में भक्ति धुन पर बोल बम के नारे लगाते हुए नाचते झूमते गाते हुए गुसेश्वर महादेव के लिए रवाना हुए।इस दौरान पूरा नगर बोल बम के जयकारों को गूंज उठा।

### आयोजन का यह 17वां वर्ष

बब्बर सेना प्रमुख हितेश माहुले द्वारा बताया गया कि प्रतिवर्ष सावन मास में निकाली जाने वाली कांवड़ यात्रा का यह 17 वां वर्ष है। जिसमें कांवड़ में जल के साथ शिवभक्त 51 किलो वजनी और 15 फीट लंबा त्रिशूल भी लेकर चल रहे है।जो गुसेश्वर महादेव को समर्पित किया जाएगा।

# बांग्लादेशी मॉडल-अभिनेत्री शांता पाल ने फर्जी आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड तक बनवाए

कोलकत्ता। कोलकाता पुलिस ने बांग्लादेशी मॉडल-अभिनेत्री शांता पाल से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं, जिन्हें हाल ही में गिरफ्तार किया था। जांच में सामने आया हैं कि शांता ने भारत में एक फर्जी पहचान बनाई, डिजिटल शादी कर अपने पति का पासपोर्ट ज़ब्त किया। कोलकाता पुलिस के अनुसार, शांता ने खुद को भारतीय साबित करने के लिए फर्जी आधार, राशन कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड तक बनवाए थे। इतना ही नहीं, उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी भारतीय पहचान को मजबूत करने के लिए फूड व्लॉगिंग और अपने निजी जीवन के वीडियो भी पोस्ट किए। दरअसल शांता पाल 2023 में बांग्लादेश के बारीसाल से अपने पासपोर्ट पर कोलकाता आई थी। पुलिस ने बताया कि भारत आने के बाद एक स्थानीय एजेंट की मदद से फर्जी दस्तावेज़ तैयार कराए। इन दस्तावेज़ों का उपयोग करके, उसने एक नई पहचान बनाई और एक भारतीय नागरिक के रूप में रहना शुरू कर दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि शांता ने आंध्र प्रदेश के एक मर्चेंट नेवी अधिकारी अशरफ से डिजिटल शादी की थी। शादी के बाद, वे पहले पार्क स्ट्रीट और फिर गोल्फ ग्रीन इलाके में किराए के फ्लैट में रहने लगे। पुलिस ने बताया कि शादी के बाद शांता ने अपने पति का पासपोर्ट अपने पास रख लिया और इसका इस्तेमाल अपनी भारतीय पहचान को और मजबूत करने के लिए किया। शांता पाल ने 2016 में इंडो-बांग्ला ब्यूटी पेजेंट में बांग्लादेश का प्रतिनिधित्व किया और 2019 में मिस एशिया ग्लोबल का खिताब जीता। इसके बाद वह तमिल और बंगाली फिल्मों में दिखाई दी और हाल ही में एक ओडिया फिल्म भी साइन की थी। सोशल मीडिया पर, वह फूड व्लॉगिंग करती थी और नियमित रूप से इसतरह के वीडियो पोस्ट करती थी जिससे वह खुद को भारतीय दिखा सके। पुलिस ने शांता के पास से फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी और पैन कार्ड बरामद किए हैं। जांच से यह भी पता चला कि उसने बांग्लादेश में एक एयरलाइन में काम किया था और फिल्मों में करियर बनाने के लिए भारत आई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शांता की गतिविधियों पर लंबे समय से नज़र रखी जा रही थी। जांच के दौरान उसकी फर्जी पहचान और डिजिटल शादी का खुलासा हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के तहत मामला दर्ज किया है।

**स्थान परिवर्तन**

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

## मिड-डे मील की सब्जी को जूठा कर गया कुत्ता....फिर भी 84 छात्रों को वहीं खाना परोस दिया

### मामला सामने आने पर 78 बच्चों को एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार में सरकारी स्कूल में मिड-डे मील को एक आवारा कुत्ते ने जूठा कर दिया, इसके बाद भी वह भोजन छात्रों को परोसा गया। यह घटना 29 जुलाई को पलारी ब्लॉक के लच्छनपुर शासकीय मिडिल स्कूल में हुई। दरअसल स्कूल में तैयार की गई मिड-डे मील की सब्जी को एक आवारा कुत्ते ने दूषित किया था। कुछ छात्रों ने इस बारे में शिक्षकों को बताया, और शिक्षकों ने खाना परोसने से मना भी किया, लेकिन स्व-सहायता समूह जिसने भोजन तैयार किया था, उन्होंने इस बात को अनदेखा कर लगभग 84 छात्रों को वही खाना परोस दिया। जब बच्चों ने घर जाकर इस घटना के बारे में बताया, तब उनके परिजन और गांव वाले स्कूल पहुंचे। स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष झलेन्द्र साहू सहित कई लोगों ने स्थिति की जानकारी ली और स्व-सहायता समूह के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। इसके बाद,परिजन बच्चों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहाँ एहतियात के तौर पर 78 बच्चों को एंटी-रेबीज वैक्सीन की पहली खुराक दी गई। लच्छनपुर स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी ने बताया कि वैक्सीन केवल सावधानी के तौर पर दी गई है, और किसी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। यह कदम अभिभावकों, गांव वालों और स्कूल प्रबंधन समिति के अनुरोध पर उठाया गया। घटना की गंभीरता को देखकर अनुविभागीय अधिकारी दीपक निकुंज, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेश वर्मा, और अन्य अधिकारियों ने स्कूल का दौर कर बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों और प्रबंधन समिति के सदस्यों के बयान दर्ज किए। हालांकि, स्व-सहायता समूह के सदस्य जांच के दौरान मौजूद नहीं थे। क्षेत्रीय विधायक संदीप साहू ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर मामले में उच्चस्तरीय जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पूछा है कि बच्चों को एंटी-रेबीज इंजेक्शन देने का आदेश किस स्तर से दिया गया था।

## अनिरुद्धाचार्य पर गुस्से से लाल हुई कांग्रेस नेता अलका लांबा....मेरे बस में होता तो मुंह पर कालिख पोत देती

नई दिल्ली। मथुरा जिले के वृंदावन के कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक विवादित बयान दिया है, जिसमें उन्होंने कहा, लोगों से अपील कि फिर जल्दी शादियां करना शुरू कर दें। क्योंकि 25 साल की लड़की चार जगह मुंह मार चुकी होती है। इस बयान के बाद उनकी चौतरफा आलोचना हो रही है। अब अनिरुद्धाचार्य के बयान पर कांग्रेस महिला मोर्चा की अध्यक्ष अलका लांबा ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा, अगर मैं होती और मेरे बस में होता, अनिरुद्धाचार्य के मुंह पर कालिख पोत देती। उन्होंने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो उनकी प्रतिक्रिया पर आपत्ति जता सकते हैं, और कहा कि गुस्सा अनिरुद्धाचार्य के बयान पर होना चाहिए, उन पर नहीं। वहीं चौतरफा हो रही आलोचना के बाद, अनिरुद्धाचार्य ने अपने बयान पर सफाई देकर माफी मांगी है। उन्होंने एक सभा में लोगों से पूछा कि क्या वे लिव-इन में रहकर आई बहू चाहते है। उन्होंने कहा कि शादी से पहले लिव-इन में रहना गलत है और उन्होंने सत्य बोला है, इसलिए उनका विरोध किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि वह कभी नारी का अपमान नहीं कर सकते और वायरल हुआ वीडियो एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से बनाया गया है, जिसमें उनके मूल विचारों को तोड़-मरोड़ कर दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं था और अगर किसी को दुख पहुंचा है, तब वह क्षमाप्रार्थी हैं। बात दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री दिशा पाटनी की बहन और भारतीय सेना की रिटायर्ड मेजर खुशबू पाटनी ने भी अनिरुद्धाचार्य के बयान की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा, अगर ये मेरे सामने होता, तब मैं इसे समझा देती कि मुंह मारना क्या होता है। ये राष्ट्र-विरोधी है। उन्होंने अनिरुद्धाचार्य को अव्वल दर्जे का बदमाश बताकर समाज से इसतरह के लोगों का समर्थन न करने की अपील की। खुशबू पाटनी ने यह भी सवाल उठाया कि अनिरुद्धाचार्य ने सिर्फ लड़कियों पर टिप्पणी क्यों की, जबकि लिव-इन रिलेशनशिप में लड़के भी होते हैं।

**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

# जबलपुर रायपुर इंटरसिटी और रीवा पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन की हुई शुरुआत

## सांसद भारती पारधी ने ट्रेनों को बालाघाट में दिखाई हरी झंडी, ट्रेनों के शुरू होने को ब्रॉडगेज संघर्ष समिति ने बताया अपना संघर्ष

**बालाघाट( पद्मेश न्यूज )। जबलपुर से रायपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस और रीवा से पुणे के बीच चलने वाली सुपरफास्ट एक्सप्रेस का 3 अगस्त को शुभारंभ कर दिया गया है। शुभारंभ के दिन जबलपुर रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस 3ः10 पर बालाघाट पहुंची तो वही रीवा से पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन 7ः44 पर बालाघाट पहुंची , इन दोनों ही ट्रेनों को सांसद भारती पारधी ने हरी झंडी दिखाकर बालाघाट से रवाना किया। यहां भाजपा कार्यकर्ता सहित भाजपा पदाधिकारी ने इन ट्रेन का गर्म जोशी से स्वागत किया, तो वहीं ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी भी इस ट्रेन का स्वागत करने रेलवे स्टेशन पहुंचे।**

आपको बता दे की 3 अगस्त को जबलपुर से रायपुर के बीच चलने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को जबलपुर से प्रात: 11ः00 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो बालाघाट 3ः10 पर पहुंची। इसे सांसद भारती पारधी द्वारा भी अपने समर्थक और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हरी झंडी दिखाकर रायपुर के लिये रवाना किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता सहित पार्टी पदाधिकारी रेलवे स्टेशन में मौजूद रहे। यहां सबसे पहले सांसद भारती पारधी के नेतृत्व में स्थानीय भाजपा कार्यालय से ढोल, नगाड़ों के साथ रैली निकाली गई , जो रेलवे स्टेशन पहुंचकर खत्म हुई । यहां सांसद भारती पारधी ने स्टेशन में स्टेज अंदर नहीं बनाए जाने को लेकर , रेलवे अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर की, रेलवे अधिकारियों द्वारा रेलवे स्टेशन के परिसर में बाहर की ओर बैठक व्यवस्था के लिए स्टेज बनाया गया था। जिसे सांसद द्वारा अंदर नहीं बनाए जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की गई। उसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने स्टेशन के अंदर पहुंचकर ट्रेन के आते तक ढोल नगाड़ों के साथ ट्रेन का इंतजार किया। ट्रेन पर पुष्प वर्षा करते हुए ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। 3ः40 पर रायपुर से जबलपुर के लिए रवाना हुई रायपुर जबलपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का भी सांसद और भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा बालाघाट आने पर स्वागत किया गया। इसे भी हरी झंडी दिखाकर सांसद ने जबलपुर के लिये रवाना किया। इसी प्रकार दूसरी ट्रेन भी रीवा से पुणे के लिए 3 अगस्त को 11ः00 बजे ही शुरू की गई , जो शाम 7ः44 पर बालाघाट पहुंची एवं 7ः46 पर यह ट्रेन बालाघाट से अगले स्टेशन के लिए निकल गई , जबकि इस ट्रेन को शाम 6ः53 पर बालाघाट पहुंचना था और 6ः55 पर इसे बालाघाट से अगले स्टेशन के लिए आगे बढ़ना था, किंतु यह ट्रेन लगभग 1 घंटे देरी से बालाघाट पहुंची। इस ट्रेन को भी सांसद द्वारा बालाघाट रेलवे स्टेशन पहुंचने पर स्वागत किया गया । ट्रेन पर पुष्प वर्षा की गई , कुछ ही मिनट में ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर सांसद सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने विदा किया । बताया जा रहा है कि यह रीवा पुणे सुपरफास्ट एक्सप्रेस सप्ताह में एक ही दिन चलेगी। इस पूरे विषय पर सांसद भारती पारधी द्वारा मीडिया से चर्चा करते हुए बताया गया कि आज वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार कर रही है। जिन्होंने जिले को दो ट्रेनों की सौगात दी है । साथ ही उन्होंने इन ट्रेनों का जिले के कुछ स्टेशनों में स्टॉपेज दिए जाने की मांग को लेकर भी रेल मंत्री से पत्राचार करने की मांग रखने की बात कही है।

### ब्रॉडगेज संघर्ष समिति भी पहुंची रेलवे स्टेशन

3 अगस्त को शुरू हुई ट्रेनों के स्वागत के लिए ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी भी रेलवे स्टेशन बालाघाट पहुंचे, यहां उन्होंने भी समिति के सदस्यों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ शुरू हुई ट्रेनों का स्वागत किया और मीडिया से चर्चा में ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के पदाधिकारी अनूप सिंह बैस ने बताया कि उन्होंने लगातार ट्रेनों की समस्याओं और लंबी दूरी की ट्रेन चलाई जाने को लेकर ब्रॉडगेज संघर्ष समिति के माध्यम से धरना, प्रदर्शन और आंदोलन किया है आज उसी का परिणाम है कि लंबी दूरी की ट्रेन बालाघाट से गुजर रही है ।

# नवयुवक ग्राम एकता समिति टेकाड़ी द्वारा निकाली गई भव्य कावड़ यात्रा

## सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण हुए शामिल, कल अंतिम सावन सोमवार पर शिव मंदिर टेकाड़ी में होंगे विभिन्न कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । सावन मास के पावन अवसर पर जिले भर में कावड़ यात्रा का दौर जारी है।जहां भक्तगण वैनगंगा नदी सहित अन्य जलाशयों का जल अपने कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जगह-जगह जलाभिषेक कर रहे हैं। इसी कड़ी में नवयुवक ग्रामीण एकता समिति ग्राम टेकाड़ी द्वारा 3 अगस्त रविवार को वैनगंगा नदी शंकरघाट मंदिर से एक कावड़ यात्रा निकली गई। शिव मंदिर के लिए निकाली गई इस कावड़ यात्रा में शामिल भक्तगण डीजे की धुन पर झूमते गाते नजर आए। तो वही उन्होंने भक्ति भाव के साथ वैनगंगा शंकरघाट पहुचकर भगवान भोलेनाथ की विधि विधान से पूजा अर्चना की, तो वहीं वैनगंगा नदी शंकर घाट पहुंचकर कावड़ में जल लेकर डीजे की धुन पर कावड़ यात्रा ग्राम टेकाड़ी के लिए निकाली गई।बताया गया कि इस कावड यात्रा में 8 वर्ष के बच्चे, और 60 कावड़ियो के अलावा 300 के करीब ग्रामीण व माता बहने प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। जो सोमवार शाम टेकाड़ी स्थित

शिव मंदिर पहुंचें। जहां सभी कावड़ियों और ग्रामीणों ने सामुहिक भोजन कर ,रात्रि विश्राम किया।जिसके अगले दिन 4 अगस्त अंतिम सावन सोमवार को वैनगंगा नदी के इसी जल से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाएगा। इसके अलावा रुद्राभिषेक, हवन पूजन ,भंडारा ,महाप्रसाद वितरण सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। ग्राम टेकाड़ी में नवयुवक ग्रामीण एकता समिति द्वारा पहली बार निकाली गई इस कावड़ यात्रा में समिति संयोजक डॉ डीसी पटले, सुधुलाल बाहेश्वर, शैलेंद्र पांचे, योगेश गाड़ेश्वर, विनोद पांचे, ढिमरुलाल देशमुख, राजेश यादव, कैलाश पटले, शंकरलाल मात्रे, मुकेश खैरवार, रवि, दत्ता बाहेश्वर, पवन यादव, राजू पांचे, विजय सोनी, जितेंद्र सोनी, नगेंद्र मात्रे, सुनील मात्रे, गोविंद हिवेन्द्रवार, आसु टेकाम, अनिल पाचे, खेमेन्द्र सोनी, आशीष बाहेश्वर, और सुभाष पाचे, सहित समिति के अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

# रिटायर्ड उपयंत्री के घर हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा

## रजा नगर निवासी ने की थी उपयंत्री के घर चोरी ,11 प्रकरण है पहले से ही थानों में दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । बीते दिनों शहर के वार्ड क्रमांक 25 में लगातार चार से पांच घरों में चोरों ने सूने मकान को अपना निशाना बनाया था। जिसमें लाखों रुपए की चोरी की घटनाएं सामने आई थी। कोतवाली पुलिस द्वारा वार्ड क्रमांक 25 में हुई एक चोरी का खुलासा किया गया है। जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक द्वारा स्थानीय कंट्रोल रूम में चोरी का खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की मदद से रजा नगर के एक युवक को पकड़ा है। जिसने वार्ड क्रमांक 25 में हुई चोरी करना कबूल किया है। आपको बता दे की बीते कुछ दिनों से शहर के अलग-अलग वार्डों में अज्ञात चोरों द्वारा सूने मकान और दुकानों को अपना लगातार निशाना बनाया जा रहा है ।अलग-अलग वार्डों में लाखों रुपए की चोरी की घटनाएं सामने आई है। पुलिस द्वारा शहर के वार्ड क्रमांक 25 में सेवानिवृत्त उपयंत्री के घर हुई चोरी का खुलासा किया गया है । जिसमें नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि निश्चित ही बीते कुछ दिनों से शहर में चोरी की घटनाएं बढ़ी है , किंतु पुलिस भी लगातार हो रही चोरियों का खुलासा कर रही है, जिसमें उन्होंने बताया कि 07 जुलाई को फरियादी राजेश वाघेला, निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, प्रेमनगर, द्वारा थाना कोतवाली में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि 03 जुलाई को वह दोपहर 12ः00 बजे से 06 जुलाई सायं 19ः30 बजे के बीच अज्ञात चोर द्वारा उनके घर से सोने-चांदी

के जेवरात, निकोन कंपनी का कैमरा नगद चोरी कर लिए गए हैं। जिसमे उनके घर से लगभग 5 लाख रूपयें की चोरी हुई हैं , रिपोर्ट पर थाना कोतवाली बालाघाट में अपराध क्रमांक 334/2025, धारा 305, 331(4) बी.एन.एस. के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । जांच के दौरान सिंचाई विभाग से सेवानिवृत्त उपयंत्री के घर से चोरी गए माल तथा आरोपी की तलाश में, कोतवाली पुलिस द्वारा शहर के विभिन्न सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संदिग्ध राहुल सहारे द्वारा उक्त चोरी करना पाया गया। आरोपी की निशानदेही पर चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात तथा निकोन कंपनी का कैमरा बरामद किया गया। आरोपी राहुल सहारे पिता रमेश सहारे, उम्र 23 वर्ष शहर के वार्ड क्रमांक 10, रजा नगर का रहने वाला है, जिसके विरुद्ध पूर्व से थाना कोतवाली सहित अन्य थानों में चोरी के कुल 8 प्रकरण एवं मारपीट सहित अन्य आपराधिक प्रवृत्ति के कुल 3 प्रकरण सहित कुल 11 प्रकरण पंजीबद्ध हैं। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश कर दिया हैं ।

### बड़ी चोरियों का खुलासा होना बाकी

बीते कुछ दिनों में शहर के 33 अलग-अलग वार्डों में लाखों रुपए की चोरी की घटनाएं सामने आई थी। जिसमें शहर की महिंद्रम कॉलोनी सहित वार्ड क्रमांक 25 में ही लाखों रुपए की बड़ी चोरियां हुई है । जिसको लेकर अभी भी पुलिस के हाथ खाली ही नजर आ रहे हैं। जबकि लगातार हो रही चोरी को लेकर नगर पुलिस अधीक्षक ने आमजन और शहर वासियों से अपने घरों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की अपील की है।

### गर्रा मामले के आरोपी की जल्द होगी गिरफ्तारी

प्रेस वार्ता के दौरान अनौपचारिक चर्चा में नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली सिंह ने गर्रा मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द होने की बात कही है। उन्होंने बताया कि गर्रा सरपंच के मामले में पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीम गठित कर दी है । जिन्होंने मुखबिर की सूचना पर काम करना भी शुरू कर दिया है। जल्द ही पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर लेगी। उन्होंने बातों ही बातों में यह भी संकेत दे दिया है कि जल्द ही वह गर्रा मामले के आरोपियों को एक से दो दिन के अंदर गिरफ्तार कर लेंगे ।

### अंडर-16 नेशनल फुटबॉल चैम्पियनशीप

# बी.सी.राय ट्राफी नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता से मप्र की टीम बाहर

## उप्र और असम ने जीता सेमीफायनल मैच, कल 5 अगस्त को खेला जाएगा फायनल मुकाबला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले में 26 जुलाई से खेली जा रही अंडर-16 बॉयस बी.सी. राय ट्राफी नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में, अपने खराब प्रदर्शन के चलते मध्य प्रदेश की टीम प्रतियोगिता से बाहर हो गई। तो वही अब प्रतियोगिता का फाइनल मैच 5 अगस्त मंगलवार को नगर के रेंजर कालेज मैदान में उत्तर प्रदेश और असम के बीच कराकर इस प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा। इसके पूर्व 3 अगस्त रविवार को रेंजर कॉलेज मैदान में खेले गए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में मध्य प्रदेश और बिहार की टीम को हराकर उत्तर प्रदेश और असम की टीम ने सेमीफाइनल जीतकर प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। अब इन दोनों ही टीमों के मध्य मंगलवार को प्रतियोगिता का फाइनल मैच कराकर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।जहा समापन के पूर्व खिलाड़ियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर नेशनल प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन कर राष्ट्रीय फुटबॉल टीम की घोषणा की जाएगी।

### उप्र ने मप्र को 3-0 से हराया

नगर में आयोजित अंडर-16 बॉयस बी.सी. राय ट्राफी नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता का सेमीफायनल मैच रविवार को नगर के रेंजर कॉलेज मैदान में मध्यप्रदेश बनाम उत्तरप्रदेश के बीच खेला गया। जिसमें उत्तरप्रदेश टीम के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश के खिलाफ एक के बाद एक लगातार तीन गोल दागे। तो वही मध्य प्रदेश की टीम सेमीफाइनल में अपने पैरो का जादू नही दिखा सकी।जो लाख जद्दोजहद के बावजूद भी उत्तर प्रदेश के खिलाफ एक गोल तक दागने में कामयाब नहीं हो सकी।इस तरह उत्तर प्रदेश की टीम ने मध्यप्रदेश पर एकतरफा जीत दर्ज करते हुए 3-0 से मध्यप्रदेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। वही तीन गोल से बड़ी जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

### असम ने बिहार को हराया

उधर प्रतियोगिता में दिन का दूसरा सेमीफायनल मैच असम बनाम बिहार के बीच खेला गया।काफी रोमांचक रहे इस मुकाबले में असम ने अंतिम समय में एक-एक गोल की बराबरी को एक गोल करके, अपनी बढ़त बनाई और 2-1 से जीत दर्ज कर असम ने बिहार को पराजित कर दिया। इस तरह असम ने बिहार को हराकर प्रतियोगिता के फाइनल में अपनी जगह बनाई।

### प्रतियोगिता का फाइनल कल

प्रतियोगिता का फायनल मैच, 5 अगस्त को असम और उप्र के बीच दोपहर 2.30 बजे से रेंजर कॉलेज मैदान में खेला जाएगा।आपको बताए कि अखिल भारतीय फुटबॉल संघ और जिला फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में 16 राज्यो की टीमो ने हिस्सा लिया था। जिनके बीच खेले गए मैचो में मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार और असम, लीग मैच को पार कर सेमीफायनल तक पहुंची थी। जहां सेमीफाइनल में उत्तर प्रदेश ने मध्य प्रदेश को, तो वही असम ने बिहार को हराकर फाइनल में प्रवेश किया है। अब असम और उत्तर प्रदेश के बीच प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 5 अगस्त को खेला जाएगा।

### इन 16 राज्यो की टीमो के बीच कराई गई प्रतियोगिता

आपको बताएं कि इस प्रतियोगिता में 16 राज्यों की टीम शामिल हुई थी जिन्हें चार ग्रुप में रखा गया है।जिसमें ग्रुप ए में त्रिपुरा, उत्तरप्रदेश, अंडमान-निकोबार और हिमाचल प्रदेश।इसी तरह ग्रुप बी में हरियाणा, जम्मु कश्मीर, असम और राजस्थान,जबकि ग्रुप सी में आंघ्रप्रदेश, पांडीचेरी, गुजरात और मध्यप्रदेश तथा ग्रुप डी में बिहार, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश और उत्तराखंड की टीमो को रखा गया था। जिसमे सेमीफायनल विजेता 2 टीमो के बीच 5 अगस्त को फायनल मैच कराकर प्रतियोगिता का समापन किया जाएगा।

# भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा नगर में निकाली गई आक्रोश रैली

## मांग पूरी न होने पर लगातार आंदोलन करने की दी चेतावनी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जातिगत भेदभाव मिटाने, स्वाभिमान और मानवता बढ़ाने सहित अन्य प्रमुख उद्देश्यों को लेकर रविवार को नगर के अंबेडकर चौक में एक विशाल जनसभा आंदोलन एवं आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। भीम आर्मी एकता मिशन बालाघाट के बैनर तले विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए इस जन आंदोलन व आक्रोश रैली के तहत नगर के अंबेडकर चौक में उपस्थित विभिन्न वक्ताओं ने जिले में निहित विभिन्न घटनाओं का उल्लेख करते हुए, वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को पूरी किए जाने की गुहार लगाई।तो वही प्रदेश स्तर से आए वक्ताओं,पदाधिकारी और अतिथियों द्वारा जिले सहित संपूर्ण मध्य प्रदेश व देश में ओबीसी ,एसटी ,एससी के खिलाफ चल रही साजिशों का बखान कर, प्रदेश व देश में निहित विभिन्न मुद्दे उठाए। जिसमें खासतौर पर दलित आदिवासी ओबीसी आरक्षण, एट्रोसिटी एक्ट, वक्फ बिल कानून, आरक्षण ,संवैधानिक व मौलिक अधिकार सहित निजीकरण का मुद्दा जमकर गुंजा। जहां आदिवासियों को उनकी जंगल भूमि से बेदखल कर, भूमि का निजीकरण करने, ग्रामीण अंचलों में भेदभाव के तहत एससी एसटी ओबीसी लोगों को अपमानित करने, छुआछूत की भावना रखते सहित अन्य मुद्दों पर अपनी नाराजगी जताते हुए उन्होंने मूल निवासियों को इंसाफ दिए जाने की गुहार लगाई। जहां रैली और उद्बोधन का देर शाम समापन कर,भीम आर्मी एकता मिशन द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री व महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौपा गया है। जिसमें उन्होंने वर्षों से लंबित उनकी विभिन्न सूत्रीय मांगों को जल्द से जल्द से पूरा कराए जाने की गुहार लगाई है। जहां उन्होंने मांग पूरी न होने पर संपूर्ण प्रदेश व देश में आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

### नगर में निकाली आक्रोश रैली, की जमकर नारेबाजी

नगर के अंबेडकर चौक में आयोजित इस जनसभा आंदोलन के बाद नगर में एक आक्रोश रैली निकाली गई।नगर के अंबेडकर चौक में बाबा साहेब अंबेडकर को माल्यार्पण कर, जय घोष के बाद निकाली गई इस रैली में उन्होंने उनकी समस्त मांगों को पूरा कराया जाने की गुहार लगाई है। भीम आर्मी एकता मिशन के प्रदेश वरिष्ठ महासचिव दानिश खान और ओबीसी महासभा राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य महेंद्र सिंह लोधी के नेतृत्व में

निकाली गई यह आक्रोश रैली अंबेडकर चौक से हनुमान चौक, वहां से सराफा बाजार होते हुए मुख्य मार्ग के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण कर सीधे काली पुतली चौक पहुंची, जहां से यहां रैली बस स्टैंड ,रानी अवंती बाई चौक, वहां से जिला अस्पताल होते हुए, संत रविदास चौक से वापस जय स्तंभ चौक, वहां से सीधे धरना स्थल अंबेडकर चौक पहुंची। रैली के माध्यम से नगर के विभिन्न चौक चौराहो में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर जय घोष किया गया। वापस अंबेडकर चौक पहुंचकर इस आक्रोश रैली का समापन कर प्रमुख वक्ताओं द्वारा उद्बोधन दिया गया। इसके उपरांत विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।

# बाघ के शव को जलाने के आरोप में वन विभाग ने 6 वन सुरक्षाकर्मी को लिया अभिरक्षा में, पुछताछ जारी

## आदिवासी विकास परिषद् ने एकपक्षीय कार्यवाही होने पर आंदोलन करने की दी चेतावनी

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट परिक्षेत्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली बटियाटिकुर बीट क्षेत्र क्रमांक 443 पोटूटोला स्थित कालागोटा नाले में बाघ मृत अवस्था में होने एवं उसके अवशेष गायब हो जाने वाली बाघ की मृत फोटो सोनेवानी वन्यजीव सुरक्षा समिति के व्हाट्सअप ग्रुप (सोशल मीडिया) में शनिवार को दिनभर वायरल होते रही। जिसके बाद वन विभाग के आलाधिकारी हरकत में आये और घटना स्थल पहुंचकर सर्चिंग किये लेकिन बाघ का शव बरामद नही हुआ। वहीं वन विभाग का सर्चिं ग अभियान निरंतर जारी रहा एवं बहियाटिकुर बीट क्रमांक 443 में वन सुरक्षाकर्मी (चौकीदार) के पद पर कार्य करने वाले 6 लोगों को संदेह के आधार पर अभिरक्षा में लेकर पुछताछ की जा रही है। वहीं पुछताछ में वन सुरक्षाकर्मियों ने बताया कि वनरक्षक हिमांशु घोरमारे एवं डिप्टी रेंजर टीआर हनौते के निर्देश पर मृत बाघ को जलाकर रफा-दफा कर दिये है। इस तरह से वन विभाग के कर्मचारियों के द्वारा वन सुरक्षाकर्मियों के सहयोग से मृत बाघ को जलाकर बड़ा अपराध किया गया है। लेकिन वन विभाग के द्वारा समाचार लिखे जाने तक डिप्टी रेंजर, वनरक्षक के कहने पर वन सुरक्षाकर्मियों ने बाघ को जलाया है। जिसकी अधिकारिक रूप से पुष्टि नही की गई है, न ही शव का पता चल पाया है।

### वन विभाग की एकपक्षीय कार्यवाही से आदिवासी समाज में आक्रोश व्याप्त

वहीं वन्यप्राणी बाघ को जला देने के आरोप में वन विभाग के द्वारा 6 वन सुरक्षाकर्मियों को अभिरक्षा में रखकर उन सभी पर बाघ को मारने एवं जलाने का मामला कायम करने की बात कही जा रही है। जिससे उनके परिजन एवं म.प्र. आदिवासी परिषद के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। रविवार को म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारी एवं वन सुरक्षाकर्मी के परिजन बड़ी संख्या में दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा पहुंचकर वन सुरक्षाकर्मियों को आरोपी बनाने का विरोध करते हुए इस घटना के मुख्य आरोपी वनरक्षक श्री घोरमारे, डिप्टी रेंजर श्री हनौते को बचाने का वन विभाग पर आरोप लगाया है। साथ ही एक पक्षीय कार्यवाही होने पर आंदोलन करने की चेतावनी भी दिये है। साथ ही डिप्टी रेंजर एवं वनरक्षक के कहने पर सुरक्षाकर्मियों ने किया मृत बाघ को रफा-दफा करने के आरोप के बाद से वन विभाग का पूरा अमला घेरे में आ चुका है।

### वनरक्षक एवं डिप्टी रेंजर के निर्देश पर मृत बाघ को जलाया गया है - झनकार

जनपद सदस्य प्रतिनिधि झनकारसिंह उइके ने बताया कि वन सुरक्षाकर्मियों से मिली जानकारी अनुसार एक सप्ताह पूर्व बटियाटिकुर बीट में बाघ की मौत हो गई थी। जिसकी जानकारी सुरक्षाकर्मियों के द्वारा वनरक्षक श्री घोरमारे, डिप्टी रेंजर श्री हनौते को मृत बाघ का शव दिखाई देने की जानकारी दी गई लेकिन उनके द्वारा वन सुरक्षाकर्मियों को बाघ के शव को रफा-दफा करने निर्देश दिये गये और उन्होने ना समझ का परिचय देते हुए वन अधिकारियों का इंतजार न करते हुए बाघ के शव को जला दिये है जिसका पुरा आरोप उन पर लगाया जा रहा है। जबकि वनरक्षक व डिप्टी रेंजर मुख्य आरोपी है। श्री उइके ने बताया कि 6 वन सुरक्षाकर्मियों को पकड़ा गया है और एक पक्षीय कार्यवाही की जा रही है जिसका आदिवासी समाज विरोध करता है, हमारी मांग है कि जिनके निर्देश पर बाघ को जलाया गया है उन पर भी कार्यवाही होनी चाहिए।

### एकपक्षीय कार्यवाही होने पर करेगें जन आंदोलन - ज्ञानसिंह

म.प्र. आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा अध्यक्ष ज्ञानसिंह गोडगे ने बताया कि वन सुरक्षाकर्मियों को जिन अधिकारियों ने मृत बाघ को जलाने का निर्देश दिये है उन पर कार्यवाही होनी चाहिए। लेकिन वन विभाग के द्वारा वन सुरक्षाकर्मियों को आरोपी बनाया जा रहा है। जबकि वन सुरक्षाकर्मी (चौकीदार) सेवा के रूप में कार्य कर रहे थे जिन्होने बीटगार्ड व वन विभाग के अधिकारी को बाघ मृत दिखाई देने की जानकारी भी दिये, लेकिन उन्होने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को नही बताये। श्री गोडगे ने बताया कि वन विभाग के कर्मचारियों पर कार्यवाही नही होती है और एक पक्षीय कार्यवाही की जाती है तो पुरा आदिवासी समाज जन आंदोलन करेगा।

### दोषियों पर कठोर कार्यवाही करें प्रशासन - अनीस

विधायक प्रतिनिधि, पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि सोनेवानी टाइगर जोन क्षेत्र के नाम से जाना जाता है, बाघ की मृत्यु होना और मृत्यु के बाद बिना किसी अधिकारी को जानकारी दिये बिना जला देना यह बहुत बड़े दुर्भाग्य की बात है। शासन-प्रशासन से मांग है कि इस मामले की गंभीरता से जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करें।

### इनका कहना है-

सोशल मीडिया में मृत बाघ की फोटो वायरल होने के बाद फोटो लोकेशन ट्रेस किया गया। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर सर्चिंग की गई लेकिन बाघ का शव नही मिला है। वहीं संदेह के आधार पर 6 वन सुरक्षाकर्मियों को अभिरक्षा में रखकर पुछताछ की जा रही है, जल्द ही मामले का खुलासा किया जायेगा।

**बीआर सिरसाम**
**एसडीओं**
**दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।**

# बिरसोला में नवांकुर सखी हरियाली महोत्सव का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत बिरसोला में म.प्र. जन अभियान परिषद के द्वारा शनिवार को नवांकुर सखी हरियाली महोत्सव कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद जिला समन्वयक सुशील बर्मन , ब्लॉक समन्वयक श्रीमती बैजयंती कटरे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्राम स्थित राम मंदिर में पूजा अर्चना कर कलश यात्रा निकाली गई और यह कलश यात्रा पूरे ग्राम का भ्रमण करते हुए देवी मंदिर पहुंची तत्पश्चात कलश यात्रा का समापन किया गया। जिसके बाद एक पेड़ मां के नाम गुलमोहर के पौधे का रोपण किया गया। साथ ही सभी उपस्थित नवांकुर सखियों को एक-एक बादाम गुलमोर जामुन, अमरूद, काजू, नींबू, आंवला आदि पेड़ों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती ममता चौरे, सचिव शंकरलाल मातरे, हेमराज अंगूरे, दामेंद्र प्रसाद हरिनखेड़े, सामाजिक कार्यकर्ता विकास पटेल, सरपंच प्रतिनिधि पवन चौड़े, कमलेश चौरागड़े, पदमलाल तांबेकर, विकास पटले, कमलेश चौरागडे, प्रतिभा उमरकार, सविता उके, माया कानतोड़े, कीर्ति बघेल, रजनी सूर्यधर, माधुरी बागड़े, पूर्वा वैष्णव, दिनेश्वरी पारधी, गीता गलवले, मोना कानतोड़े, अनिता तितरमारे, कौतिका नखाते, शुभलता कानतोड़े, सागन उके, प्रिया नखाते, सलिता जैतवार, मीरा सहारे, सुशीला, दामिनी बिसेन, ललिता चौधरी, आशा सहारे, लक्ष्मी अंगूरे, संजीव डाहरे, महेंद्र सहारे, अंदूलाल पारधी, अंतराम, संभाराम नेवारे, बनवासी लांझेवार, सुंदरलाल पटले, शिक्षिका डोरस मेडम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# घोटी से निकली कांवड़ यात्रा, सुन्दरकांड पाठ का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भगवान शिव के भक्तों को सावन महीने का बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है। इस पावन पवित्र महीने में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा कांवड़ यात्रा निकालकर शिवभक्त वैनगंगा नदी से जल लाकर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी स्थित हनुमान मंदिर से 3 अगस्त को प्रात: 8 बजे डीजे की धुन पर विशाल कांवड़ यात्रा निकाली गई और यह कांवड यात्रा वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंची एवं वैनगंगा नदी का जल से पोटियापाट घाट स्थित भोले बाबा का जलाभिषेक किया गया। जिसके बाद सभी कांवड़िये जल लेकर वापस अपने ग्राम घोटी स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे जहां संगीतमय सुन्दरकांड पाठ पढ़ा गया जिससे पुरा ग्राम भक्तिमय हो गया। सुन्दरकांड पाठ कार्यक्रम संपन्न होने के बाद आरती कर महाप्रसादी का वितरण किया गया। चर्चा में कांवड़ यात्रा समिति पदाधिकारी सीताराम गजबे ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर 3 अगस्त को घोटी स्थित हनुमान मंदिर से कांवड़ यात्रा निकाली गई और इस कांवड़ यात्रा में शामिल कांवड़ियों ने डीजे की धुन पर भक्ति गीतों पर डांस करते हुए पोटियापाट घाट वैनगंगा नदी पहुंचे जहां से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। जिसके बाद मंदिर में सुन्दरकांड पाठ एवं विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही यह भी बताया कि इस कांवड़ यात्रा एवं सुन्दरकांड पाठ कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम की खुशहाली, अच्छी फसल के साथ-साथ क्षेत्र में सुख-समृध्दि की कामना की गई। इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में चेतन गौतम, प्रकाश देशमुख, सीताराम गजबे, मेघाराम टेंभरे, हर्षित बघेल, गजेन्द्र, उल्लास गिरी, गजेन्द्र बोरकर, लक्ष्मण बोमचेर, लेखराम सार्वे, दुलेन्द्र बोरकर, धनेन्द्र लानगे, सुरेन्द्र एवं समस्त ग्रामीणजनों ने की है।

# बजरंग मंदिर से निकलगी विशाल कांवड़ यात्रा आज

## मंदिर में संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी, समापन 11

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में सावन मास के शुभारंभ गत 11 जुलाई से संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ जारी है जिसका समापन 11 अगस्त को किया जायेगा। इस अखण्ड रामायण पाठ के अवसर पर बजरंग मंदिर में रोजाना सुबह भोलेनाथ का जलाभिषेक किया जाता है एवं दिन में महिलाओं एवं रात्रि में पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा शामिल होकर अखण्ड रामायण पाठ का वाचन किया जा रहा है जिससे नगर मुख्यालय भक्तिमय हो गया है। साथ ही सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को प्रात: 8 बजे बजरंग मंदिर से वैनगंगा नदी पोटियापाट धाम तक विशाल कावड़ यात्रा डीजे की धुन पर निकाली जायेगी और कावड़िये वैनगंगा नदी से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजन-अर्चन कर धर्मलाभ अर्जित करेगें जिसकी तैयारी समिति के द्वारा पूरी कर ली गई है। आपकों बता दे कि सावन मास के प्रारंभ होते ही नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में स्थित शिव मंदिर व शिवालयों में श्रध्दालुओं के द्वारा रोजाना अखण्ड रामायण पाठ व विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साथ ही समितियों के माध्यम से कांवड़ यात्रा निकलकर वैनगंगा नदी पोटियापाट व अन्य स्थानों से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे है। इसी तरह बजरंग मंदिर समिति लालबर्रा के द्वारा भी सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को मंदिर से विशाल कांवड़ यात्रा निकाली जायेगी और वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट से जल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। चर्चा में बजरंग मंदिर समिति सदस्य पवन नामदेव ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सावन मास के अवसर पर नगर मुख्यालय में स्थित बजरंग मंदिर में गत दिवस से अखण्ड रामायण पाठ जारी है जिसका वाचन संपूर्ण सावन मास की समाप्ति तक जारी रहेगा और प्रतिदिन दिन में महिलाओं व रात्रि के समय पुरूष व युवा वर्ग के द्वारा संगीतमय अखण्ड रामायण पाठ पढ़ा जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि सावन मास के अंतिम सोमवार 4 अगस्त को प्रात: 8 बजे मंदिर प्रांगण से विशाल कांवड़ यात्रा निकलेगी जो वैनगंगा नदी पोटियापाट घाट पहुंचेगी जहां से कावड़ में जल लाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक व पूजा अर्चना की जायेगी और एक माह से जारी अखण्ड रामायण पाठ का रक्षाबंधन पर्व के दुसरे दिन 11 अगस्त को हवन-पूजन व महाप्रसादी वितरण के साथ समापन किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि इस कांवड़ यात्रा में शामिल श्रध्दालुओं को पत्रकारों के द्वारा फल का वितरण भी किया जायेगा।

# भीम आर्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश महासचिव का हुआ नगरागमन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश महासचिव दानिश खान का रविवार को नगरागमन हुआ। इस अवसर पर लालबर्रा भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारियों ने रविवार को विश्राम गृह के सामने प्रदेश महासचिव दानिश खान का स्वागत किया। जिसके बाद श्री खान ने सभी पदाधिकारियों से मुलाकात कर संगठन के मूल विचारों से उपस्थितजनों को अवगत करवाकर संगठित होकर काम करने की बात कहीं। जिसके बाद भीम आर्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश महासचिव बालाघाट में आयोजित भेदभाव मिटाओं और मानवता बचाओं आंदोलन में शामिल होने के लिए रवाना हो गये। इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के प्रदेश महासचिव दानिश खान के साथ छिंदवाड़ा जिलाध्यक्ष प्रदीप जुमले, सिवनी जिलाध्यक्ष वीरेंद्र रोड़े, हसीब खान उपाध्यक्ष जितेंद्र कोचे, गोलू रोड, जिला मीडिया प्रभारी विनोद पाटिल सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

# सात गांवों से एक साथ निकली कांवड यात्रा

बेहरई/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई, कनकी, चंदपुरी, लवादा, छतेरा, खोंगाटोला व गर्रा से बोल बम समिति के बैनर तले एक साथ 3 अगस्त को भव्य कांवड यात्रा डीजे की धुन पर निकाली गई। इस अवसर पर सात ग्राम के कांवड़िये गर्रा में एकत्रित हुए जहां मंदिर में पूजा पाठ करने के बाद वैनगंगा नदी का जल लेकर सभी कांवड़िये लांजी स्थित कोटेश्वर धाम के लिए रवाना हुए और सोमवार को कोटेश्वर धाम लांजी पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को जलाभिषेक कर ग्राम में सुख, समृध्दि एवं खुशहाली के लिए प्रार्थना कर धर्मलाभ अर्जित करेगें। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

# शंकर नगर के वार्डवासी कीचड़ से परेशान

## कच्ची सड़क होने से वार्डवासियों को हो रही समस्या

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १ शंकर नगर स्थित एक कच्ची सड़क की समस्या बनी हुई है। जिस पर आवागमन करने में वार्डवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि मार्ग पर अत्यधिक कीचड़ और पानी फैला हुआ है जहां से प्रतिदिन आवागमन कर रहे लोगों को परेशान होना पड़ रहा है। जहां पर उनके द्वारा सड़क निर्माण करने या वैकल्पिक व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है। क्योंकि यह मार्ग शंकर नगर से सीधा मदनपुर रोड़ को जोड़ता है जहां से वार्डवासी सहित अन्य लोग भी प्रतिदिन आना जाना करते हैं। वहीं समीप से १ माइनर नहर सिकंद्रा के लिए जाती है जहां से नाली के माध्यम से पानी शंकर नगर के अंदर से होते हुए खेती के लिए जाता है। वहां पक्की नाली ना होने के कारण यह पानी पूरे सड़क पर फैला रहता है वाहनों की आवा जाई से मौके पर कीचड़ और दलदल जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। जहां पर रहने वाले लोगों का पैदल चलना भी परेशानी का सबक बन गया है । वार्डवासियों के द्वारा उक्त समस्या को लेकर स्थानीय प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों को भी शिकायत की गई है। किंतु वर्तमान तक किसी के द्वारा उक्त स्थान पर व्यवस्था नहीं बनाई गई है और ना ही सड़क का निर्माण किया गया है। सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है उनके द्वारा मार्ग पर व्यवस्था बनाए जाने की मांग की जा रही है।

### सड़क कीचड़ और दलदल जैसी हो गई है-अशोक मेश्राम

वार्डवासी अशोक मेश्राम ने बताया कि बहुत ज्यादा समस्या यहां पर हमें होती है इस कीचड़ पर से लोगों को प्रतिदिन सामने की ओर जाना होता है दूसरे लोग भी यही मार्ग का उपयोग कर लेते हैं। यहां पर

कंपनी के द्वारा टावर लगाया गया है उन्होंने मिट्टी और मुरूम को सड़क पर फेंक दिया था जो पानी के कारण अभी कीचड़ और दलदल जैसी हो गई है। इसके लिए हमने पार्षद से भी संपर्क किया था कि यह रोड़ का निर्माण कर दिया जाए या अभी जो समस्या बनी है उसकी तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था बनाई जायें।

### नाली का पक्का निर्माण नही होने से रोड़ पर पानी फैलता है-ढालचंद बिसेन

वार्डवासी ढालचंद बिसेन ने बताया कि यहां पर हमेशा बरसात के समय यह समस्या बनी हुई है क्योंकि खेतों के लिए नहर का पानी यहीं से जाता है। पक्का निर्माण नही होने से रोड़ पर यह पानी फैलता है तो वहीं बरसात का पानी भी रोड़ पर भर जाता है। सभी तरफ से परेशानी है पैदल चल नहीं पाते गाड़ियां फंस जाती है कई बार

बच्चों के कपड़े खराब हो जाते हैं। पहले भी यही स्थिति थी आज भी यही स्थिति है इसकी शिकायत रोड़ बनाने के लिए की गई है आवेदन दिया है पर कुछ नहीं हुआ। अभी यहां पर गिट्टी और चूरी डाल कर व्यवस्था बनानी चाहिए तो वह भी नहीं की गई है।

### इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि शंकर नगर में उक्त समस्या का मौका निरीक्षण कर तत्कालीन व्यवस्था बनाने का प्रयास हमारे द्वारा किया जाएगा।

**सूर्यप्रकाश उके**
**मुख्य नगर पालिका अधिकारी**
**वारासिवनी**

# प्रगतिशील सर्ववर्गीय कलार समाज की आवश्यक बैठक सम्पन्न

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित सामाजिक भवन में प्रगतिशील तहसील सर्ववर्गीय

कलार समाज वारासिवनी की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक समाज के वरिष्ठ मार्गदर्शक संयोजक एवं संरक्षक डी पी चौरागढ़े की विशेष उपस्थिति एवं नवनियुक्त सामज के अध्यक्ष सुनील पिपरेवार की अध्यक्षता में प्रारभ की गयी। यह बैठक समाज की कार्यकारिणी के शेष पदों उपाध्यक्षों में सर्व सम्मति से प्रदीप कोसरकर, रवि सोनेकर, महेश साहू, रिंकू चापूकर, वित्तीय सलाहकार जितेश बमनोटे ,मिडिया प्रभारी अजय डाहके, विधि सलाहकार पंकज पिपरेवार एवं अजय साकरे,पुष्पेन्द्र कलिहारी को मनोनयन के साथ ही कार्यकारिणी सदस्य सुरेश डोहरे, नहन्द कावडे, लक्ष्मीनारायण कडे, नरेन्द्र डोहरे, अशोक मण्डलेकर, पी एच पालेवार, रूपेन्द्र सोनवाने, दिनेश भोयर,संजीव जायसवाल, विजय तेलासकर के नाम सर्वसम्मति से मनोनयन किया गया। इस अवसर पर उम्मेद पालेवार, ओमप्रकाश बारेवार, धनेन्द्र सोनेकर, शिवशंकर मण्डलेकर, दशरथ डहरवाल, अनिता जामुनपाने, शुशीला धनकडे, रोशनी डाहके, श्रीति पालेवार, विजेता सोनेकर, मनीषा पिपरेवार, आरती सोनेकर, डाली जायसवाल, पूजा सोनेकर, डॉ.मोनिका तरूण सोनेकर, धनराज धुवारे, नरेन्द्र डोहरे, बालगोविंद गडपांडे, अजय डाहके, संजय साकरे, महेन्द्र कावडे, प्रीतम डहरवाल, जीतेन्द्र सोनेकर, नितिन सिरसाटे, महेन्द्र सोनगडे, विजय डाहके, जितेश बमनोटे,प्रेमलाल डहरवाल, एस के दहीकर उपस्थित रहे।

# गोवारी समाज महिला मंडल का सावन झूला संपन्न

## विभिन्न प्रतियोगिता आयोजित कर पुरस्कार किये गये वितरित

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १२ स्थित खिल्या मुठिया देव परिसर में नगर के गोवारी समाज महिला मंडल के तत्वाधान में सावन झूला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम समाज की वरिष्ठ महिलाओं की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज की महिलाओं ने उपस्थित होकर भगवान राधा कृष्ण की विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया। जिसके बाद सावन झूला कार्यक्रम में झूला झूलकर समस्त सुहागिन महिलाओं को हल्दी कुमकुम का वितरण किया गया। तत्पश्चात खेल गतिविधियां प्रारंभ की गई जिसमें कुर्सी दौड़ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिता महिलाओं के लिए आयोजित कि गई। वहीं बालक बालिकाओं के लिए भी विभिन्न खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान महिला एवं बालक बालिकाओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर समाज की महिलाओं के द्वारा बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर आनंद लिया गया वहीं परस्पर एक दूसरे से मुलाकात की गयी। इस संबंध में जानकारी देते हुए श्रीमती ललिता ठाकरे ने बताया कि वर्तमान में सावन का पावन महीना चल रहा है जिसमें सावन झूला एक जरूरी रश्म होता है जिसे उत्सव की तरह हमारे पूर्वज मानते थे। परंतु वह दौर तो नहीं है इसलिए सामाजिक स्तर पर सावन झूला कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जो प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी नगर गोवारी समाज महिला मंडल के द्वारा आयोजित किया गया है। जिसमें भगवान की पूजा अर्चना भजन के साथ खेल गतिविधियां भी करवाई गई। समाज में लगातार महिलाएं अपने घरों में व्यस्त रहती है जिनके लिए इस प्रकार के आयोजन कर एक सामाजिक स्तर पर मिलन समारोह के रूप में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जिससे पर्व मनाने के साथ सामाजिक स्तर पर मिलने का मौका मिलता है। इसके पीछे मान्यता है कि सावन झूला झूलने से महिलाएं सौभाग्यवती होती है भगवान शिव ने माता पार्वती के लिए यह झूला लगाया था। तब से यह सावन झूला पति पत्नी के प्रेम और सामंजस्य का प्रतीक है। इस अवसर पर नगर गोवारी समाज महिला मंडल की पदाधिकारी सदस्य सहित स्वजातीय महिलाएं मौजूद रही।

# लालपुर से झिरिया महादेव के लिए निकाली कावड़ यात्रा

## यात्रा में देखने मिला आस्था का जनसैलाब

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। हिंदू धर्मालंबियों का सबसे पवित्र महीना सावण मास प्रारंभ होते ही हर कोई भगवान शिव की भक्ति में लगे रहते हैं। जगह जगह विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान के साथ कावड़ यात्रा भी निकालकर भगवान शिव का अभिषेक कर धर्म लाभ अर्जित किया जाता है। इसी कड़ी में वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर से झिरिया महादेव पहाड़ी के लिए ग्रामवासियों के तत्वाधान में विशाल कावड़ यात्रा आयोजित की गई। यह यात्रा ३ अगस्त की सुबह ग्रामीणों की उपस्थिति में डीजे की धुन पर धूमधाम से ग्राम से निकाली गई। जो ग्राम के विभिन्न चौक चौराहा और गलियों का भ्रमण करते हुए लालपुर से सिंगोड़ी ,रामपायली ,कंहार टोला ,अमई ,भजियादंड सहित अन्य ग्रामों का भ्रमण करते हुए झरिया महादेव पहाड़ी पहुंची। जहां पर ग्रामीणों के द्वारा अपनी कावड़ में लाये गये जल से झरिया महादेव का जलाभिषेक किया गया। इस यात्रा के दौरान यात्रा में शामिल लोगों का उत्साह दोगुना देखने को मिला जहां लोगों के द्वारा डीजे पर बज रहे भक्ति में गीतों पर जमकर नृत्य भी किया गया। तो वहीं हर हर महादेव के उद्घोष पूरे रास्ते लगाते रहे इस कावड़ यात्रा में भगवान शिव ,माता पार्वती, भगवान कृष्ण की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जिसे देखने के लिए लोगों के द्वारा रास्ते में भीड़ लग गई। वहीं यात्रा के रास्ते में पढ़ने वाले विभिन्न ग्रामों के विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों के द्वारा पानी वितरण कर वह पुष्प पंखुड़ियां की बौछार कर स्वागत किया गया। यह कावड़ यात्रा ग्राम झरिया के महादेव पहाड़ी पर पहुंची जहां कांवड़ियों के द्वारा अपनी कावड़ में लाये गये जल से भगवान शिव का अभिषेक कर तत्पश्चात हवन पूजन कर महा आरती की गई। इस संबंध में ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिवर्ष ग्राम से सावन मास के पावन अवसर पर कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी यह आयोजित की गई है जिसमें ग्राम झिरिया की महादेव पहाड़ी के लिए यह यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में दुगने उत्साह के साथ ग्रामीणों ने कावड़ के साथ शामिल हुये और हर्षोल्लास के साथ यह यात्रा का समापन किया गया है। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि ग्रामीणजन मौजूद रहे।

# श्री जागेश्वर शिव मंदिर में कलश रूम का प्रदीप जायसवाल के हस्ते हुआ लोकार्पण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में श्री जागेश्वर शिव मंदिर को नपा परिषद के द्वारा प्रदान किये गये अतिरिक्त कक्ष कलश रूम का लोकार्पण पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल के हस्ते संपन्न हुआ। पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की हमने माता शीतला मंदिर व जागेश्वर शिव मंदिर में लगभग १७ लाख रूपये की लागत से अतिरिक्त कक्ष कलश रूम का निर्माण कार्य कराया है। इस कार्य से धार्मिकता और भक्ति की भावना को बढावा भी मिलेगा। साथ ही यह कार्य भक्तो को भगवान के करीब जाने व उनकी कृपा प्राप्त करने का माध्यम भी बनेगा। आज मंदिर में शिवजी की आरती के बाद जागेश्वर शिव मंदिर समिति ने विशेष तौर पर अतिरिक्त कक्ष की आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने के लिये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल का अभिनंदन भी किया। इस दौरान भंडारा रूपी प्रसाद को प्राप्त कर सभी भक्तोगणो ने धर्मलाभ भी ग्रहण किया। इस अवसर पर संतोष बारसगडे, पूनम गौतम, रंजीत चौधरी, अनिल पंचेश्वर, विशाल लोधे, मनोज दांदरे, संदीप मिश्रा, संतोष आड़े, जगदीश नेमा उपस्थित रहे।

# श्रावण में शिव-राम भक्ति के श्रवण से जीवन का उद्धार

सरलता के सुगंध की वर्षा करने वाले शिव का प्रिय माह समापन की ओर अग्रसर है। भूत-भावन भोलेनाथ को राम नाम अत्यंत प्रिय है। वे माता पार्वती को भी राम नाम की कथा श्रवण के लिए प्रेरित करते है और माँ भी आतुर होकर जगतपति श्री राम की कथा श्रृद्धा पूर्वक श्रवण करती है। राम कथा की अमृत वर्षा में महेश और भवानी सदैव सराबोर होते है। भगवान होने के पश्चात् भी वे राम भक्ति में ही आनंद की अनुभूति करते है। शिव सदैव सरलता और त्याग से सुशोभित होते है और माँ भगवती जगदम्बा शिव के इसी स्वरुप का सदैव वरण करना चाहती है। श्रावण माह तो प्रभु की भक्ति के श्रवण का भी माह है, फिर भले ही वह राम कथा हो या शिवमहापुराण। रूद्र अवतार हनुमान भी तो राम कथा प्रेमी है। इसलिए जब भगवान राम ने अपनी लीला समाप्त की और हनुमान से चलने का आग्रह किया तो उन्होंने चलने से मना कर दिया, क्योंकि भगवान की कथा रूपी अमृत वर्षा तो केवल धरती पर ही होती है और वे सदैव इसी राम कथा के रसास्वादन में लीन रहते है। श्रावण माह हमें श्रवण अर्थात सुनने की ओर भी प्रेरित करता है। भगवान की कथा सुनने के पश्चात् हमें भक्ति करने में आनंद का अनुभव होता है और यह कथा श्रवण हमारी भक्ति को और भी दृ ?ता प्रदान करती है। कथाएँ हमें भगवान के स्वरुप को समझने में सहायक होती है और जीवन के संशय को समाप्त करती है। जीवन में श्रवण का महत्त्व सर्वाधिक है। राजा परीक्षित को कथा के द्वारा ही उद्धार प्राप्त हुआ था। हरि और हर की कथा श्रवण तो जीवन की उन्नति और उद्धार का मार्ग प्रशस्त करती है। जलधारा से प्रसन्न होने वाले शिव जल के अभाव में भी मात्र शिव मानस पूजा से प्रसन्न हो जाते है, अर्थात हम मन से भी विभिन्न शिव प्रिय द्रव्यावली अर्पित कर शिव कृपा प्राप्त कर सकते है। भगवत कथा श्रवण से हमारी मन की आँखें खुलती है। हम ह्रदय से कहाँ है यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। हम गृहस्थ जीवन में रहते हुए भी अपने ह्रदय में भगवान के स्वरुप को विराजमान कर सकते है। कथा हमें हमारे ह्रदय में ईश्वर के प्रति प्रेम और अनुराग को पल्लवित और पुष्पित करती है। शिव अजन्मे है, इसलिए उनकी लिङ्ग रूपों में सर्वत्र पूजा होती है। यह उनका निराकार स्वरुप है। लिङ्ग पूजा का विधान आकाश, पाताल एवं पृथ्वी लोक सभी जगह है। स्वयं श्री हरि नारायण, माता लक्ष्मी, ब्रह्मदेव, देवता-दानव, यक्ष, गन्धर्व इत्यादि अपने-अपने मनोरथ के अनुरूप विभिन्न प्रकार के शिवलिंग का पूजन एवं अर्चन करते है। शिव अपना साकार स्वरुप भक्त को दर्शन देते वक्त प्रत्यक्ष करते है। सत्यम शिवम् सुंदरम रूप ही शिव का सर्वश्रेष्ठ स्वरुप है। शिव के जीवन और शिव की वेशभूषा में भी गहराई निहित है। शिव की ध्यान मुद्रा अंतर्मुखी होने को प्राथमिकता देती है, अर्थात हमें सर्वप्रथम अपने भीतर की उथल-पुथल को शांत करना है। भीतर की एकाग्रता हमें बाहर के परिवेश से प्रभावित नहीं होने देगी और तभी हम शिव के आनंद स्वरुप को प्राप्त कर सकते है। शिव की वेशभूषा में सर्पो से श्रृंगार है। शिव के कुंडल भी विष के है। दुनिया हमें जहर रूपी विष प्रदान करेगी परन्तु हमें कथा के श्रवण से उस विष के प्रभाव को नष्ट कर देना है और जीवन में कुछ अच्छा ग्रहण एवं आत्मसात करना है। शिव के कंठ में विष और ह्रदय में राम है। इसलिए उन्होंने विष को कंठ में ही रोक दिया और नीलकंठ भगवान शिव ने अपने ह्रदय को अपने आराध्य श्री राम के लिए निर्मल एवं पवित्र रखा, इसीलिए सारी विषमताओं के बावजूद भी वे सदैव ध्यान में एकाग्र रहते है। शिव ने जटाधारी स्वरुप धारण किया है, वे अन्य देवताओं की तरह स्वर्ण एवं हीरे जड़ित मुकुट एवं आभूषण धारण नहीं करते है, क्योंकि यह सब माया का स्वरुप है और शिव योगी है। शिव ने अपनी जटाओं को बाँधकर यह सन्देश दिया है कि हमें जीवन के जंजालो एवं झंझटों को बांधना होगा। उनकों कभी सबके सामने प्रदर्शित न

# सत् विद्या यदि का चिन्ता, वराकोदर पूरणे-यदि सच्चा ज्ञान हो तो भूख मिटाने की चिंता नहीं करनी पड़ती

पृथ्वी पर बुद्धि क्षमता में सर्वश्रेष्ठ मानव योनि को माना गया है, ऐसा हम पौराणिक कथाओं और आध्यात्मिक प्रवचनों, बड़े बुजुर्गों से वार्तालाप में हम सुनते आ रहे हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि अगर हम प्रैक्टिकल वे में इसे महसूस करें तो अक्षरत:अक्षर यह पूर्ण सत्य है।

साथियों आदिकाल से हम सुनते आ रहे हैं कि सर्वश्रेष्ठ प्रजाति मानव गर्भ से कुछ सीख़ कर नहीं आता प्राणी जन्म के बाद से ही सभ कुछ सीख़ता है और अलग-अलग रूप में अपनी आजीविका चलाता है।जीवन में गरीबी अमीरी सुख-दुख इत्यादि के चक्र में आता है।

साथियों बात अगर हम मानव के दुनिया में जीवन यापन की करें तो यह 100 फ़ीसदी सत्य बात है कि यदि मानव में उपरोक्त तीनों प्रमुख मंत्र विद्या, ज्ञान और कौशलता या इनमें से कोई भी एक मंत्र निहित है तो वह मानव अपनी आजीविका, जीवन को प्रगति कर सफलताओं को पाने में कभी पीछे नहीं रहेगा।

साथियों बात अगर हम इन उपरोक्त तीन मंत्रों की करें तो दिमाग में सीधा नाम शैक्षणिकता का आता है और शिक्षा प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि से हम इनकार नहीं कर सकते और तीनों मंत्र प्राप्त करने के लिए हम प्री प्ले नर्सरी स्कूल से लेकर उच्च शिक्षा तक शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से विद्या, ज्ञान और कौशलता हासिल करते हैं। मेरा मानना है कि यह तीनों मंत्र हर मानव के लिए एक ब्रह्मास्त्र की शक्ति रखते हैं, क्योंकि इनके बल पर हम किसी भी परिस्थितियों में अपनी आजीविका और जीवन की प्रगति को के पथ पर चलने में ज़रूर सफल होंगे ऐसा हमें विश्वास है।

साथियों बात अगर हम लक या किस्मत की करें तो भारत एक अति आध्यात्मिकता पालक देश है। जहां कुछ अपवादों को छोड़कर, नागरिकों का आध्यात्मिकता में अति विश्वास हैं और हम भाग्य को भी नकार नहीं सकते, यानें गॉड गिफ्टेड ज्ञान को भी नकार नहीं सकते। और कहते हैं ना कि, अगर किस्मत ही ख़राब हो तो क्या करें? परंतु मेरा निजी मानना है कि उपरोक्त तीनों मंत्रों के आगे किस्मत को भी पसीज़ना पड़ता है और मानव की हिम्मत जज़्बा और जांबाज़ी की जीत होती है! हालांकि बड़े बुजुर्गों का कहना है कि भगवान भूखा उठाता है, परंतु किसी को भूखा सुलाता नहीं, यह बात भी हम सच मानते हैं, परंतु यह भी सच्चाई है कि मानव को जीवन में एक सफ़ल जिंदगी जीकर अपनी अगली पीढयों के लिए रास्ता बनाने के लिए विद्या, ज्ञान और कौशल रुपी तीनों मंत्रों को ग्रहण करना आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम इन तीनों मंत्रों की संलग्नता आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए करें तो यह बिल्कुल सटीक, सत्य मंत्र साबित होंगे। क्योंकि यही वह तीनों सशक्त और धारदार अस्त्र हैं जो मानव को प्रगति की ओर आसान रास्ता

बनाने में मदद करते हैं। जिसमें उनके साथ उस व्यक्ति का गांव, शहर, जिला, राज्य और देश भी तीव्रता से उन्नति प्राप्त करता है। इन तीनों मंत्रों को हमारी नई शिक्षा प्रणाली 2020 में भी शामिल किया गया है।

साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम की आकांक्षाओं आत्मनिर्भर भारत, 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था 2047 का भारत विज़न की करें तो अगर हम भारतीय नागरिकों ने उपरोक्त तीनों मंत्र ग्रहण कर लिए तो वह दिन दूर नहीं होगा जब हम इससे कहीं अधिक बढ़-चढ़कर वैश्विक सफलताओं के झंडे भारत विज़न 2047 के पूर्व ही गाड़ देंगे और हम वैश्विक महाशक्ति उभर कर सामने होंगे।

साथियों बात अगर हम कुछ समय पूर्व माननीय पीएम के वर्चुअल संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार,उन्होंने भी कहा कि,हमारे यहाँ कहा जाता है-सत् विद्या यदि का चिन्ता, वराकोदर पूरणे। भावार्थ जिसके पास विद्या है, ज्ञान और कौशल है उसे अपनी आजीविका के लिए, जीवन की प्रगति के लिए चिन्ता नहीं करनी पड़ती। सक्षम व्यक्ति अपनी प्रगति के लिए खुद ही रास्ते बनाता है। मुझे खुशी है कि सरदारधाम ट्रस्ट द्वारा शिक्षा और कौशल पर बहुत जोर दिया जा रहा है। 21वीं सदी में भारत के पास अवसरों की कमी नहीं है। हमें खुद को ग्लोबल लीडर रूप में देखना है, अपना सर्वश्रेष्ठ देना है और सर्वश्रेष्ठ करना भी है। पूरा भरोसा है कि देश की प्रगति में गुजरात का जो योगदान रहा है, उसे हम अब और सशक्त रूप में सामने लाएँगे। हमारे प्रयास न केवल हमारे समाज को नई ऊंचाई देंगे, बल्कि देश को भी विकास की बुलंदी पर लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का भी इस बात पर विशेष फोकस है कि हमारी शिक्षा, कौशल बढ़ाने वाली होनी चाहिए। भविष्य में मार्केट में कैसी स्किल की डिमांड होगी, फ्यूचर वर्ल्ड में लीड करने के लिए हमारे युवाओं को क्या कुछ चाहिए होगा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्टूडेंट्स को शुरुआत से ही इन ग्लोबल रियलिटीस के लिए तैयार करेगी आज स्किल इंडिया मिशन भी देश की बड़ी प्राथमिकता है। इस मिशन के तहत लाखों युवाओं को अलग अलग कौशल सीखने का अवसर मिला है, वो आत्मनिर्भर बन रहे हैं। नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रोमोशन स्कीम के तहत युवाओं को पढ़ाई के साथ साथ कौशल विकास का अवसर भी मिल रहा है, और उनकी आमदनी भी हो रही है।

अत: अगर हम उपरोक्तत पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मानसिक स्वास्थ्य सर्वोपरि, विद्या, ज्ञान और कौशलता मानवीय आजीविका चलाने के वास्तव में मूल मंत्र हैं। क्योंकि जीवन की प्रगति और आत्मनिर्भर भारत बनाने में यह महत्वपूर्ण रोल अदा कर सकते हैं और इनका महत्वपूर्ण योगदान होगा। क्योंकि पृथ्वी पर बुद्धि क्षमता में सर्वश्रेष्ठ मानव योनि है और उसमें यह तीनों मंत्रों से परिपूर्ण मानव को अपनी आजीविका चलाने, जीवन को प्रगति में ढालने के लिए चिंता नहीं होगी साथ ही आत्मनिर्भर भारत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान होगा।

**- किशन सनमुखदास भावनानीं**

# वो नटखट,मधुर, चितचोर ... सबका किशोर

मध्यप्रदेश का खंडवा शहर मायानगरी किशोर कुमार की खूबसूरत स्मृतियों से भी जुड़ा है। उनका जन्म खंडवा, मध्यप्रदेश में 4 अगस्त 1929 को हुआ था। उनका वास्तविक नाम आभास कुमार गांगुली था। उनके पिता कुंजलाल गांगुली, एक वकील थे और उनकी माँ गौरी देवी एक गृहिणी थीं। किशोर कुमार के चार भाई अशोक कुमार, अनूप कुमार, कुणाल कुमार और रतन कुमार थे। अशोक कुमार भाइयों में सबसे बड़े थे और भारतीय फिल्म उद्योग के एक प्रसिद्ध अभिनेता भी थे। किशोर कुमार ने भारतीय सिनेमा उस स्वर्णिम दौर में संघर्ष शुरु किया था जब उनके भाई अशोक कुमार एक सफल सितारे के रूप में स्थापित हो चुके थे। उस दौर को याद करें तो सिनेमा में दिलीप कुमार, राज कपूर, देव आनंद, बलराज साहनी, गुरुदत्त और रहमान जैसे कलाकारों के साथ ही पार्श्वगायन में मोहम्मद रफी, मुकेश, तलत महमूद और मन्ना डे जैसे दिग्गज गायकों का ही बोलबाला था। किशोर कुमार ने अपने गानों में भावनाओं को इस तरह पिरोया कि श्रोता उनमें खो जाते थे। उनकी आवाज में एक सहजता और जीवंतता थी जो उन्हें समकालीन गायकों से अलग करती थी। उन्होंने आर.डी. बर्मन, लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल, और कल्याणजी-आनंदजी जैसे संगीतकारों के साथ मिलकर कई यादगार गीत दिए। किशोर कुमार की गायकी का सफर 1940 के दशक में शुरू हुआ। हालाँकि उनके पहले गीत मरने की दुआएँ क्यों माँगू (फिल्म- जिद्दी, 1948) को ज्यादा लोकप्रियता नहीं मिली लेकिन धीरे-धीरे उनकी अनोखी शैली ने लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने विभिन्न शैलियों में गाने गाए जिनमें रोमांटिक, उदास, हास्य, और भक्ति गीत शामिल हैं। किशोर कुमार की शुरुआत एक अभिनेता के रूप में फ़िल्म शिकारी (1946) से हुई। इस फ़िल्म में उनके बड़े भाई अशोक कुमार ने प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्हें पहली बार गाने का मौका 1948 में बनी फ़िल्म जिद्दी में मिला जिसमें उन्होंने देव आनन्द के लिए खूबसूरत गाना गाया। किशोर कुमार के. एल. सहगल के ब? प्रशंसक थे इसलिए उन्होंने यह गीत उनकी शैली में ही गाया। जिद्दी की सफलता के बावजूद उन्हें न तो पहचान मिली और न कोई खास काम मिला। उन्होंने 1951 में फणी मजूमदार द्वारा निर्मित फ़िल्म आन्दोलन में हीरो के रूप में काम किया मगर फ़िल्म फ़्लॉप हो गई। 1954 में उन्होंने बिमल राय की नौकरी में एक बेरोज़गार युवक की संवेदनशील भूमिका निभाकर अपनी प्रभावकारी अभिनय प्रतिभा से भी परिचित किया। इसके बाद 1955 में बनी बाप रे बाप, 1956 में नई दिल्ली, 1957 में मि. मेरी और आशा और 1958 में बनी चलती का नाम गाड़ी जिसमें किशोर कुमार ने अपने दोनों भाईयों अशोक कुमार और अनूप कुमार के साथ काम किया। यह भी मजेदार बात है कि किशोर कुमार की शुरुआत की कई फ़िल्मों में मोहम्मद रफ़ी ने किशोर कुमार के लिए अपनी आवाज दी थी। मोहम्मद रफ़ी ने फ़िल्म 'रागिनी' तथा 'शरारत' में किशोर कुमार को अपनी आवाज उधार दी तो मेहनताना लिया सिर्फ एक रुपया। काम के लिए किशोर कुमार सबसे पहले एस. डी. बर्मन के पास गए थे जिन्होंने पहले भी उन्हें 1950 में बनी फ़िल्म प्यार में गाने का मौका दिया था। एस. डी. बर्मन ने उन्हें फिर बहार फ़िल्म में एक गाना गाने का मौका दिया और यह गाना बहुत हिट हुआ। शुरू में किशोर कुमार को एस. डी. बर्मन और अन्य संगीतकारों ने अधिक गंभीरता से नहीं लिया और उनसे हल्के स्तर के गीत गवाएं लेकिन किशोर कुमार ने 1957 में बनी फ़िल्म फंटूस में दुखी मन मेरे गीत अपनी ऐसी धाक जमाई कि जाने माने संगीतकारों को किशोर कुमार की प्रतिभा का लोहा एक दिन मानने को मजबूर होना पड़ा। इसके बाद एस.डी.बर्मन ने किशोर कुमार को अपने संगीत निर्देशन में कई गीत गाने का मौका दिया। आर. डी. बर्मन के संगीत निर्देशन में किशोर कुमार ने मुनीम जी, टैक्सी ड्राइवर, फंटूश, नौ दो ग्यारह, पेइंग गेस्ट, गाईड, ज्वेल थीफ़, प्रेमपुजारी, तेरे मेरे सपने जैसी फ़िल्मों में अपनी जादुई आवाज से फ़िल्मी संगीत के दीवानों को अपना दीवाना बना लिया। किशोर कुमार ने वर्ष 1940 से वर्ष 1980 के बीच के अपने करियर के दौरान करीब 500 से अधिक गाने गाए। हिन्दी के साथ ही किशोर कुमार ने तमिल, मराठी, असमी, गुजराती, कन्नड़, भोजपुरी, मलयालम और उड़िया फ़िल्मों के लिए भी गीत गाए। किशोर कुमार को उनकी गायकी के लिए आठ फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार मिले। पहला फ़िल्मफ़ेयर पुरस्कार 1969 में अराधना फ़िल्म के गीत रूप तेरा मस्ताना प्यार मेरा दीवाना के लिए दिया गया था। किशोर कुमार की विशेषता यह थी कि उन्होंने देव आनंद से लेकर राजेश खन्ना, अमिताभ बच्चन के लिए अपनी आवाज दी और इन सभी अभिनेताओं पर उनकी आवाज ऐसी रची बसी मानो किशोर कुमार खुद उनके अंदर मौजूद हों। 1975 में आपातकाल के दौरान दिल्ली में एक सांस्कृतिक आयोजन में उन्हें गाने का न्यौता मिला। किशोर कुमार ने पारिश्रमिक मांगा तो आकाशवाणी और दूरदर्शन पर उनके गायन को प्रतिबंधित कर दिया गया। आपातकाल हटने के बाद5 जनवरी 1977 को उनका पहला गाना बजा दुखी मन मेरे सुन मेरा कहना जहां नहीं चैना वहां नहीं रहना। किशोर कुमार केवल एक गायक ही नहीं, बल्कि एक उत्कृष्ट अभिनेता, संगीतकार और फिल्म निर्माता भी थे। उनकी फिल्में जैसे चलती का नाम गाड़ी (1958), पड़ोसन (1968), और हाफ टिकट (1962) में उनके हास्य और अभिनय की प्रतिभा का प्रदर्शन हुआ। उनकी कॉमिक टाइमिंग और अनोखा अंदाज दर्शकों को खूब हंसाता था।उन्होंने कई फिल्मों में संगीत निर्देशन भी किया, जैसे जमाना (1957) और दूर का राही (1971)। इसके अलावा, उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी के तहत कई फिल्में बनाईं, जो उनकी रचनात्मकता का प्रतीक थीं। किशोर के गाये गाने संगीत प्रेमियों को झूमने के लिए मजबूर कर देते हैं। किशोर कुमार ने 81 फ़िल्मों में अभिनय किया और 18 फ़िल्मों का निर्देशन भी किया। फ़िल्म पड़ोसन में उन्होंने जिस मस्त मौला आदमी के किरदार को निभाया वही किरदार वे जिंदगी भर अपनी असली जिंदगी में निभाते रहे। किशोर कुमार ने एक गायक के रूप में अपना करियर शुरू किया और जल्द ही भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे लोकप्रिय गायकों में एक अलहदा पहचान बनाने में सफल हुए। उनकी मधुर आवाज़ ने उन्हें घर -घर नई पहचान देने का काम किया। गायन के अलावा किशोर कुमार ने अपनी खुद की कई फिल्मों के लिए संगीत भी तैयार किया। उनकी कुछ उल्लेखनीय जीत में फिल्म चलती का नाम गाड़ी (1959) से 卐एक लड़की भीगी भागी सी, फिल्म आराधना (1970) से रूप तेरा मस्ताना और फिल्म सफर (1971) से 卐जिंदगी का सफर है ये कैसा सफर शामिल हैं। किशोर कुमार को कला और संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए 1983 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक पद्म श्री से सम्मानित किया गया। यही नहीं 8 बार फिल्मफेयर पुरस्कार से भी नवाजा गया। सही मायनों में किशोर कुमार भारतीय फिल्म उद्योग में एक बेहद सफल गायक और अभिनेता थे।

**-हर्षवर्धन पान्डे**

# टैरिफ आर्थिक युद्ध नहीं, आत्मनिर्भर शांति का रास्ता बने

जब किसी वैश्विक ताकत के शिखर पर बैठा नेता 'व्यापार' को भी 'सौदेबाजी' और 'दबाव नीति' का औजार बना ले, तब यह न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर देता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के आधारभूत सिद्धांतों को भी चुनौती देता है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर ऐसा ही एक आर्थिक आघात पहुँचाया है। इस टैरिफ का लक्ष्य स्पष्ट है, भारतीय उत्पादों की प्रतिस्पर्धा को बाधित करना और अमेरिकी वर्चस्व की पुन: स्थापना करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य एवं भारत की उभरती अर्थव्यवस्था में अमेरिका की 'ट्रंपीय' दादागिरी, एवं टैरिफ का तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभाव कितना क्या असर दिखायेगी, यह भविष्य के गर्भ में हैं। लेकिन इस सन्दर्भ में भारत सरकार की दृढ़ता सराहनीय है। अमेरिका हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा है, दोनों का द्विपक्षीय व्यापार 2024 में 190 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। ट्रंप और मोदी ने इस आंकड़े को दोगुना से भी ज्यादा 500 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन उस लक्ष्य पर सवालिया निशान लग गए हैं। ऐसे में, भारतीय कंपनियों को बहुत संभलकर अपने लिए नए बाजार खोजने व बढ़ाने चाहिए।

भारत की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे तेज गति से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में है। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों ने भारत को उत्पादन और नवाचार का नया केंद्र बनाया है। भारत का टेक्सटाइल, स्टील, ऑटो पार्ट्स और आईटी सेवा क्षेत्र वैश्विक बाजार में निरंतर अपनी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपना भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा से उपजे भय का संकेत है। लेकिन यह निर्णय केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। ट्रंप प्रशासन हमेशा से ही व्यापार संतुलन के मुद्दे को राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर देखता रहा है। 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति का मुख्य हथियार रहा है, दूसरों को पीछे धकेलकर अमेरिका को आगे लाना। यह एकतरफा सोच व्यापार के मूल्यों और साझेदारी की भावना को कमजोर करती है। व्यापार समझौते पर 1 अगस्त की समय सीमा तक दोनों देशों के बीच जारी बातचीत किसी नतीजे पर न पहुंचने का बड़ा कारण भारत का अमेरिका की शर्तों पर समझौता करने के लिए तैयार नहीं होना

रहा है। उसे आगे भी तैयार नहीं होना चाहिए। इसका कोई मतलब नहीं कि भारत अमेरिका से ऐसा व्यापार समझौता कर ले, जो केवल उसके हित में हो। इस तरह के समझौते तो तभी हो पाते हैं, जब दोनों पक्षों के हित सधते हैं। भारत को अपने हितों की रक्षा के लिए अडिग रहना चाहिए और यह स्पष्ट करने में संकोच भी नहीं करना चाहिए कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुचित दबाव के आगे झुकने वाला नहीं। भारत को ट्रंप के मनमाने फैसलों से डरने की आवश्यकता इसलिए भी नहीं, क्योंकि वे अपने फैसलों से पीछे हटने और उन्हें पलटने के लिए जाने जाते हैं। उनके इस रवैये के कारण उनकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फजीहत भी हो रही है। उन्हें यह समझ आ जाए तो अच्छा कि आज का भारत पहले वाला भारत नहीं है और अमेरिका का भी प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा।

डोनाल्ड ट्रंप की नीति अक्सर 'दबाव डालो और झुकावो' पर आधारित रही है। चीन, यूरोप, मैक्सिको के साथ भी ट्रंप की व्यापार नीति टकरावपूर्ण रही है। लेकिन भारत, ऐतिहासिक रूप से संतुलन साधने वाली कूटनीति में विश्वास करता रहा है। भारत ने कई बार वार्ता के माध्यम से समझौते की दिशा में पहल की, लेकिन ट्रंप की आक्रामक नीति और 'डीलमेकिंग' की व्यक्तिगत शैली ने किसी संतुलन को बनने नहीं दिया। भारत पर लगाया गया 25 प्रतिशत टैरिफ न केवल आर्थिक रूप से अनुचित है, बल्कि यह उभरते राष्ट्रों के आत्मनिर्भर बनने के अधिकार का भी हनन है। यह नव-उपनिवेशवाद का नया रूप है, जहँ आर्थिक हथियारों से शक्तिशाली राष्ट्र, विकासशील देशों को नियंत्रित करना चाहते हैं। राष्ट्रपति ने भारत पर टैरिफ बढ़ाने और जुर्माना लगाने की जो घोषणा की, वह उनकी दबाव की राजनीति का ही हिस्सा है। इस राजनीति की पोल खुल चुकी है। अच्छा होगा कि इसे देश के विपक्षी दल भी समझें। इसलिए और भी समझें कि संसद में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि सैन्य कार्रवाई को स्थगित किए जाने के सिलसिले में विश्व के किसी भी नेता की कहीं कोई भूमिका नहीं। स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को कथित तौर पर रोकने का ट्रंप का दावा फर्जी है। वास्तव में इसी कारण वे अपने इस थोथे दावे को बार-बार दोहरा रहे हैं।

आज का भारत न केवल एक विशाल बाजार है, बल्कि एक नवाचारशील शक्ति भी है। दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या, तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, और विविधता से समृद्ध उत्पादन क्षमता भारत को वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर कर रही है। भारत अब निर्भरता की नीति से निकलकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। ट्रंप के टैरिफ का प्रभाव सीमित और अस्थायी होगा, लेकिन भारत की आर्थिक विकास यात्रा दीर्घकालिक और दृढ़ है। भारत के लिए यह चुनौती अवसर में बदलने का समय है, नए बाजारों की तलाश, घरेलू उत्पादन को और सशक्त बनाना, और वैश्विक साझेदारियों को नए रूप में ढालना। ट्रंप की दादागिरी भारत को झुका नहीं सकती। बल्कि यह भारत को और मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दे सकती है। यह समय है जब भारत को अपने उत्पादन, नवाचार, निर्यात और कूटनीति को और धार देने की आवश्यकता है। हमें यह समझना होगा कि शक्ति का उत्तर शक्ति से नहीं, दूरदृष्टि और नीति से दिया जाना चाहिए। ट्रंप का टैरिफ एक चुनौती है, लेकिन भारत की आत्मा में संघर्ष से जीतने का इतिहास है। हमने हर संकट को अवसर में बदला है, और इस बार भी हम यही करेंगे, न केवल अपनी अर्थव्यवस्था के लिए, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन के लिए भी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आर्थिक चिंतन मूलत: 'आत्मनिर्भर भारत', 'विकास के साथ विश्वास', और 'समान साझेदारी' के सिद्धांतों पर आधारित रहा है। वे वैश्विक मंच पर भारत को एक समानाधिकार संपन्न राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करते हैं, न कि किसी बड़े राष्ट्र की कृपा पर चलने वाली व्यवस्था के रूप में। जब डोनाल्ड ट्रंप जैसे नेता भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ का प्रहार करते हैं, तो नरेंद्र मोदी की सोच विरोध नहीं, विकल्प पर आधारित होती है। वे इस तरह के दबावों को एक नई दिशा में सोचने और घरेलू उत्पादन एवं वैश्विक विविधीकरण का अवसर मानते हैं। टैरिफ वार के उत्तर में मोदी की प्रतिक्रिया सकारात्मक ही होती हुई दिख रही है, वे ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित क्षेत्रों जैसे स्टील, ऑटो पार्ट्स, टेक्सटाइल को सरकारी सब्सिडी, टैक्स रियायत और तकनीकी समर्थन के जरिए बल दे सकते हैं। अमेरिका के अतिरिक्त यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे नए बाजारों में भारत अपनी पकड़ को और मजबूत करते हुए इस टैरिफ से उत्पन्न संकट को संतुलित कर सकता है।

ट्रंप भारत को अपना मित्र मानते हैं। लेकिन यह कैसी मित्रता है, जिसमें ट्रंप को भारत के गरीबों, किसानों, मजदूरों की कोई चिंता नहीं है। लेकिन मोदी की विदेश नीति में भी 'अमेरिका के साथ मित्रता' है, लेकिन 'आत्मगौरव की कीमत पर नहीं'। वे संवाद और दृढ़ता-दोनों का प्रयोग करते हैं। दबाव की राजनीति से न तो भारत झुकेगा, न रुकेगा। ट्रंप का टैरिफ हो या कोई और वैश्विक चुनौती, मोदी का भारत हर संकट में अवसर खोजता है। मोदी की आर्थिक दृष्टि एवं नीतियां किसी बाहरी राष्ट्र के मनोनुकूल नहीं, बल्कि भारत की आवश्यकताओं, संभावनाओं और स्वाभिमान के अनुरूप गढ़ी गई है। जब वैश्विक महाशक्तियां टैरिफ के हथियार से डराने लगें, तो समझो कि भारत की प्रतिस्पर्धा ने उन्हें असहज कर दिया है। मोदी इसे चुनौती नहीं, पहचान मानते हैं। मोदी कहते हैं-'लोकल को ग्लोबल बनाओ', और यही उनका उत्तर है हर टैरिफ, हर दबाव, हर चुनौती को। मोदी की अर्थनीति उद्यमशीलता को राष्ट्रनिर्माण से जोड़ती है। उनका आर्थिक चिंतन 'केवल विकास' नहीं, बल्कि स्वराज्य आधारित समावेशी आर्थिक स्वतंत्रता है। ट्रंप के टैरिफ की चुनौती को वे उसी तरह लेते हैं जैसे उन्होंने कोविड या ग्लोबल मंदी की ली थी-साहस, दूरदर्शिता और आत्मनिर्भरता के साथ।

**-ललित गर्ग**

# रुस-अमेरिका तनाव के बीच ब्रेंट क्रुड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती हैं

**मुंबई।** अमेरिका-रूस तनाव से कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति में खतरा पैदा हो गया है जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल के पर पहुंच सकती हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को विश्लेषकों ने दी। विश्लेषकों का मनना है ब्रेंट ऑयल के अक्टूबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का शॉर्ट-टर्म टारगेट 72.07 डॉलर से बढ़कर 76 डॉलर हो गया है। 2025 के आखिर तक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 80-82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। नीचे की ओर समर्थन 69 डॉलर पर है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के सितंबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट, जो अभी 69.65 डॉलर पर है, का शॉर्ट-टर्म टारगेट 73 डॉलर है। 2025 के आखिर तक, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 76-79 डॉलर तक पहुंच सकती है। नीचे की ओर समर्थन 65 डॉलर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन की समय दिया था। ऐसा न करने पर रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध और सेकेंडरी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि सेकेंडरी टैरिफ 500 फीसदी तक हो सकते हैं। रूस से कच्चे तेल के आयात पर निर्भर देशों को अब डिस्काउंटेड प्राइस और अमेरिका को निर्यात पर हाई टैरिफ के बीच संतुलन बनाना चाहिए। वेंचुरा सिक्योरिटीज में कमोडिटीज और सीआरएम प्रमुख ने कहा कि इससे अतिरिक्त उत्पादन क्षमता में कमी और आपूर्ति में कमी के कारण तेल बाजार में बदलाव आ सकता है, जिससे 2026 तक बाजार में कच्चे तेल का सरप्लस कम हो जाएगा। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हुई है। युद्ध से पहले भारत की तेल खरीद में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा केवल 0.2 फीसदी था, जो अब 35 से 40 फीसदी के बीच हो गया है, जिससे रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि वह तेल की कीमतों में कमी देखना चाहते हैं, लेकिन अमेरिका से आपूर्ति में किसी भी बड़ी वृद्धि को बाजार तक पहुंचने में समय लगेगा। प्रूवन तेल भंडार का दोहन करने में श्रम, पूंजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होती है। उन्होंने आगे कहा कि इस आपूर्ति अंतर को पूरा करने के लिए सऊदी अरब और चुनिंदा ओपेक देशों से मिलने वाले समर्थन में भी कुछ समय लगेगा, जिसके परिणामस्वरूप निकट भविष्य में कीमतों में वृद्धि हो सकती है। तेल संतुलन पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होगा और अगर ओपेक+ आपूर्ति में कोई और कटौती नहीं भी करता है, तो भी तेल की कमी बनी रहेगी।

# एलआईसी ने लांच की बीमा सखी योजना......7000 रुपये मंथली मिल सकते

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा ने एक स्कीम पेश किया है, इसके तहत 7000 रुपये मंथली मिल सकते हैं। इसके लिए आपको एक रुपये भी देने की जरूरत नहीं है। यह योजना महिलाओं के लिए है। दरअसल, बीमा कंपनी ने एलआईसी ने बीमा सखी योजना की लांच की है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को एक मंथली इनकम पाने का मौका देना है। एलआईसी की यह योजना समर्पित महिला सशक्तिकरण की एक पहल है। यह महिलाओं को एलआईसी का एजेंट बनने का मौका देती है। योजना के तहत ज्वाइंन कराने के साथ ही उन्हें ट्रेनिंग मिलेगी। ज्वाइंनिंग के बाद बाद, महिला एजेंट को हर माह सैलरी के तौर पर पैसे दिए जाएंगे। एलआईसी बीमा सखी योजना के तहत महिला एजेंट को उनके परफॉर्मेंस के आधार पर शुरुआती 3 सालों के दौरान मंथली रकम दी जाती है। पहले साल में 7000 रुपये प्रति महीने एक तय राशि दी जाती है। योजना से जुड़ने के लिए महिला को उम्र का दस्तावेज, जो सेल्फ अटेस्टेड होना आवश्यक है। एड्रेस प्रूफ की भी सेल्फ अटेस्टेड कॉपी होनी चाहिए। शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र की अटेस्टेड कॉपी चाहिए। आवेदन पत्र के साथ पासपोर्ट आकार की तस्वीर लगानी जरूरी है। अगर कोई पहले से एलआईसी एजेंट या कर्मचारी आदि है, तब वह इस योजना के तहत आवेदन नहीं कर सकता है। रिश्तेदारों में पति या पत्नी, बच्चे, माता-पिता, भाई-बहन और ससुराल वाले आवेदन करने के हकदार नहीं होगा। रिटायर्ड निगम कर्मचारी और पूर्व एजेंट इस योजना के तहत पात्र नहीं हैं। आवेदन करने वाले की उम्र 18 साल होनी चाहिए, जबकि अधिकतम उम्र 70 साल है। आवेदक की डिग्री कम से कम 10वीं पास तक होनी आवश्यक है। योजना के तहत पहले साल के लिए मंथली 7000 रुपये मिलने है। इस योजना के तहत दूसरे साल में भी 6000 रुपये मंथली दिए जाएंगे, लेकिन शर्त है कि पहले साल के दौरान खोली गईं कम से कम 65 प्रतिशत पॉलिसियां चालू रहनी चाहिए। एलआईसी कार्यालय या वेबसाइट के जरिए आप इस योजना के तहत अप्लाई कर सकते हैं।

# भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया, दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

**नई दिल्ली।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इज़ाफ़ा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। सूत्रों की मानें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी।

# आज का राशिफल

**मेष**- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप नौकरी में कामों को लेकर थोड़ा परेशान रहेंगे। किसी दूसरी नौकरी का आपको ऑफर आ सकता है, लेकिन फिर भी आप पुरानी में ही टिके रहें। आप अपनी सेविंग पर पूरा ध्यान देंगे जिस कारण आप बचत की योजनाओं में भी धन लगाएंगे। किसी नए मकान या दुकान आदि की खरीदारी आप कर सकते हैं। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से तालमेल बनकर चलना होगा।

**वृषभ**- आज आपका मन किसी बात को लेकर परेशान रहेंगा, क्योंकि आपके मन में उथल-पुथल बनी रहेगी। आपने यदि किसी से कोई बात गुप्त रखी थी, तो वह भी परिवार के सदस्यों के सामने उजागर हो सकती है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। आप किसी यात्रा पर जाएं, तो वहां अपने कीमती सामानों का पूरा ध्यान दें। अपने कामों को आप कल पर टालने से बचें। किसी दूसरे की कोई बात आपसे बनते बनते बिगाड़ सकती है।

**मिथुन**- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आप शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट किसी एक्सपर्ट की राय के बिना ना करें। संतान की संगति को लेकर आपको थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। आपके बिजनेस में पार्टनर धोखा दे सकता है। कोई कानूनी मामले में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह की आवश्यकता होगी। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है, लेकिन फिर भी आप उनसे कुछ नहीं कहेंगे।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आएगा। आप किसी नए घर की खरीदारी कर सकते हैं, जिससे परिवार में खुशियां रहेगी। जीवनसाथी से आपके रिश्ते भी पहले से बेहतर रहेंगे, लेकिन आपके बॉस को आपकी कोई बात बुरी लग सकती है, इसलिए आप किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर ना करें और आप अपने घर व बाहर के कामों में तालमेल बनाकर चले, नहीं तो परिवार के सदस्य आपसे नाराज हो सकते हैं। आपका डूबा हुआ धन आपको मिल सकता है।

**सिंह**- आज आपको अपनी कमियों को दूर करके अपने व्यवसाय में सुधार लाने की आवश्यकता है। आपको किसी दूर रहे परिजन से कोई निराशाजनक सूचना सुनने को मिल सकती है, लेकिन परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी। आपको अपनी किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपने यदि कोई लोन ले रखा था, तो उसे भी आप उतारने की कोशिश करेंगे।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए उन्नति की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। आज आपकी कार्य क्षमता बेहतर रहेगी और यदि आपको कोई शारीरिक कष्ट लंबे समय से हो रहा था, तो उसमें भी आपको राहत मिलती दिख रही है। आपको मनपसंद काम मिलने की संभावना है। आप किसी सामाजिक कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे, जिससे आपकी कुछ नए लोगों से जान पहचान बढ़ेंगी। जो आपके बिजनेस में आपको अच्छी राह देंगे।

**तुला**- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आपको कामों में टेंशन बनी रहेगी, क्योंकि बिजनेस में भी आपको अच्छा लाभ न मिलने से निराशा होगी। आप यदि किसी योजना में धन लगाएंगे, तो उसके भी डूबने की संभावना है। आपको अपने निर्णय भी थोड़ा सोच समझ कर लेने होंगे, क्योंकि किसी के कहने में आकर लिए गए निर्णय के लिए बाद में पछतावा होगा। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

**वृश्चिक**- आज आप अपनी सोच में सकारात्मकता बनाए रखें, क्योंकि आप अपनी अच्छी सोच से अपने विरोधियों पर भी विजय प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। संतान पक्ष से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोग इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आपको अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटाना है और आप यदि नौकरी में बदलाव करने की सोच रहे हैं, तो आपको कोई दूसरा ऑफर भी आ सकता है।

**धनु**- आज आपको लेनदेन से संबंधित मामलों को लेकर जल्दबाजी नहीं दिखानी है। बिजनेस में भी आप सोच समझकर धन लगाएं, क्योंकि किसी जोखिम को लेना आपके लिए नुकसानदायक रहेगा। आप अपने घर की रंगाई पुताई की योजना बना सकते हैं। आपकी कोई पारिवारिक समस्या यदि लंबे समय से आपको टेंशन दे रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। आपको अपने किसी सहयोगी से कोई बात सोच समझ कर बोलनी।

**मकर**- आज का दिन आपके लिए भागदौड़ से भरा रहने वाला है। घूमने-फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। किसी पुराने मित्र से आपको लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। विद्यार्थियों को बौद्धिक और मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा, लेकिन सरकारी नौकरी की तैयारी में लगे लोगों को अपनी मेहनत जारी रखनी होगी, तभी उन्हें कोई अच्छा लाभ होगा।

**कुंभ**- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती भरा रहने वाला है। आप अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलेंगे, तो आपके लिए बेहतर रहेगा, लेकिन आपको एक के बाद एक खुशखबरी सुनने को मिलती रहेगी और कार्यक्षेत्र में भी आपको प्रमोशन आदि मिलने की संभावना है। आपके बॉस आपके काम से काफी खुश होंगे।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए कुछ कठिनाइयों से भरा रहने वाला है, क्योंकि आपके कामों में कुछ विघ्न आने की संभावना है और आपका कोई काम बनते बनते बिगड़ सकता है। नौकरी में कार्यरत लोगों के कुछ नए विरोधी उत्पन्न हो सकते हैं। आपकी संतान को यदि पढ़ाई लिखाई में कुछ समस्याएं आ रही थी, तो उनके लिए भी आपको उनके गुरुजनों से बातचीत करनी होगी।

## शब्दजाल - 7980

शब्द जाल में 10 तीर्थ स्थलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | द्वा | रि | का | ग | द | रि | सि | या | र | क |
| दा | वि | ल | मा | व | जी | ब | द्री | ना | थ | ली |
| गि | स | शे | ख्या | बा | छ | ची | ता | रा | क | क |
| उ | ज्जै | न | दो | पु | ज | न | ह | न | त | क |
| क | खु | मा | ता | वै | ष्णो | दे | वी | ग | व | क |
| जी | द | रा | प | य | ख | पू | शि | हि | र | ह |
| ती | लो | म | मे | या | प | र | र | र | र | रि |
| क | र्ज | ल्जा | इ | श्व | ब | क | डी | लो | श | द्वा |
| ने | बा | म | न्न | ब | र | त्या | री | श | प | र |
| ति | रु | प | ति | व | जी | म | थु | रा | हा | त |
| क | दु | ल्हे | रा | नी | ल | गा | य | द | प | थ |

हरिद्वार, बद्रीनाथ, मथुरा, रामेश्वरम, माता वैष्णोदेवी, शिरडी, उज्जैन तिरुपति, द्वारिका, कामाख्या

### शब्दजाल - 7979 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| श | रा | कै | फी | आ | ज | मी | ट | झ | क | न |
| नौ | च | र | ह | रिं | लै | ता | दि | शा | को | र |
| शा | र | श | बा | ना | आ | ज | मी | अ | ल | गि |
| द | म | दा | च | ल | क | ड़ | हा | मि | र | स |
| ट | क | र | ष | अ | मि | री | चि | ता | र | ट |
| ह | ह | मा | व | दा | भि | ला | ती | भ | न | ती |
| ट | ट | बु | ल | र | म | जी | ह | ब | ह | क |
| बा | जी | वा | लो | अ | छ | स | त | च्च | जू | ट |
| स | थो | शि | व | ह | म | दा | ने | न | र | द |
| र | ल | लें | ति | रं | ट | रो | बें | न | रु | थो |
| र | वीं | द्र | जै | न | ख | बौ | ही | स | मी | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 6924

**ऊपर से नीचे:-**

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

**बायें से दायें:-**

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

### फिल्म वर्ग पहेली- 6923

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| वि | वा | ह | | इ | श्क | वि | श्क | | टा |
| द्या | | मे | | श्क | | धा | | फ | र्ज |
| बा | द | शा | ह | | शै | ता | न | | न |
| ल | | | सी | मा | | | का | ल | |
| न | ज | रा | ना | | श | बा | ब | | सं |
| | मी | ना | | ना | रा | ज | | दा | ता |
| आ | न | | का | | बी | | ना | दा | न |
| शि | | जो | शी | ले | | फि | जा | | |
| क | शि | श | | कि | ला | | य | हू | दी |
| | वा | | डॉ | न | | आ | ज | | पा |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8448

**बाएँ से दाएँ**

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब, शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश, बरखा-4
11. शांति, सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला, मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां, मम्मी, मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार, अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

**ऊपर से नीचे**

1. नाज, नखरा, चौंचला-2
2. भाग्य, किस्मत-3
3. अचानक, अकस्मात -3
4. देह, बदन-2
5. बिजली, विद्युत रश्मि-3
7. दबाना, कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत, युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा, शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र, आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

### शब्द पहेली -8447 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | कु | ली | न | | | ह | | श |
| शा | | प | | क | म | ल | | र |
| दी | न | ई | मा | न | | क | स | म |
| | | य | | क | ल | | हा | |
| क | ल | र | व | | त | क | रा | र |
| | की | | ध | न | | मा | | |
| भ | र | म | | क | हा | नी | का | र |
| ला | | का | ज | ल | | दा | | ण |
| ई | | न | | | का | र | ण | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

4 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कर्क में | सिंह | 06.31 बजे से |
| चंद्र | वृश्चिक में | कन्या | 08.43 बजे से |
| मंगल | कन्या में | तुला | 10.54 बजे से |
| बुध | कर्क में | वृश्चिक | 13.08 ब.से |
| गुरु | मिथुन में | धनु | 15.24 बजे से |
| शुक्र | मिथुन में | मकर | 17.30 बजे से |
| शनि | मीन में | कुंभ | 19.16 बजे से |
| राहु | कुंभ में | मीन | 20.49 बजे से |
| केतु | सिंह में | मेष | 22.19 बजे से |
| राहुकाल | | वृष | 00.00 बजे से |
| 7.30 से 9.00 | | मिथुन | 01.58 बजे से |
| बजे तक | | कर्क | 04.11 बजे से |

**सोमवार** 2025 वर्ष का 216 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** श्रावण **पक्ष** शुक्ला
**तिथि** दशमी 11.42 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** अनुराधा 09.13 बजे को समाप्त।
**योग** ब्रह्म 07.05 बजे को समाप्त।
**करण** गर 11.42 बजे तदनन्तर वणिज 00.32 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 10.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 17° 13'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872426
**जूलियन दिन** 2460891.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** सफर
**तारीख** 09
**विशेष** श्रावण सोमवार व्रत।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः आत्मकल्याण का रास्ता

बुद्ध अपने सभी भिक्षुओं का व्यक्तिगत रूप से ख्याल रखते थे। वह इस बात को लेकर सचेत रहते थे कि किसी को कभी कोई कठिनाई न हो। एक बार उन्होंने गौर किया कि एक भिक्षुक कई दिनों से नजर नहीं आ रहा है। उसके बारे में कोई चर्चा भी सुनने को नहीं मिल रही थी। बुद्ध को उसकी चिंता हुई। उन्होंने भिक्षु भदंत से उसके बारे में पूछा। भदंत ने दबी आवाज में कहा, 'वह अतिसार से पीड़ित है।' यह सुनते ही बुद्ध, आनंद को साथ लेकर उस भिक्षु को देखने चल पड़े। बुद्ध ने देखा कि बीमार भिक्षु अपनी कुटिया में बेसुध पड़ा है। उसका शरीर गंदा हो चुका था, क्योंकि किसी ने उसकी परिचर्या नहीं की थी। बुद्ध ने पूछा, 'क्या तुम्हें देखने कोई नहीं आया?' भिक्षु बोला 'वे सब साधनाओं में व्यस्त हैं इसलिए मेरे पास नहीं आ सके।' कुछ देर मौन रहकर बुद्ध ने आनंद से कहा, 'आनंद! जल ले आओ। हम इस भाई की सेवा करेंगे।' आनंद तुरंत कलश में जल ले आया। बुद्ध ने जल से बीमार भिक्षु का शरीर साफ किया। शाम में सभी भिक्षुगण संध्या वंदन के लिए जमा हुए। बुद्ध ने बिना किसी भूमिका के सभा में उपस्थित भिक्षुओं से कहा, 'क्या हम में से कोई एक भिक्षु अस्वस्थ है?' एक आवाज आई, 'हां।' बुद्ध ने पूछा, 'उसे क्या कष्ट है?' उत्तर मिला, 'उस भाई को अतिसार है।' बुद्ध ने फिर पूछा, 'उसकी देखभाल कौन कर रहा है?' सब भिक्षु चुप हो गए। कुछ देर तक प्रार्थना सभा में सन्नाटा छाया रहा। फिर बुद्ध बोले, 'मैं जानता हूं। आप सब को आत्म कल्याण की चिंता है। पर क्या किसी पीड़ित को कष्ट में छोड़कर आत्म कल्याण की बात सोचना अच्छी बात है? स्मरण रहे, योग साधना से आत्म कल्याण तब तक नहीं हो सकता, जब तक मानवता की पीड़ा आप के हृदय में शूल बनकर नहीं चुभती। इसलिए निष्काम भाव से सेवा करें। यही सच्ची साधना है।'

## सूडोकु नवताल- 7233

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 4 | | | | 3 | |
| | | 6 | | 2 | | 4 | | |
| | | 8 | | | 5 | | | |
| | 3 | | | | | | 7 | |
| 7 | | | | 4 | | | | 9 |
| | 9 | | | | | | 5 | |
| | | | 2 | | | 1 | | |
| | | 1 | | 7 | | 6 | | |
| | 5 | | | | 3 | | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7232 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 3 | 6 | 4 | 1 | 5 | 7 | 8 | 9 | 2 |
| 9 | 2 | 1 | 6 | 3 | 8 | 7 | 4 | 5 |
| 6 | 5 | 3 | 2 | 8 | 4 | 9 | 1 | 7 |
| 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 | 5 | 8 |
| 4 | 9 | 8 | 7 | 1 | 5 | 2 | 6 | 3 |
| 2 | 4 | 7 | 5 | 6 | 1 | 3 | 8 | 9 |
| 5 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 1 | 7 | 6 |
| 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 3 | 5 | 2 | 4 |

# जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने को मंजूरी दी

मुंबई। जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आने वाले दिनों में चर्चा में बने रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने अपने निवेशकों को शानदार तोहफा दिया है। हाल ही में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड मेंबर ने 24 जुलाई 2025 को हुई बैठक में कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों को 3:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी प्रत्येक 2 शेयरों पर तीन पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर। इसके अलावा, बोर्ड मेंबर ने 2:1 के रेशियो में उप-विभाजन/ विभाजन को भी मंजूरी दे दी है। शेयर विभाजन का उद्देश्य बाजार में कंपनी के शेयरों की लिक्विडिटी को बढ़ाना है। बता दें कि बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1,549.20 रुपये पर आ गए थे। (पूर्व में सिंधु वैली टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) ने 2 अगस्त, 2025 को घोषणा की कि रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र संयुक्त अरब अमीरात में रजिस्टर्ड राणा एक्जिम एफजेड-एलएलसी से एक महत्वपूर्ण लेटर ऑफ अवार्ड (एलओसी) प्राप्त हुआ है। यह एलओसी एरिशा स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) विकास के लिए है, जिसमें रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र, संयुक्त अरब अमीरात में औद्योगिक और वाणिज्यिक भवन शामिल है। इस परियोजना की कीमत करीब 2,645 करोड़ रुपये (दो हजार छह सौ पैंतालीस करोड़ रुपये) है। परियोजना के पूरा होने का अनुमानित समय 24 महीने है। इसके अलावा स्थापना और संचालन के लिए शुरुआती 90 दिनों की अवधि भी है।

# 6 अगस्त को मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4 से 6 अगस्त, 2025 तक होने वाली है। बैठक के बाद 6 अगस्त को इसके फैसलों की घोषणा की जाएगी। बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है, जिससे आम लोगों, खासकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिल सकती है। रेपो रेट में कटौती से कर्ज सस्ता होगा। अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लगाने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। साथ ही, दूसरी छमाही में विकास

दर में मंदी के संकेत भी मिल रहे हैं। इन बातों को देखकर कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आरबीआई के पास ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई आगामी एमपीसी बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों (0.25प्रतिशत) की कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कटौती, खासकर वित्त वर्ष 2026 में त्यौहारी सीजन के दौरान, कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देकर जल्दी दिवाली ला सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि दिवाली से पहले रेपो दर में कटौती से त्यौहारी अवधि के दौरान ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस मामले में शीर्ष अर्थशास्त्रियों ने नीतिगत दरों पर अपने विचार साझा किए। दो अर्थशास्त्री अगस्त की बैठक में 25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। वे मुद्रास्फीति में भारी गिरावट और आर्थिक गति में मंदी को इसके कारण बताते हैं। वहीं एक अन्य रेंटिग एजेंसी की जानकार का मानना है कि आरबीआई इस बार दरों को बरकरार रखेगा, लेकिन नरम रुख अपनाएगा। वहीं दो अन्य भी वैश्विक अनिश्चितताओं और जल्दबाजी में कदम उठाने के जोखिम की ओर इशारा करते हुए कुछ समय के लिए दरों को स्थिर रखने के पक्ष में हैं।

# भारत में गूगल का पहला डेटा सेंटर बनेगा विशाखापट्टनम में

नई दिल्ली। भारत में दिग्गज गूगल कंपनी अब तक का अपना सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। इस मेगाप्रोजेक्ट में कुल 6 अरब डॉलर यानी लगभग रुपए 51,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर और उससे जुड़ा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेगी। यह भारत में न सिर्फ गूगल का पहला डेटा सेंटर होगा, बल्कि एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा और उच्च क्षमता वाला डेटा सेंटर भी होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस पूरे निवेश में से करीब 2 अरब डॉलर, यानी रुपए 17,000 करोड़, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना में खर्च किए जाएंगे, जो इस डेटा सेंटर को बिजली उपलब्ध कराएगी। इसका उद्देश्य गूगल के वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। यह निवेश गूगल की उस वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह सिंगापुर, मलेशिया और थाईलैंड जैसे दक्षिण एशियाई देशों में भी अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि आर्थिक अनिश्चितताओं और वैश्विक टैरिफ नीतियों के बावजूद, वह वर्ष 2025 तक करीब 75 अरब डॉलर यानी रुपए 6.37 लाख करोड़ की राशि वैश्विक स्तर पर डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में खर्च करेगी। भारत में किया जा रहा यह निवेश इस रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। इस नए डेटा सेंटर की भव्यता और तकनीकी क्षमता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर इसमें 50,000 सर्वर लगाए जाएं, और हर सर्वर में औसतन 10 टेराबाइट स्टोरेज हो, तो कुल डेटा स्टोरेज क्षमता 500,000 टेराबाइट या 500 मिलियन गीगाबाइट होगी। यानी लगभग 500 करोड़ जीबी डेटा एक साथ सुरक्षित किया जा सकेगा। यह आंकड़ा डेटा सेंटर के डिजाइन और उपयोग के हिसाब से और भी ज्यादा हो सकता है। कुछ विशेष केंद्रों में स्टोरेज क्षमता 100 मिलियन से लेकर 1 बिलियन गीगाबाइट तक भी हो सकती है।

# आज सावन मास का चौथा सोमवार

## कांवड़ियों के बोल बम के नारों से गूंजेगा लांजी नगर कोटेश्वर धाम

लांजी ( पद्मेश न्यूज )। श्रावण मास के पावन पर्व पर कोटेश्वर धाम में बाबा कोटेश्वर नाथ के दर्शनो के लिये लाखो भक्त जन, दर्शनार्थी कावंड यात्री पंहुचते है सुबह 5 बजे से ही भक्तों की भीड़ कोटेश्वर धाम परिसर में दिखाई देती है आज 4 अगस्त सावन मास के चौथे सोमवार को भी हजारो की संख्या में दर्शनार्थी एवं कांवड़ यात्री कोटेश्वर नाथ के दरबार मे हाजरी लगाने के लियें पंहुचेंगे एक प्रकार से भक्तो का मेला सा कोटेश्वर धाम में दिखाई देगा। लांजी सहित आस पास के पड़ोसी राज्यों से भी भक्त गण कोटेश्वर धाम पंहुचते है इसके अलावा कोटेश्वर धाम परिसर में अनेको भण्डारा महाप्रसाद का भी आयोजन भक्त गणों के द्वारा आज किया जायेगा।

### आज कांवड़ियों का चौथा जत्था चहेली से जल लाकर करेगा अभिषेक

बोल बम सेवा समिति के द्वारा श्रावण मास के पावन पर्व पर चहेली सीतापाला छोटी बाघ नदी के उद्गम स्थल से 42 किमी की कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत आज 4 अगस्त को बोल बम सेवा समिति के कार्यालय से इस 26 वें वर्ष का चौथा एवं अंतिम जत्था चहेली सीतापाला के लिये सुबह 7 बजे रवाना होगा। कांवड़ यात्री करीब शाम 6 से 7 बजे के बीच कोटेश्वर धाम पंहुचकर बाबा कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक करेंगे। इसी कड़ी में आज 4 अगस्त को लांजी क्षेत्र के अनेकों नदी नालों पवित्र जल स्त्रोतो उद्गम स्थलों से भी कांवड़ यात्री जल लेकर कोटेश्वर धाम पंहुचकर कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक करेंगे।

### आज बोल बम सेवा समिति के द्वारा विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन

बोल बम सेवा समिति लांजी प्रतिवर्ष श्रावण मास के पावन पर्व पर कांवड़ यात्रा का आयोजन करती है तथा अंतिम श्रावण सोमवार जो कि कावड़ यात्रा का समापन दिवस होता है इस दिन कोटेश्वर धाम परिसर में विशाल भण्डारा महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। बतादे कि बोल बम सेवा समिति निरंतर 26 वर्षो से प्रत्येक श्रावण सोमवार को कावड़ यात्रा का आयोजन करते आ रही है जो कि इस वर्ष भी आयोजित किया गया। इस 26 वें वर्ष मे भी श्रावण मास के चौथे श्रावण सोमवार आज 4 अगस्त 2025 को बोल बम सेवा समिति के द्वारा ईण्डेन गैस एजेंसी गोदाम के सामने विशाल भण्डारे का आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है। इस महाप्रसाद को ग्रहण करने के लिये बोल बम सेवा समिति के संरक्षक रमेश दिलीप भटेरे, अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, गिरीश अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, चन्द्रकांत किरनापुरे, रूपेश अग्रवाल, दीपक बंसल, दीपक अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, मयूर सूले, अंकित श्रीवास्तव, आलोक चौरसिया, बाबू उपाध्याय, ललित अग्रवाल, राकेश रणदिवे, जय श्रीवास्तव, मनीष अग्रवाल, संजय टेंभरे, शरद आसटकर, अमित आसटकर, डॉ प्रकाश बेदरे टेड़वा सहित अन्य सदस्यों के द्वारा समस्त भक्तगणों, दर्शनार्थीयों एवं कांवडि़यों से अपील की गई है उक्त भण्डारा स्थल पंहुचकर महाप्रसाद ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित करे।

# आज मंडला से मां नर्मदा का जल लेकर पहुंचेंगे कांवड़िए

## दादा कोटेश्वर का करेंगे जलाभिषेक, कांवड़ियों का जगह-जगह होगा स्वागत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। श्रावण मास के पावन अवसर पर कांवड द्वारा जल लाकर भगवान शिव शंकर का जलाभिषेक करना अपना एक अलग महत्व रखता है। सावन के पूरे महिने में कांवड़िये पवित्र नदी नालों जल स्त्रोतो से जल लाकर महादेव का जलाभिषेक करते है। इसी कड़ी में लांजी नगर में स्थित सुप्रसिद्ध कोटेश्वर धाम में विराजमान साक्षात कोटेश्वर महादेव का भी श्रृद्धालु भक्त गण कांवड़िये जल लाकर जलाभिषेक करते हुये संपूर्ण श्रावण मास मे नजर आये। इसी कड़ी में विगत 23 वर्षो से मण्डला स्थित माँ नर्मदा नदी के पवित्र जल से श्रावण मास के अंतिम सोमवार को माँ नर्मदा कावड़ यात्रा समिति के द्वारा कोटेश्वर महादेव का जलाभिषेक किया जा रहा है। दादा कोटेश्वर जनकल्याण सेवा समिति एवं माँ नर्मदा कावड़ यात्रा सेवा समिति लांजी के द्वारा भव्य त्रिशूल व भगवान शिव को डोले में विराजित कर सावन के तीसरे सोमवार 28 जुलाई को समिति के 76 कावड़ यात्री पंडित मिथलेश रम्मू मिश्रा के नेतृत्व में माँ लंजकाई मंदिर में हवन पूजन कर यात्रा प्रारंभ की जो कि वाहन के माध्यम से मण्डला पंहुचे एवं 29 जुलाई को माँ नर्मदा नदी की पूजा अर्चना कर सभी कांवड़ यात्रीयों ने अपने अपने कमण्लों मे जल लेकर लगभग 184 किमी पद यात्रा कर आज 4 अगस्त दिन सोमवार को लांजी पहुंचेंगे। इन कांवड़ियो का जगह-जगह भव्य स्वागत सत्कार किया गया। आज लांजी पहुंचने पर ग्राम दुलापुर में आरामिल के सामने, लांजी में भवानी किरनापुरे के निवास के सामने, हाऊबाग में, बस स्टैण्ड में तथा मेनरोड़ में जगह जगह स्वागत किया जाएगा।

# साडरा व दहेगांव के कांवड़िए आज नन्सरी दुमोहन घाट त्रिवेणी संगम से जल लाकर कोटेश्वर महादेव का करेंगे जलाभिषेक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। धर्म नगरी लांजी में श्रावण मास के पावन पर्व पर कोटेश्वर धाम में भक्तों एवं कांवड़ियो की तादाद लगातार बढती जा रही है। क्षेत्र के कोने कोने से भक्त गण कांवड़ में जल लाकर बाबा कोटेश्वर नाथ का जलाभिषेक कर मनवांछित फल की प्राप्ती कर रहे है। बोल बम सेवा समिति के द्वारा जहां चहेली सीतापाला से कोटेश्वर धाम तक कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है वही क्षेत्र के अनेको नदी नालो जल स्त्रोतो के उद्गम स्थल से कांवड़ में जल लेकर भक्त गण पंहुचते दिखाई देते है। इसी कडी में ग्राम देवलगांव स्थित महाराष्ट्र सीमा से लगे नन्सरी दुमोहन घाट त्रिवेणी संगम के पावन जल को कावंड़ में लेकर दहेगांव एवं साडरा के कावंड यात्री 20 किमी की पद यात्रा कर कोटेश्वर धाम पंहुचेंगे जहां विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर त्रिवेणी संगम के जल से महादेव का जलाभिषेक करेंगे।

### साडरा के कावड़ यात्री अखण्ड रामायण समाप्ति के पश्चात करेंगे कावड़ यात्रा

ग्राम साडरा के उत्सव समिति चांदनी चौक लालटोला के द्वारा शिव मंदिर में अखण्ड रामायाण पाठ का आयोजन किया जा रहा है। जो कि 3 अगस्त को प्रात- बेला में प्रारंभ हुई है जो कि आज 4 अगस्त को समापन के पश्चात प्रसादी आदि वितरण कर समिति के सभी सदस्य एवं ग्राम वासी कावड़ यात्रा के रूप में देवलगांव स्थित त्रिवेणी संगम से जल लेकर 20 किमी पद यात्रा कर कोटेश्वर धाम पंहुचकर जलाभिषेक करेंगे। देवलगांव में कावंड यात्रीयों के लिये प्रसादी का आयोजन किया गया ग्राम वासीयों के द्वारा।

# एकल अभियान संच ने प्रभातफेरी निकालकर किया श्री राम शब्द किर्तन

## 108 पार्थिव शिवलिंग महारूद्राभिषेक पूजन के साथ सम्पन्न होगा 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राष्ट्र सेवा में समर्पित वनांचल क्षेत्र में शिक्षा के माध्यम से बच्चों में संस्कार आचरण व्यवहार स्थापित करने के लिए एकल अभियान संच लांजी, अंचल बालाघाट, महाकौशल (म प्र) के द्वारा श्रीहरि वनवासी व्यास कथाकारों के साथ भक्तजनों द्वारा 11 जुलाई 2025 से दादा कोटेश्वर धाम लांजी में जारी 30 दिवसीय अखंड श्री रामचरित मानस पाठ सतत जारी है। इसी तारतम्य में एकल अभियान संच लांजी के द्वारा रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया। इसके साथ ही एकल अभियान संच के द्वारा मोबाइल वैन कम्प्यूटर लैब का शुभारंभ भी किया गया। जो क्षेत्र के वनांचल व अति नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल वैन जिसमें कंप्यूटर लगे हुए हैं के द्वारा गांवों में जाकर बच्चों को शिक्षा प्रदान करेगी। 30 दिवसीय अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ के अंतिम दिन 10 अगस्त को 108 जोड़ो द्वारा प्रात- 6 से 108 पार्थिव शिवलिंग बनाकर महारूद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। इसी क्रम में एकल अभियान संच लांजी के सदस्यों द्वारा 3 अगस्त को प्रात- 7 बजे से प्रभातफेरी निकालकर राम भजन कीर्तन करते हुए नगर भ्रमण किया। उक्त प्रभातफेरी नये राम मंदिर से प्रारंभ होकर मेन रोड से सुभाष चौक व सालेटेकरी मार्ग होते हुए कोटेश्वर मंदिर कार्यक्रम स्थल पहुंचकर सम्पन्न हुई। जिसमें नगर के सभी भक्तगणों से जारी अखण्ड श्री राम चरित मानस पाठ में शामिल होने की अपील एकल अभियान संच लांजी के अध्यक्ष झनकार किरनापुरे एवं सभी सदस्यों ने की है।

# जनपद पंचायत में समारोह का हुआ आयोजन

## पंचायत सचिव फूलचंद लांजेवार को संगठन ने दी विदाई

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत कटंगी की अलग-अलग ग्राम पंचायतों में 30 वर्षों तक निरंतर अग्रणी सेवाएं देने के बाद ग्राम पंचायत चिकमारा से सेवानिवृत्त हुए पंचायत सचिव फूलचंद लांजेवार को पंचायत सचिव संगठन ने जनपद पंचायत के सभा हाल में एक समारोह का आयोजन कर विदाई दी. मुख्य कार्यपालन अधिकारी गायत्री कुमार सारथी के मुख्य आतिथ्य में समारोह का आयोजन हुआ. पंचायत सचिव संगठन ब्लॉक अध्यक्ष धनराज पटले, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र भूरे सहित तमाम ग्राम पंचायतों के पंचायत सचिव विदाई समारोह में शामिल हुए. जिला उपाध्यक्ष ने जब फूलचंद लांजेवार की कार्यशैली पर अपने विचार रखे तो साथी पंचायत सचिवों की आंखें नम हो गई. उन्होंने कहा कि फूलचंद लांजेवार ने संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया. आनलाइन के इस दौर में वह अपने साथी सरपंच और रोजगार सहायक से समन्वय स्थापित करते हुए सफल तरीके से कार्य करते रहे. विभागों के आफ लाइन कार्य में उनकी बराबरी करना इतना आसान काम नहीं रहा. सीईओ ने कहा कि वह कुछ ही दिनों पहले जनपद पंचायत में आए लेकिन कम समय में ही फूलचंद लांजेवार की कार्यशैली ने उन्हें प्रभावित किया. ब्लॉक अध्यक्ष धनराज पटले ने कहा कि फूलचंद लांजेवार ने जिस भी ग्राम पंचायत में अपनी सेवाएं दी. वहां गंभीरता, ईमानदारी और जवाबदारी के साथ कार्यों का निर्वहन किया. वह ना सिर्फ अपने कार्य के प्रति तत्पर रहते बल्कि बेहद सरल, मिलनसार व्यक्तित्व के धनी है. बता दें कि फूलचंद लांजेवार की ग्राम पंचायत सावंगी में वर्ष 1995 में पहली नियुक्ति हुई थी. उन्होंने सांवगी, सेलवा के अलावा अर्जुनी पंचायत का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला और अंत में चिकमारा पंचायत से सेवानिवृत्त हुए।

# शव के सम्मान और गरिमा बनाए रखने सरस्वार परिवार ने तिरोड़ी को भेंट किया डेड बॉडी फ्रीजर

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। मृत व्यक्ति के शव के सम्मान और गरिमा को बनाए रखने के लिए वरिष्ट समाजसेवी कांग्रेस नेता पूर्व विधायक अशोक सिंह सरस्वार की धर्मपत्नी श्रीमती विजय प्रभा सरस्वार की स्मृति में सरस्वार परिवार ने तिरोड़ी में डेड बॉडी फ्रीजर भेंट किया है. रविवार को जिला पंचायत बालाघाट अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार, वरिष्ट समाजसेवी विजय सिंह सरस्वार, महेन्द्र सिंह चौहान ने तिरोड़ी में यह फ्रीजर पवन वैद्य और उनके साथियों को भेंट किया है. जिसे अंबेडकर भवन में सुरक्षित रखा गया है. जरूरत पड़ने पर कोई भी अंबेडकर भवन में संपर्क कर फ्रीजर को उपयोग के लिए ले जा सकता है. गौरतलब हो कि तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में डेड बॉडी फ्रीजर की सुविधा नहीं होने के कारण कई बार शव को सुरक्षित रखने के लिए जनता को परेशान होना पड़ता था और तिरोडी तहसील क्षेत्र की जनता कटंगी में नगर परिषद और युवा समाजसेवी प्रशांत मेश्राम से संपर्क करती थी. तिरोड़ी में डेड बॉडी फ्रीजर की सुविधा होने से अब शव को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी. घटना-दुर्घटना के बाद समय पर जिनका समय पोस्टमार्टम, अंतिम संस्कार नहीं हो पाता अब ऐसे शव को डेड बॉडी फ्रीजर में रखा जा सकेगा।

# परहा को ट्रेक्टर से रौदने पर अपराध कायम

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कोपे निवासी समल बाई पंचेश्वर के द्वारा सिकंद्रा निवासी कमला नागेश्वर पर उनके खेत में लगे परहा को ट्रैक्टर से रौंधने का आरोप लगाते हुए थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। मामले में पुलिस के द्वारा अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी समल बाई पंचेश्वर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि वह वार्ड न १४ ग्राम कोपे रहती हैं। खेती किसानी का काम करती हैं हमारे पिताजी की दो बेटी है। मेरे पिता की पैतृक जमीन ग्राम सिकन्द्रा के पटेल टोला में है। जिसमें हम दोनो बहनो का नाम शामिल सरीख में है ३ अगस्त २०२५ को करीबन ११ बजे की बात है। मेरी छोटी बहन कमलाबाई नागेश्वर के द्वारा मेरी लगाई गई फसल परहा वाली जमीन को ट्रेक्टर से जोत कर फिर से अपना परहा लगा रही है। जिससे मेरे द्वारा लगाई गई फसल परहा का नुकसान हुआ है। मैने मना कि तो कमलाबाई नागेश्वर के द्वारा गंदी गंदी गाली देकर बोल रही थी ग्राम सिकन्द्रा में दुबारा आयी तो जान से खत्म करवा दूंगी धमकी दी है। पुलिस ने प्रार्थी समल बाई पंचेश्वर की रिपोर्ट पर कमला पति गणेश नागेश्वर निवासी सिकंद्रा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा २९६,३५१३ ,३२४ ४ के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है।

# बिठली के गौशाला परिसर में किया पौधा रोपण

रामपायली/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। हरियाली महोत्सव के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और गौसेवा को समर्पित एक अनोखी पहल मोहगांव खुद ग्राम बिठली में देखने को मिली। गांव से लगे श्रीराम बालाजी मंदिर के पास गौशाला भूमि पर सामूहिक पौधा रोपण कर पर्यावरण प्रेमियों ने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सरपंच फागुलाल मरठे, मनिषा शरणागत,श्री घोडेश्वर श्री मर्सकोले, कोमेन्द्र बिसेन, रजनीश मेश्राम, विश्वेश्वर दमाहे, पियूष अग्रवाल, राकेश जैन सहित गौरक्षा टीम की सराहनीय भूमिका रही। पौधा रोपण को लेकर गांव में उत्साह का माहौल रहा । ग्रामीणों ने बताया कि यह पहल ना केवल हरियाली बढ़ाने बल्कि गौशाला भूमि के संरक्षण के उद्देश्य से की गई है। सदस्यों ने शासन से अपील की कि गौशाला भूमि पर सहकारी सहमति के तहत जल्द ठोस कदम उठाए जाएं जिससे आगे भी ऐसी जनहितकारी गतिविधियाँ लगातार चलती रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# विकास की राह पर हम सबको साथ लेकर बढ़ रहे हैं आगे-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में 155 करोड़ के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

**भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विकास का प्रकाश सभी तक पहुंचे, हमारी सरकार इसी मंशा से काम कर रही है। विकास की हर एक बात पर और तरक्की की राह पर हम सबको साथ लेकर तेजी से आगे बड़ रहे हैं। उज्जैन में 155 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों से शहर की तस्वीर बदलेगी। इन निर्माण कार्यों से शहर की बड़ी आबादी को स्थाई लाभ मिलेगा। इन निर्माण कार्यों से वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं को आवागमन में भी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि यह तो सिर्फ बानगी है, विकास की पूरी फिल्म अभी बाकी है। प्रदेश में चहुंओर विकास के काम हो रहे हैं। देश के साथ-साथ हमारा अपना मध्यप्रदेश भी बदल रहा है। विकास की बयार से प्रदेश का हर कोना निखर रहा है। उज्जैन जिले में हो रहे विकास कार्यों का विस्तार से जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नवनिर्माण में हम सबका सहयोग लेकर आगे बड़ते रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कालीदास अकादमी में उज्जैन शहर में विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन एवं कन्यापूजन कर लगभग 155 करोड़ रुपए की लागत वाले 8 नवीन सेतुओं और दो नवीन मार्गों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया।**

कार्यक्रम में बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को विशाल राखी भेंट की। उन्होंने सभी बहनों का आभार जताया और कहा कि हमारी सरकार बहनों का मान-सम्मान बड़ाने में कोई कमी नहीं रखेगी। बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हम नवाचारों के जरिए आगे बड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के दौरान तिरंगा लहराकर आने वाले स्वतंत्रता दिवस का उल्लास व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमारी नई पीड़ी को स्वतंत्रता का महत्व बताने और जन-जन को आजादी पर्व से जोड़ने के लिए केन्द्र सरकार के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता = स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 2 अगस्त से 15 अगस्त तक तीन चरणों में चलाया जायेगा। इस दौरान प्रदेश में विभिन्न प्रकार की गतिविधियां होंगी। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के रंग, हम अपने घर, अपने परिवेश की स्वच्छता और शुचिता के संग मनाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और दूरदर्शिता से देश का मान-सम्मान बड़ा है। उन्होंने देश को विकास की एक नई ऊर्जा से भर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हाल ही में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को पस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायिका, न्यायपालिका एवं चुनाव आयोग ने गणतांत्रिक राष्ट्र भारत में लोकतंत्र को दिनों-दिन और समृद्ध बनाया है। परंतु कुछ विरोधी लोग सदैव लोकतांत्रिक परम्पराओं और व्यवस्थाओं पर उंगली उठाते हैं, देश ऐसे विरोधी लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा एवं विधायक सतीश मालवीय ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव मानवता की सेवा को ही अपना परम धर्म मानते हैं। उनके नेतृत्व में प्रदेश में विकास का एक नया दौर प्रारंभ हुआ है। इस अवसर पर महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम की सभापति सुश्री कलावती सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

## भारतीय त्यौहारों की बात ही निराली है, हमारे उत्सव हमारी संस्कृति के जीवंत उत्सव हैं-राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंखयक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा है कि भारतीय त्यौहारों की बात ही निराली है, हमारे उत्सव हमारी संस्कृति के जीवंत उत्सव होते हैं। सावन वह ऋतु है, जिसमें प्रकृति स्वयं नृत्य करती है। यह महीना केवल बारिश का नहीं है, यह शिव की भक्ति, नारी की शक्ति और प्रकृति की भव्यता का संगम है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर रविवार को अयोध्या नगर में तीज उत्सव समारोह में हजारों की संख्या में उपस्थित नारी शक्ति को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि सावन तो जैसे नारी का ही महीना है, जिसमें वह घर को सजाती है, समाज को जो ?ती है और परंपरा को अगली पीढ़ी तक सौंपती है। नारी सिर्फ घर की नहीं, हमारी संस्कृति की संरक्षक भी हैं। उन्होंने कहा कि नारी जब परंपरा निभाती है, तो पीढ़ियाँ संस्कार सीखती हैं। सच पूछिए तोज स्त्री की यही आस्था, हमारी सनातन संस्कृति की असली शक्ति है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा

कि मुझे आज बहुत प्रसन्नता है कि बड़ी संख्या में आप सावन महोत्सव मनाने के लिए आए। यह जरूर कहना चाहूंगी उत्सव के साथ कुछ संकल्प लेने की हमको आवश्यकता है। सामाजिक एकता परिवार की खुशहाली और स्वस्थ जीवन से जुड़ने का काम भी करें। मैं सभी बहनों से कहना चाहूंगी कि सावन के महीने में सभी को एक पेड़ जरूर लगाना है। दूसरा यह कि विवाह और हमारे त्यौहार में गाए जाने वाले गीत अपने घर की बेटी और बेटी स्वरूप बहू को जरूर सिखाएंगे। सावन उत्सव में तीन हजार से अधिक महिलाएं उपस्थित थी। उत्सव स्थल पर स्टाल लगाए, डांस, संगीत, रैंप वाक, झूलों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बहनों को पुरस्कृत किया गया।

## लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन पर शगुन के रूप में दी जायेगी 250 रूपये अतिरिक्त राशि-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की महिलाएं मेरी बहने हैं यह मेरा मान है, सम्मान है, बहनों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी 07 अगस्त को लाड़ली बहनों के खातों में 250 रुपए की अतिरिक्त राशि रक्षाबंधन के शगुन के रूप में दी जायेगी, जो रक्षाबंधन पर भाई की तरफ से छोटा सा उपहार है। यह राशि प्रतिमाह मिलने वाली 1250 रुपए से अतिरिक्त होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन की बेस्ट लाइफ स्टाइल कंपनी में वर्तमान में 1500 बहनों को रोजगार मिल रहा है। आने वाले समय में 4 हजार बहनों को रोजगार मिलेगा। इसके लिए सरकार कंपनी को नवीन जगह दे रही है, जहां बहनों के लिए आवासीय सुविधा भी उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को बेस्ट लाइफस्टाइल कंपनी उज्जैन में कार्यशील बहनों द्वारा आयोजित रक्षाबंधन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रतिभा सिंटेक्स भी 7 हजार से अधिक बहनों को रोजगार दे रही है और यह बहने अपनी कार्य कुशलता से ऐसे उत्पाद बना रही हैं, जो सीधे अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। कंपनी ने 11 लाख यूनिट कपड़े बनाकर अमेरिका को निर्यात किये है, आने वाले समय में यह कंपनी 20 लाख यूनिट बनाकर निर्यात करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा एकसी कर्मशील बहनों के चरणों में प्रणाम है, बहनें मेरे लिए सब कुछ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन के कपड़ा मिलो से पहले में 5 हजार से अधिक लोगों को रोजगार मिलता था, वर्तमान में 20 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान किया जा रहा है और आने वाले समय में यह संख्या लगातार बढ़ती जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा की उद्योग धंधे उज्जैन में आ रहे हैं। निवेशक हमारे प्रदेश के प्रति आकर्षित हो रहे हैं, निवेश कर रहे हैं हमें रोजगार भी उपलब्ध करा रहे हैं। यह देश-विदेश में हमारे लिए सम्मान की बात है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहने हमारे लिए ईश्वर की एक सौगात है। त्यौहारों का राजा रक्षाबंधन है, इस त्यौहार में बहने अपने भाइयों के लिए सब कुछ निछावर कर देती है। प्यार, सम्मान, दुलार और दूसरे परिवार में जाकर उनका सम्मान भी बढ़ाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सभी बहनों को इस बात का भी ध्यान रखना है कि यह कंपनी लगातार कार्य करती रहे और इस कंपनी में अपने समर्पण के साथ काम करें। इस कंपनी से हमें रोजगार मिलता है जीवन यापन का साधन मिल रहा है तो हमें भी समर्पण के साथ काम करना चाहिए। मध्यप्रदेश सरकार इस कंपनी की बहनों को 5 हजार रूपये प्रदान कर रही है ऐसी भी और कई योजनाएं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही है। आने वाले समय में मध्यप्रदेश सरकार और बेहतर काम करने के लिए प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कंपनी की बहनों ने राखी बांधी और तिलक लगाया। मुख्यमंत्री ने बहनों को उपहार प्रदान किए। इस अवसर पर विधायक श्री अनिल जैन कालूखेड़ा, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित हजारों की संख्या में लाड़ली बहने उपस्थित रही।

## स्वतंत्रता दिवस पर भारत के विजयोत्सव का करेंगे गौरवगान-रत्नेश सोनकर

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद के सत्र में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करते हुए कहा कि यह भारत के विजयोत्सव एवं गौरवगान का सत्र है यह विजयोत्सव आतंक के हैडक्वाटर को मिट्टी में मिलाने का है, सिंदूर की सौगंध को पूरा करने का है, सेना के शौर्य और सामर्थ्य का है,संसद के इस सत्र में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के विषय पर प्रधानमंत्री सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने चर्चा की है हमारी सेना के वीर जवानों के शौर्य एवं भारत के विजय उत्सव का गौरवगान आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हमें करना है ताकि पूरे देश में स्वतंत्रता की पर्व के साथ ही भारत के विजय का पर्व भी मनाया जा सके यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने भाजपा संभागीय कार्यालय रानीताल में आयोजित कामकाजी बैठक के दौरान कहीं।

भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि आगामी 10 अगस्त से 14 अगस्त तक प्रत्येक मंडल में तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा की प्रमुख भूमिका होगी, 13 अगस्त से लेकर 15 अगस्त तक सभी घरों, प्रतिष्ठानों एवं कार्यकर्ताओं के निवास पर तिरंगा फहराया जाएगा एवं 12 अगस्त से 14 अगस्त तक सभी युद्ध स्मारक एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। प्रत्येक मंडल में शहीदों एवं देश सेवा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिस कर्मियों के घर जाकर उनके परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन कर विभीषिका के संदर्भ में प्रभावित जनों से भेंट की जाएगी ।

रत्नेश सोनकर ने कहा कि आगामी स्वतंत्रता दिवस पर सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ की भूमिका सुनिश्चित हो इस हेतु यह बैठक आयोजित की गई है।

बैठक में नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, कार्यक्रम संयोजक जिला महामंत्री पंकज दुबे, सह संयोजक रोहित जैन, प्रणीत वर्मा, राजेश मिश्रा, जय सचदेवा, अंजू भार्गव, तृष्णा चटर्जी, रंजीत पटेल, संतोषी ठाकुर, कमलेश राजन, डिम्पी विश्वकर्मा, रविन्द्र पचौरी, सिद्धार्थ शुक्ला, कान्त साहू, रवि शर्मा, आशीष राव, राहुल रजक, शैलेन्द्र विश्वकर्मा, योगेश लोखंडे, पुष्पराज बघेल, सपन यादव, संतोष यादव, अमित राय, गुड्डा केवट, पुष्पराज पांडे, प्रणय गुप्ता, अकील अंसारी, योगेंद्र राजपूत, संजय यादव, कैलाशनाथ पोरते के साथ मंडल महामंत्री एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

## अफगानी नागरिक गिरफ्तारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

### हर एंगल पर की जा रही जांच, एटीएस को मिली चौकाने वाली जानकारियां

जबलपुर। छोटी ओमती क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर रह रहे अफगानी नागरिक सोहबत खान की गिरफ्तारी के बाद एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने जांच का दायरा तेजी से बढ़ा दिया है। पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, जिसके चलते शहर की दो विधानसभा क्षेत्रों के तीन वार्ड की सक्रिय जांच के घेरे में आ गए हैं। सोहबत खान की गिरफ्तारी के बाद एटीएस को प्रारंभिक जांच में यह जानकारी मिली है कि एक दर्जन से अधिक अफगानी युवकों ने जबलपुर के पते से भारतीय पासपोर्ट बनवाए या बनवाने की कोशिश की है। इनमें छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल के निवासी अकबर और इकबाल भी शामिल हैं, जिनके पासपोर्ट जबलपुर के फर्जी पते से जारी किए गए थे।

### फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट, फिर शादी और निवास ..

एटीएस ने जब कार्रवाई की, तब यह सामने आया कि आरोपी सोहबत खान ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाया और शहर में निवास करते हुए एक स्थानीय युवती से निकाह भी कर लिया था। वर्ष 2015 में उसने जबलपुर से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाया और 2020 में फर्जी पहचान पत्रों के आधार पर पासपोर्ट हासिल कर लिया।

### पासपोर्ट रैकेट का खुलासा

जांच में सामने आया कि सोहबत खान न सिर्फ खुद के लिए, बल्कि छत्तीसगढ़ और पश्चिम बंगाल में रह रहे अपने अफगानी साथियों के लिए भी फर्जी पते पर पासपोर्ट बनवा रहा था। इसके लिए वह जबलपुर में जाली दस्तावेज तैयार करवा रहा था और पोस्ट ऑफिस व पुलिस वेरिफिकेशन प्रक्रिया में मिलीभगत की जा रही थी।

### सरकारी तंत्र में मिलीभगत

एटीएस ने सोहबत खान के अलावा तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है- जिनमें दिनेश गर्ग पिता श्रवण कुमार गर्ग, निवासी विजय नगर ङ्क वर्तमान में वन विभाग में वनरक्षक और बीते दो वर्षों से कलेक्टर कार्यालय के चुनाव सेल में कार्यरत। वहीं महेंद्र कुमार सुखदन, निवासी कटंगा और चंदन सिंह, निवासी शंकर शाह नगर, रामपुर निवासी है. एटीएस को जांच में पासपोर्ट बनाने के लिए अब तक लगभग 10 लाख रुपए के लेन-देन की जानकारी मिली है।

### एटीएस और सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क

एटीएस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे नेटवर्क की तह तक जाने में जुटी हैं। जाली दस्तावेज तैयार करने वालों, पुलिस वेरिफिकेशन में मदद करने वालों और पासपोर्ट जारी कराने वाली एजेंसियों की भूमिका की गहनता से जांच की जा रही है।

## आओ सुनें कार्यक्रम में कवियों ने वाहवाही बटोरी

जबलपुर। मध्य प्रदेश लेखक संघ जबलपुर इकाई एवं मध्य प्रदेश आंचलिक साहित्यकार परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में सुप्रसिद्ध कृषक कवि रवीन्द्र राघव की एकल काव्य प्रस्तुतियों का अभिनव आयोजन आओ हम सुनें का आयोजन जानकी रमण महाविद्यालय प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुआ। कृषक कवि रवीन्द्र राघव ने अपनी प्रस्तुति में कहा मिलनसार, हँसमुख, स्नेही, साहित्यिक गतिविधियों में तत्पर रहते,रचना लिखते,गणना होती कवियों में जैसी रचनाएँ प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी । मुख्य अतिथि के रूप में पं. अशोक मनोध्या सारस्वत अतिथि के रूप में कृष्ण कुमार पटेल ,शिव कुमार पटेल, रघुवंश पटेल रहे तथा वक्ता के रूप में आचार्य उमाशंकर दुबे रहे। की अध्यक्षता शरदचंद पालन ने की इस अवसर पर जबलपुर संस्कारधानी के वरिष्ठ साहित्यकार एवं कवि डॉ. उदयभानु तिवारी ,अश्विनी कुमार पाठक, सुनील जैन, अनिल तिवारी आदि ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की मनमोहक प्रस्तुति दी । इस अवसर पर साहित्यकार महेश पटेल,अशोक मिश्रा एवं अनुराग तिवारी को सम्मानित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन पं.आशुतोष तिवारी तथा आभार मध्यप्रदेश लेखक संघ जबलपुर इकाई के संयोजक डॉ अभिजात कृष्ण त्रिपाठी के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ साहित्यकार राजसागरी , सुरेश मिश्र विचित्र, अभिमन्यु जैन, डॉ. कौशल दुबे, डॉ. संध्या जैन श्रुति, आशुतोष तिवारी, आचार्य विजय तिवारी किसलय, डॉ. शिवकुमार व्यास, कमलेश व्यास, राजेश दुबे, अनिल तिवारी, गणेश प्यासा,आलोक पाठक,धीरेन्द्र मिश्र, शरद दीक्षित, पुष्पराज पटेल, प्रदीप पटेल, अशोक पटेल, शशांक पटेल, विष्णु पटेल, दिलीप पटेल, सनत पटेल, राजेश पटेल, सुरेश पटेल, प्रमोद पटेल, आशीष पटेल, मुकेश पटेल, योगीराज पटेल, सौरभ पटेल, चौ. चन्द्रिका प्रसाद, चौ. महेन्द्र पटेल, घनश्याम पटेल, चौ. राघवेन्द्र आदि उपस्थित रहे ।

## देवताल क्षेत्र में एडवेंचर और अध्यात्मिक टूरिज्म को दी जाएगी नई पहचान-राकेश सिंह

जबलपुर। जबलपुर की पुण्यभूमि को एक नया प्राकृतिक उपहार मिलने जा रहा है। शहर के दक्षिणी हिस्से में स्थित देवताल क्षेत्र को अब ट्रेकिंग, एडवेंचर और अध्यात्मिक टूरिज्म के रूप में विकसित किया जाएगा। यह घोषणा लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने देवताल क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान की। उन्होंने कहा कि देवताल, ठाकुरताल और संग्राम सागर को जोड़ते हुए एक प्राकृतिक पर्यटन सर्किट तैयार किया जाएगा, जिससे जबलपुर न केवल धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से बल्कि इको टूरिज्म के रूप में भी प्रदेश में अग्रणी बन सकेगा। देवताल क्षेत्र में महाराजताल, कोलाताल और देवताल नामक तीन तालाब स्थित हैं, जो पहाड़ियों से घिरे हुए हैं और प्राकृतिक झरनों से परिपूर्ण हैं। श्री सिंह ने बताया कि यह क्षेत्र लगभग 200 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों और औषधीय पौधों का आश्रय स्थल है। उन्होंने यह भी बताया कि अतीत में यह स्थान संत-महात्माओं की साधना स्थली रहा है और अब इसे फिर से अध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनाया जाएगा। मंत्री श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान एक प्राचीन औषधीय झरने का भी जायजा लिया, जिसके पानी में पेट संबंधी रोगों को दूर करने की क्षमता मानी जाती थी। वर्तमान में यह झरना गंदगी और उपेक्षा के कारण निष्क्रिय है, लेकिन अब इसे स्वच्छ कर पुनर्जीवित किया जाएगा ताकि आमजन को फिर से इसका लाभ मिल सके। मंत्री श्री सिंह ने रविवार को प्रेमनगर गुरुद्वारा में आयोजित डिस्ट्रिक्ट गतका चैंपियनशिप में पारंपरिक सिख मार्शल आर्ट गतका की रोमांचक प्रस्तुतियां देखीं और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने युवाओं में आत्मरक्षा कला के प्रति जागरूकता को सराहनीय बताया और कहा कि भारतीय परंपराएं हमें आत्मबल और आत्मगौरव का बोध कराती हैं। इसी दिन, मदन महल स्थित शैलपर्ण उद्यान में आयोजित समारोह में नि:शुल्क शव वाहन सेवा की शुरुआत भी की गई। मंत्री श्री सिंह ने जिले को राज्य शासन द्वारा प्रदत्त दो शव वाहनों का शुभारंभ किया। इस सेवा के अंतर्गत शासकीय अस्पतालों में निधन होने पर पार्थिव देह को परिजनों के निवास तक बिना शुल्क पहुँचाया जाएगा। श्री सिंह ने मानस भवन में आयोजित 37वें चौरसिया प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल होकर समाज के मेधावी बच्चों, युवाओं और वरिष्ठजनों को समाज रत्न सम्मान से नवाजा। उन्होंने समाज के उत्थान में चौरसिया समाज के योगदान की सराहना करते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं।

## किसान संघ के नेतृत्व में सोमवार को जुटेंगे सैकड़ों किसान

जबलपुर। जबलपुर जिले में प्रमुख फसल धान व मक्का में किसानों को यूरिया व डीएपी खाद की आवश्यकता है। जिसकी आपूर्ति, वितरण व्यवस्था में भारी खामी व कालाबाजारी के चलते जिले का किसान परेशान है। मूंग खरीदी में स्लॉट बुकिंग में आ रही परेशानी के कारण किसान आंदोलन के मूड में है। भारतीय किसान संघ शहपुरा तहसील अध्यक्ष वीरेन्द्र साहू ने बताया कि प्रशासन यूरिया डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता का दावा कर रहा है लेकिन हकीकत यह है कि किसान यूरिया डीएपी के लिए रात रात भर लाइनों में लगने के बावजूद भी खाद वितरण केंद्रों से खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। तहसील मंत्री धरम पटेल ने बताया कि शहपुरा डबल लॉक में खाद वितरण व्यवस्था फेल है। किसान संघ के प्रांत महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल कहा कि मूंग खरीदी में स्लॉट बुकिंग न होने से किसान परेशान है। जिसके कारण तय सीमा में मूंग उरद खरीदी संभव नहीं है। जिले भर के किसानों की मांग को लेकर आज सोमवार को तहसील शहपुरा के मंडी परिसर में धरना प्रदर्शन कर किसानों की मांगों का ज्ञापन सौंपा जाएगा। धरना प्रदर्शन में किसान संघ के अखिल भारतीय व प्रांत के पदाधिकारी शामिल होंगे।

## भगवान अग्रसेन महाराज के उद्देश्य को सार्थक कर रहा अग्रवाल समाज

भोपाल। अग्रवाल समाज द्वारा अग्रकुल प्रवर्तक एवं आराध्य देव अग्रसेन महाराज और कुलदेवी महालक्ष्मी की महीने के प्रथम रविवार को महाआरती करने का जो संकल्प लिया था, जिसका क्रम निरंतर जारी है। उसी क्रम को यथावत रखते हुए आज आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में सत्रहवीं महाआरती की गई। आरती की जजमानी कोलार अग्रवाल समाज (महिला मण्डल) द्वारा की गई। मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता और विनीत अग्रवाल ने बताया कि महाआरती सभी अग्रबंधुओं के सहयोग, समर्थन और मार्गदर्शन से सफल हो रही है। महाआरती से अग्रवाल समाज में जो जागृति, उत्साह एवं उमंग का माहौल है वह देखते ही बनता है। मुकेश गोयल ने कहा कि महाआरती में भोपाल में निवासरत विभिन्न क्षेत्र के अग्रबंधु सपरिवार शामिल हो होते हैं। आरती में लक्की ड्रा का आयोजन किया जाता है। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया जाता है। महाआरती में कोलार अग्रवाल समाज महिला अध्यक्ष सीमा अग्रवाल, रमा अग्रवाल, जूही अग्रवाल, शोभना अग्रवाल, सविता अग्रवाल,रूपम अग्रवाल, निधि अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, पायल अग्रवाल, अर्चना अग्रवाल, निशा अग्रवाल, रेशु अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, जयश्री अग्रवाल, सपना अग्रवाल,सरिता अग्रवाल, चंदा अग्रवाल, कामिनी अग्रवाल,नीतू अग्रवाल, रूचि बंसल, राखी अग्रवाल, पूजा गुप्ता, अंजना गुप्ता, कैलाश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, अमित मित्तल, डॉ. ए.के. गर्ग, आलोक अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, डॉ. अंकुर अग्रवाल, डॉ. रमेश गोयल, एच.एन. अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, प्रहलाद अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, हुकुमचंद अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, शैलेश अग्रवाल, नीरज गुप्ता, प्रणव गुप्ता, ब्रज किशोर सांधी, अमित गुप्ता, एस.सी.गुप्ता, मोहित अग्रवाल सहित अनेक अग्रवाल समाज के लोग उपस्थित हुए।

## बागेश्वर धाम में पुलिस की रेड

छतरपुर। बागेश्वर धाम में बीते कुछ दिनों से अवैध गतिविधि और संदिग्ध लोगों के घूमने की शिकायत मिल रही थी। हाल ही में एंबुलेंस में मिली महिलाओं के लगाए आरोपों और पंडित धीरेंद्र शास्त्री के जवाब के बाद पुलिस सतर्क हो गई। जिसके बाद रविवार को पुलिस ने धाम में छापामार कार्रवाई कर होटलों और होमस्टे की जांच की। साथ ही लोगों को चेतावनी देते हुए अनैतिक गतिविधि न करने की हिदायत दी है। बागेश्वर धाम समिति और ग्राम के सरपंच और ग्राम रक्षा समिति सदस्यों ने छतरपुर एसपी ऑफिस पहुंचकर धाम पर हो रही अनैतिक गतिविधियों के खिलाफ ज्ञापन दिया था। उनकी मांग थी कि होटल, होम स्टे, ढाबा की चेकिंग की जाए। साथ ही धाम पर काफी समय से रह रहे संदिग्ध लोगों की चेकिंग की जाए। जिसके बाद खजुराहो एसडीओपी मनमोहन बघेल पुलिस बल के साथ होटलों, होमस्टे और गेस्ट हाउसों की जांच की। इस दौरान यात्री रजिस्टर समेत जरुरी दस्तावेज और सीसीटीवी कैमरों की जांच की। निरीक्षण के दौरान, काव्य त्रिपाठी गेस्ट हाउस में रुके हुए यात्रियों के प्रवेश रजिस्टर, सीसीटीवी फुटेज का भी मूल्यांकन किया गया। एसडीओपी ने सभी होटल और होमस्टे संचालकों को चेतावनी दी कि वे अपने यहां ठहरने वाले यात्रियों के दस्तावेजों का सत्यापन करें और होटल/होमस्टे संचालन की अनुमति सुनिश्चित करें। एसडीओपी खजुराहो ने सभी संचालकों को चेतावनी देते हुए दो दिन का समय दिया, जिसके भीतर उन्हें अपने सभी दस्तावेज तैयार करने होंगे। साथ ही अनैतिक गतिविधि न करने की भी चेतावनी दी।

## 900 जैन समाजजनों ने किया 20 घंटे का सामूहिक सामयिक

इंदौर। तप, साधना और सांसारिक सुखों से दूर रहकर, इंदौर में 900 से अधिक जैन समाजजनों ने 20 घंटे का सामूहिक सामयिक अनुष्ठान किया। इस अवसर पर मुनि प्रवर आदित्य म.सा. ने सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग पर चिंता जताते हुए युवाओं को आत्मचिंतन पर ध्यान देने की सलाह दी। यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन में हुई धर्मसभा में मुनि प्रवर आदित्य म.सा. ने कहा, आज सबसे ज्यादा समय सोशल मीडिया, वेब सीरीज, यूट्यूब, फेसबुक और व्हाट्सएप पर बर्बाद हो रहा है। यह हमारे लिए घातक है और युवाओं के भविष्य पर चिंता की लकीरें खींच रहा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से युवाओं का आत्मविश्वास और आत्म-चिंतन दोनों कमजोर हो रहे हैं, जिससे उनमें आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियां भी बढ़ रही हैं। मुनि प्रवर ने समाज को अपने गौरवशाली इतिहास को याद करने और पूर्वजों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी, जिससे आत्म-शक्ति मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि मनुष्य का जन्म परमार्थ और परमात्मा के बताए मार्ग पर चलने के लिए हुआ है और समय का सदुपयोग करने से ही विशेष फल मिलता है। साधुमार्गी जैन समता संघ के अध्यक्ष पारस वोहरा और चित्रेश मेहता ने बताया कि शनिवार दोपहर 3 बजे से रविवार दोपहर तक आयोजित इस सामूहिक सामयिक में 7 साल के बच्चों से लेकर 80 साल के वृद्धों तक, सभी ने भाग लिया। इस विशेष आयोजन में मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित था, ताकि सभी साधक पूरी तरह से धर्म और साधना पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

# ओवल टेस्ट-खराब लाइट से चौथे दिन का खेल जल्दी खत्म

## इंग्लैंड जीत से 35 रन दूर, भारत को 4 विकेट चाहिए

**लंदन। खराब लाइट के कारण भारत और इंग्लैंड के बीच खेला जा रहा ओवल टेस्ट के चौथे दिन का खेल जल्दी समाप्त कर दिया गया। इंग्लिश टीम जीत से 35 रन दूर है। जबकि भारत को 4 विकेट चाहिए। 374 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम ने रविवार को स्टंप्स तक 6 विकेट पर 339 रन बना लिए हैं। जैमी स्मिथ 2 और जैमी ओवर्टन शून्य पर नाबाद हैं। जो रूट 105 रन और हैरी ब्रूक 111 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। लंच से पहले ओली पोप (27 रन) को मोहम्मद सिराज, बेन डकेट (54 रन) को प्रसिद्ध कृष्णा ने पवेलियन भेजा। प्रसिद्ध कृष्णा 3 और मोहम्मद सिराज 2 विकेट ले चुके हैं। एक दिन पहले भारत अपनी दूसरी पारी में 396 रन पर ऑलआउट हुआ। इंग्लैंड पहली पारी में 247 रन पर ऑलआउट हो गया। टीम को पहली पारी में 23 रन की बढ़त मिली। भारत ने पहली पारी में 224 रन बनाए थे।**

### जो रूट 105 रन बनाकर आउट

73वें ओवर में इंग्लैंड ने छठा विकेट गंवा दिया है। यहां जो रूट 105 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच कराया।

### ब्रूक 111 रन बनाकर आउट

63वें ओवर में इंग्लैंड ने 300 रन का आंकड़ा पार किया। हैरी ब्रूक ने आकाश दीप के ओवर में लगातार दो चौके लगाकर टीम स्कोर 300 पार पहुंचाया। इसी ओवर की चौथी बॉल पर आकाश दीप ने हैरी ब्रूक को सिराज के हाथों कैच कराया। यहां आकाश ने 195 रन की साझेदारी ब्रेक की। शॉट खेलने के प्रयास में ब्रूक के हाथ से बल्ला छूआ और वे कैच आउट हो गए।

# रोहित शर्मा ने स्टैंड से ही बल्लेबाजी करते रहने का संदेश दिया -यशस्वी

लंदन। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने यहां जारी पांचवे क्रिकेट टेस्ट मैच में पहुंचकर टीम का हौसला बढ़ाया। मैच के तीसरे दिन स्टैंड में रोहित को देखतेर अन्य प्रशंसक उत्साहित नजर आये। रोहित मैदान के बाहर से ही खिलाड़ियों की सहायता करते हुए दिखे। इस मैच में शतक लगाने वाले यशस्वी जायसवाल ने कहा है कि रोहित ने स्टैंड में बैठे होने के बाद भी एक खास संदेश देकर उनकी सहायता की। यशस्वी ने इस मैच में अपने करियर का छठा शतक लगाया। साथ ही कहा कि उन्होंने बल्लेबाजी का पूरा आनंद लिया। साथ ही कहा कि रोहित ने उन्हें खेलते रहने का संदेश दिया था। यशस्वी ने मैच के बाद कहा, मैंने रोहित भाई को देखा और हाथ हिलाया। उन्होंने मुझे खेलते रहने का संदेश दिया। यशस्वी ने अपनी पारी और उसकी तैयारी को लेकर कहा, मुझे लगता है कि हम सभी के लिए आगे बढ़ाते रहना बहुत जरूरी है। यह हमारी यहां आखिरी पारी थी। मानसिक रूप से, मैं अपने को आगे बढ़ाते रहने और जितना हो सके उतना स्कोर करने के लिए तैयार था। उन्होंने तेज़ गेंदबाज़ों के लिए सहायम पिच को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की। इस क्रिकेटर ने कहा, पहली पारी में विकेट देखकर मैं सोच रहा था कि रन बनाने का सबसे अच्छा विकल्प क्या हो सकता है। मैं बस उसी तरह खेलने और सकारात्मक रहने का प्रयास कर रहा था। मेरा इरादा बहुत अच्छा था। मैं गेंदबाजों पर दबाव बनाना चाहता था, कि वे कहां गेंदबाजी करेंगे और मैं कहां रन बना सकता हूं। मेरी मानसिकता हमेशा ऐसी ही रहती है। मुझे लगता है कि सकारात्मक रहना और अपने शॉट्स खेलना हालातों पर आधारित रहता है।

# डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने डब्ल्यूसीएल फाइनल में पाकिस्तान को हराया

एजबेस्टन। एबी डिविलियर्स के शतक से दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) फाइनल में पाकिस्तान चैम्पियंस को हराकर खिताब जीत लिया है। पाकिस्तान चैंपियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज शार्जील खान के 44 गेंदों में 76 रन की पारी की सहायता से 20 ओवर में 5 विकेट पर 195 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए डिविलियर्स ने 60 गेंदों में तेजी से 120 रन बनाये। इससे अफ्रीकी चैंपियंस ने पाकिस्तान चैंपियंस को 9 विकेट से हरा दिया। डिविलियर्स ने अपनी पारी के दौरान 12 चौके और 7 छक्के लगाए। इससे दक्षिण अफ्रीकी चैम्पियंस ने जीत के लिए मिले 196 रनों के लक्ष्य को 16.5 ओवर में ही एक विकेट पर हासिल कर लिया। डिविलियर्स ने हाशिम अमला 18 रन के साथ पहले विकेट के लिए 6 ओवर में 72 रन बनाये और दूसरे विकेट के लिए जेपी डुमिनी नाबाद 50 रन के साथ 125 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। डिविलियर्स के सामने पाक चैंपियंस के गेंदबाज बेबस नजर आये। डिविलियर्स ने इससे पहले इंग्लैंड चैंपियंस के खिलाफ 41 गेंदों में शतक लगाया था जबकि 27 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के खिलाफ 39 गेंदों में शतक बनाया था। न्होंने फाइनल मैच में पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ 47 गेंदों में 100 रन बना लिए। डिविलियर्स ने छह मैचों में कुल 431 रन बनाए और वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। उन्हें इसी कारण फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड भी दिया गया।

# दक्षिण अफ्रीका की ही तरह हम भी पाकिस्तान को करारी हार देते - रैना

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में पाकिस्तान चैम्पियंस की करारी हार पर कहा कि अगर हम खेलते तो भी उन्हें इसी प्रकार हराते। भारतीय चैम्पियंस टीम ने डब्ल्यूसीएल में पाकिस्तान चैम्पियंस का बहिष्कार किया था। ऐसे में पाक टीम बिना खेले ही फाइनल में पहुंच गयी थी पर उसे खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस ने हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने शरजील खान के अर्धशतक से 195 रन बनाये। इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम ने ये लक्ष्य 16.5 ओवर में ही एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। दक्षिा अफ्रीकी बल्लेबाज एबी डी विलियर्स ने इस मैच में शतक लगाते हुए 120 रनों की आक्रामक पारी खेली। पाकिस्तान की हार के बाद रैना ने सोशल मीडिया पर विलियर्स की पारी की जमकर प्रशंसा की और कहा कि अगर हम खेलते तो पाक को इसी तरह हराते। रैना ने सोशल मीडिया में लिखा, डी विलियर्स ने फाइनल में शानदार पारी खेलकर तहलका मचा दिया। अगर हम खेलते, तो हम भी इसी प्रकार हराते पर हमने अपने देश को सबसे ऊपर रखा। हर किसी ने हमारा समर्थन नहीं किया। यही असली चरित्र है। गौरतलब है कि पहलगाम आंतकी हमले को देखते हुए भारतीय खिलाड़ियों ने डब्ल्यूसीएल में पाक के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिय। भारत और पाक की पहली टक्कर लीग स्तर पर होनी थी, मगर भारतीय खिलाड़ियों द्वारा इस मैच का बहिष्कार करने के बाद मैच अधिकारियों ने मुकाबले को ही रद्द किया और दोनों टीमों के बीच 1-1 अंक बांट दिया। सेमीफाइनल में भी भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मुकाबले को खेलने से इंकार कर दिया।

# कुलदीप और अभिमन्यु ने बिना खेले ही मोटी कमाई की

मुम्बई। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये दो क्रिकेटरों कुलदीप यादव और अभिमन्यु ईश्वरन को एक भी मैच में अवसर नहीं मिला। ऐसे में ये दोनो ही बिना खेले स्वदेश लौट जाएंगे। टीम संयोजन और संतुलन रखने की जरुरत के कारण कुलदीप और अभिमन्यु को भले ही अवसर नहीं मिला पर इनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है। दोनो ने ही इस दौरे से तकरीबन एक करोड़ रुपये कमा लिए हैं। प्रत्येक सत्र में 50-75 फीसदी टेस्ट मैचों की अंतिम 11 में खेलने वाले खिला?ियों को 15 लाख मैच फीस के साथ प्रति मैच 30 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं जो खिला?ी फीसदी मैचों में दल का हिस्सा तो रहता है पर उसे अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिलता तो भी उसे हर एक मैच के लिए अलग से 15 लाख रुपये मिलते हैं। इस प्रकार कुलदीप और ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर बिना खेले ही तकरीबन एक-एक करोड़ रुपए मिले हैं। वहीं साल 2024 में बीसीसीआई ने 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' लॉन्च की थी, जिसके जरिए भारत में टेस्ट क्रिकेट को ब?ावा देने का प्रयास किया गया था। इस स्कीम के तहत टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिला?ी एक साल में अच्छी कमाई कर सकते हैं। एक टेस्ट मैच खेलने के लिए भारतीय खिला?ियों को 15 लाख रुपये की मैच फीस मिलती है, लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत वो मैच फीस के अलावा ज्यादा पैसा कमा सकते हैं। बीसीसीआई की साल 2024 में लागू की गई 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत जो खिला?ी एक सत्र में खेले गए 75 फीसदी या उससे ज्यादा मैचों की अंतिम ग्याह में खेलता है, उसे मैच फीस के अलावा प्रति मैच 45 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं 75 फीसदी मैचों में दल में रहने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने पर भी खिलाड़ी को अलग से मैच फीस के अलावा प्रति मैच 22.5 लाख रुपये दिए जाते हैं।

# होल्डर ने दूसरे टी20 में चौका लगाकर वेस्टइंडीज को जीत दिलायी

जमैका। वेस्टइंडीज ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को दो विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 134 रन बनाये। जिसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने 8 विकेट पर 135 रन बनाकर हासिल कर लिया इस मैच में पाक टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 133 रन बनाए। इस मैच में पाक की शुरुआत खराब रही। शुरुआती बल्लेबाज सस्ते में निपट गये। अनुभवी बल्लेबाज फखर जमान ने 20 रन बनाये। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हारिस 4 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान सलमान आगा ने 33 गेंद पर 38 रन और हसन नवाज ने 23 गेंद पर 40 रन बनाये। तीन बल्लेबाजों को छोड़कर अन्य कोई भी बल्लेबाज दो अंकों से ऊपर नहीं जा पाये। वेस्टइंडीज की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज जेसन होल्डर ने 4 ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं गुडाकेश मोती को 2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसने शुरुआती विकेट 100 रनों पर ही खो दिये। वहीं 8वें विकेट के लिए जेसन होल्डर और शेफर्ड ने 16 गेंद पर 29 रन की साझेदारी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। अंतिम ओवर में वेस्टइंडीज को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। अंतिम गेंद वाइड रही। ऐसे में टीम को दो रन की जरुरत थी और होल्डर ने चार रन बना दिये। होल्डर 16 रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान की ओर से मोहम्मद नवाज ने 3 विकेट लिए। होल्डर को उनके ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला।

# भारतीय टीम ने इंग्लैंड दौरे में लगाये रिकार्ड 12 शतक, सीरीज में कुल 19 शतक लगे

ओवल। भारत और इंग्लैंड सीरीज में एक के बाद एक रिकार्ड बनते जा रहे हैं। सीरीज के पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने दूसरी पारी में केवल 127 गेंद में ही शतक लगा दिया। यशस्वी ने अपनी इस पारी में 11 चौके और दो छक्के लगाये। इस सीरीज में यशस्वी का यह दूसरा शतक है। भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक चार शतक शुभमन गिल ने लगाये हैं। वहीं भारतीय टीम का ये 12 वां शतक है। वहीं इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने सात शतक लगाये हैं। इस प्रकार सीरीज में अब तक कुल 19 शतक लग गये हैं। इससे पहले एक सीरीज में इतने अधिक शतक 21 साल पहले लगे थे। इस प्रकार किसी एक सीरीज में सबसे ज्यादा शतक की बात करें तो ये सीरीज टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर है। इससे पहले साल 1955 में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच हुई सीरीज में 21 शतक लगे थे। वहीं साल 2003-04 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई सीरीज में 20 शतक बने थे। शुभमन की कप्तानी में भारतीय टीम ने 12 शतक लगाये हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा चौथी बार हुआ है, जब किसी टीम ने एक सीरीज में 12 शतक लगाए हैं। वहीं संयुक्त रूप से एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड अब ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका और भारत के नाम है। सभी ने एक सीरीज में 12-12 शतक लगाए हैं.ऑस्ट्रेलिया ने 1955 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 12 शतक लगाए थे जबकि पाकिस्तान ने 1982-83 में भारत के खिलाफ 12 शतक लगाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने 2003-04 में घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 12 शतक लगाये थे।

# बीसीसीआई उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने बाहरी एजेंसी को नियुक्त करेगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने जा रही है। इसी के तहत ही खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्त की जाएगी। बोर्ड के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं की जांच के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्ति की जा रही है। हाल ही में सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां भी मांगी गयी थीं। इस माह के अंत तक नई एजेंसी नियुक्त किये जाने की उम्मीद है। खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने के मामले को बीसीसीआई ने गंभीरता से लिया है। बोर्ड का उद्देश्य किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को समाप्त करना है। बोर्ड अभी दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है। पहले में दस्तावेजों और जन्म प्रमाण पत्रों की जांच शामिल है जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धति के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं। बोर्ड ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा बनायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोली लगाने वाली एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षणिक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं पर यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। इसके अलावा एजेंसी के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। बोर्ड आम तौर पर जुलाई और अगस्त में उम्र का सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है।

# 3 सितंबर से शुरु होगा एशिया कप 2025

लाहौर। भारत की मेजबानी में सितंबर में होने वाले एशिया कप 2025 का कार्यक्रम धोषित कर दिया गया है। एशिया कप के मुकाबले 3 सितंबर से शुरु होंगे। इसमें भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने कहा है कि 2025 एशिया कप की मेजबान भारत कर रहा है पर ये मुकाबले दुबई और अबू धाबी में खेल जाएंगे क्योंकि पाकिस्तान की टीम भारत नहीं जाएगी। यह टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम का पहला ग्रुप ए मैच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से 10 सितंबर को दुबई में होगा। वहीं ग्रुप स्तर का अंतिम मैच ओमान के खिलाफ 19 सितंबर को अबू धाबी में होगा। एसीसी ने इस टूर्नामेंट का पूरा कार्यक्रम जारी कर दिया है। इसमें एक सुपर फोर मैच 22 सितंबर को अबू धाबी में खेला जाएगा जबकि बाकी पांच सुपर फोर मैच और फाइनल 28 सितंबर को दुबई में खेले जाएंगे।

# धोनी बोले, अगले आईपीएल सत्र में ऋतुराज गायकवाड़ ही रहेंगे कप्तान

मुम्बई । आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह अगले सत्र में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में ही खेलेंगे। 2025 सत्र में ऋतुराज के चोटिल होने के बाद धोनी ने कप्तानी की थी। धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इस सत्र में उन्होंने 14 लीग मैच खेले और 196 रन बनाए। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी भी की पर टीम की तकदीर नहीं बदली और वह अंतिम स्थान पर रही। आईपीएल 2025 में सीएसके के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों का मानना था कि धोनी अब अगले आईपीएल में नहीं खेलेंगे। वहीं सीएसके ने भी कहा कि धोनी जब तक चाहेंगे खेलते रहेंगे। धोनी के आईपीएल में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। एक वीडियो में जब उनसे उनके क्रिकेट भविष्य के बारे में पूछा गया, तो धोनी ने कहा, 卐मुझे अगले पांच साल के लिए क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है पर डॉक्टर ने केवल आंखों के लिए अनुमति दी है. शरीर के लिए नहीं और मैं केवल आंखों से क्रिकेट नहीं खेल सकता।卐 इससे साफ है कि वह कभी भी संन्यास ले सकते हैं। धोनी ने कहा कि ऋतुराज की वापसी से सीएसके की बल्लेबाजी अगले आईपीएल सत्र में मजबूत होगी। धोनी ने एक निजी कार्यक्रम में कहा, हम अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़ा चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारी बल्लेबाजी क्रम काफी ठीक हुआ है। गायकवाड़ वापस आ रहे हैं, इससे काफी कुछ ठीक हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने आईपीएल 2025 में कमजोर खेला पर टीम चयन में कुछ गलतियां थीं जिन्हें हमें ठीक करने की जरूरत थी जिसे अब दिसंबर में एक छोटी नीलामी में ठीक किया जाएगा।

# शुभमन, जडेजा और राहुल ने इंग्लैंड दौरे में बनाया रनों का रिकार्ड तीनो ने 500 सो अधिक रन बटोरे

ओवल। कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 500 से अधिक रन बनाकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस सीरीज मे 700 से ज्यादा रन जबकि राहुल और जडेजा ने 500 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार जडेजा किसी टेस्ट सीरीज में छठे या इससे निचले क्रम पर उतरकर 500 रन बनाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इस सीरीज में शुभमन ने 10 पारियों में सबसे अधिक 754 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 75.40 का रहा। इसमें चार शतक शामिल हैं। वहीं एक टेस्ट सीरीज में शुभमन विदेशी कप्तान के तौर पर सबसे अधिक रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गये हैं। उन्होंने इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज ग्राहम गूच को पीछे छोड़ दिया है। गूच ने साल 1990 में भारत के खिलाफ कप्तान के तौर पर 752 रन बनाए थे। वहीं अब शुभमन के 754 रन हो गये हैं। राहुल ने 10 पारियों में 532 रन जबकि जडेजा ने 10 पारियों में 516 रन बनाये हैं। इंग्लैंड के खिलाफ इस सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष 3 बल्लेबाजों में भारतीय बल्लेबाजों ही रहे हैं।

# खेल ही भारत-पाक के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका

## महबूबा मुफ्ती के बयान ने राजनीतिक गलियारों में मचाई हलचल

जम्मू। पीडीपी अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती एक बार फिर विवादों में घिर गई हैं। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद बढ़े तनाव के बीच उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को बहाल करने की वकालत की है। महबूबा के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महबूबा ने कहा कि युद्ध जैसे हालात देश के लिए नुकसानदेह हैं और ऐसे समय में खेल ही दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का सबसे आसान तरीका है। उन्होंने बेरोजगारी और गरीबी का हवाला देते हुए खेल आयोजनों को शांति कायम करने का जरिया बताया। बता दें पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकी ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की थी। इस ऑपरेशन के बाद चार दिनों तक भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहा। महबूबा ने कहा कि अगर आप शांति चाहते हैं और युद्ध पर पैसा खर्च नहीं करना चाहते, तो खेल आयोजनों के जरिए माहौल सामान्य करना चाहिए। बेरोज़गारी और गरीबी दूर करनी है तो सबसे पहले शांति बहाल करनी होगी। महबूबा ने इस दौरान बीजेपी पर भी हमला बोला उन्होंने कहा कि बीजेपी ने देश में ऐसा माहौल बना दिया है कि लोग

युद्धविराम पर सवाल उठा रहे हैं। मानो सब चाहते थे कि युद्ध चलता रहे। यह मानसिकता खतरनाक है और देश को नुकसान पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी बार-बार परमाणु युद्ध टलने का श्रेय ले रहे हैं, जबकि भारत के अंदरर युद्ध को लेकर राजनीतिक बयानबाजी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। महबूबा ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच खेल संबंधों को फिर से बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल एक ऐसा जरिया है जो लोगों के बीच संवाद बढ़ा सकता है और तनाव कम कर सकता है। अगर दोनों देश खेलों के जरिए आमने-सामने आएंगे तो बातचीत के रास्ते खुलेंगे और माहौल भी सामान्य होगा। महबूबा मुफ्ती के इस बयान ने सवाल खड़े कर दिए हैं कि जब देश में पाकिस्तान पर सख्त रुख अपनाने की मांग हो रही है, तब वह खेल संबंधों को बहाल करने की बात क्यों कर रही हैं?

# ममता बनर्जी का चुनावी 'खेला'- हर बूथ को 10 लाख

## दुर्गा पूजा पंडाल को 1.1 लाख रुपये

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर अपने राजनीतिक चतुराई और जमीनी पकड़ का परिचय देते हुए दो बड़ी योजनाओं की घोषणा की है, जिनसे राज्य की सियासत में जबरदस्त हलचल मच गई है। एक ओर सामुदायिक दुर्गा पूजा आयोजकों को 1.1 लाख रुपये का सरकारी अनुदान, तो दूसरी ओर 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना के तहत हर बूथ को 10 लाख रुपये का फंड—इन दोनों घोषणाओं को 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। ममता सरकार की नई 'आमादेर पारा, आमादेर समाधान' योजना जनता की स्थानीय और छोटी-छोटी समस्याओं को सीधे बूथ स्तर पर हल करने के लिए शुरू की गई है। इसके तहत- हर बूथ को 10 लाख रुपये का आवंटन किया गया है। 2 अगस्त से शुरू हुआ यह कार्यक्रम पूरे राज्य में तीन बूथों पर एक कैंप के हिसाब से चलाया जा रहा है। कुल योजना की लागत लगभग 8000 करोड़ रुपये है। निगरानी के लिए मुख्य सचिव मनोज पंत की अगुवाई में एक टास्क फोर्स गठित की गई है। ममता बनर्जी ने इसे देश की पहली ऐसी पहल बताया है जो जनता को सीधे अपने क्षेत्र की समस्याएं तय करने और समाधान का हक देती है। इसमें राज्य सरकार केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगी।

# केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के आवास पर बम लगाने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे होने की धमकी भरा कॉल रविवार को नागपुर पुलिस को मिलने के बाद पूरा नागपुर

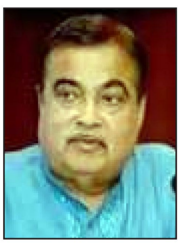

पुलिस तंत्र अलर्ट पर है। यह धमकी भरा कॉल नागपुर शहर से ही पुलिस कंट्रोल रूम में आया था। पुलिस ने तुरंत जाँच शुरू की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नितिन गडकरी के घर पर बम रखने की धमकी देने वाले आरोपी का नाम उमेश राउत है और वह मेडिकल इलाके में एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है। उमेश नागपुर के कोतवाली थाने की सीमा में एक किराए के मकान में अपने एक दोस्त के साथ रहता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर बम रखे जाने की धमकी भरा कॉल आने के बाद, पूरे इलाके और आवास की सुरक्षा तुरंत बढ़ा दी गई। बम निरोधक टीमें उनके आवास पर पहुँच गईं। लेकिन तलाशी के बाद कुछ नहीं मिला। पुलिस ने अब धमकी भरा कॉल करने वाले उमेश राउत से पूछताछ शुरू कर दी है और यह पता लगा रही है कि उसने ऐसा धमकी भरा कॉल क्यों किया। पुलिस जाँच में यह भी पता चला है कि आरोपी उमेश राउत का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। पुलिस अब उसके साथ रहने वाले उसके दोस्त से भी पूछताछ कर रही है। परिमंडल एक के पुलिस उपायुक्त सिंघा कृषिकेश रेड्डी ने पत्रकारों को बताया कि सुबह 9 बजे के करीब हमारे 112 नंबर पर एक कॉल आई थी। उस कॉल में कहा गया था कि नितिन गडकरी के घर में बम लगा दिया गया है, वो बम फटने वाला है।

# सावन का अंतिम सोमवार आज- शिवकृपा पाने के लिए विशेष अवसर

नई दिल्ली। सावन मास, जो भगवान शिव की भक्ति के लिए समर्पित है, 9 अगस्त को समाप्त हो रहा है। शिव भक्तों के लिए इसका अंतिम सोमवार, जो 4 अगस्त को है, अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिन कुछ विशेष वस्तुएं शिवलिंग पर अर्पित करने से भगवान भोलेनाथ की कृपा प्राप्त होती है और जीवन में सुख, शांति तथा समृद्धि का आगमन होता है। रुद्राक्ष- भगवान शिव के अश्रुओं से उत्पन्न माना जाने वाला रुद्राक्ष अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली होता है। अंतिम सोमवार को शिवलिंग पर रुद्राक्ष या उसकी माला अर्पित करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं, जिससे आर्थिक उन्नति और मानसिक शांति प्राप्त होती है। यह जीवन में स्थिरता और मानसिक संतुलन लाता है। कच्चा दूध और शहद- गाय का कच्चा दूध शिवलिंग पर चढ़ाना बहुत शुभ माना जाता है। यदि इसमें थोड़ा शहद मिलाकर अर्पित किया जाए, तो इसका प्रभाव और भी बढ़ जाता है। ऐसा करने से भगवान शिव की कृपा से संतान प्राप्ति की संभावना बढ़ती है और दांपत्य जीवन में मधुरता आती है। गंगाजल- हिंदू धर्म में गंगाजल को सबसे शुद्ध माना जाता है और सावन में इसका उपयोग विशेष फलदायी होता है। शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने से न केवल पवित्रता का अनुभव होता है, बल्कि महादेव की विशेष कृपा भी मिलती है। माना जाता है कि इससे जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। बेलपत्र, भांग और धतूरा- ये वस्तुएं भगवान शिव को अत्यंत प्रिय हैं। इन्हें श्रद्धापूर्वक अर्पित करने से पापों का नाश होता है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बेलपत्र चढ़ाने से मानसिक शांति मिलती है, जबकि भांग और धतूरा चढ़ाने से शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। सावन का अंतिम सोमवार पूरे मास की पूजा-अर्चना का समापन करता है। इस दिन श्रद्धा और विश्वास के साथ उपरोक्त वस्तुएं शिवलिंग पर अर्पित करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और आध्यात्मिक संतोष प्राप्त होता है। यह आत्मिक शुद्धि और ईश्वर से गहरा जुड़ाव स्थापित करने का एक विशेष अवसर है।

# शरद गुट के विधायक का विवादित बयान, सनातन की विचारधारा विकृत....पूरे देश को बर्बाद किया

मुंबई। एनसीपी (शदर पवार गुट) विधायक जितेंद्र अव्हाड़ ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में साध्वी प्रज्ञा ठाकुर और अन्य आरोपियों के बरी होने के बाद सनातन धर्म पर एक विवादित बयान दिया है। अव्हाड़ ने दावा किया कि सनातन की विचारधारा विकृत है और इसने पूरे देश को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने कहा कि कभी किसी धर्म को सनातन धर्म नहीं कहा गया, हम सब हिंदू धर्म को मानते हैं। अव्हाड़ ने अपने बयान में कुछ ऐतिहासिक शख्सियतों का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने भी कथित सनातन धर्म को खारिज कर दिया था और इसी सनातन धर्म वालों ने उन्हें बदनाम किया। उन्होंने ज्योतिराव फुले को मारने की कोशिश करने, सावित्रीबाई फुले पर गोबर फेंकने, साहू महाराज को मारने की साजिश रचने और डॉ. आंबेडकर को स्कूल में पानी न पीने देने के लिए सनातन धर्म वालों को जिम्मेदार ठहराया। शरद गुट के विधायक अव्हाड़ ने कहा कि मनुस्मृति का जन्म सनातन परंपरा से ही हुआ है, इसलिए सनातनी विचारधारा को विकृत कहने से किसी को परहेज नहीं करना चाहिए। अव्हाड़ के बयान के बाद बीजेपी ने कांग्रेस को सनातन आतंकवाद और भगवा आतंकवाद जैसे शब्दों पर घेरा है। बीजेपी ने कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण के पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, और अब उन्हीं पर भगवा आतंकवाद और हिंदू आतंकवाद पर बयान देने का आरोप लगाया।

### मालेगांव ब्लास्ट मामले का घटनाक्रम

गुरुवार को एक विशेष अदालत ने 2008 के मालेगांव ब्लास्ट के सभी आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी पुख्ता सबूत उपलब्ध नहीं करवा पाई और उसकी कार्यप्रणाली भी सही नहीं थी। इस ब्लास्ट में 6 लोगों की मौत हुई थी और 95 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।

# आग के हवाले की गई नाबालिग लड़की की मौत, सीएम, डिप्टी सीएम ने जताया शोक

## पुलिस ने कहा जांच ईमानदारी से जांच की, घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं

भुवनेश्वर। ओडिशा के पुरी जिले में एक नाबालिग लड़की, जिसे तीन अज्ञात लोगों ने आग के हवाले कर दिया। लड़की ने एम्स दिल्ली में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रदेश के सीएम मोहन चरण माझी ने इसकी पुष्टि की। सीएम माझी ने लड़की की मौत पर गहरा दुख जताया है। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने लिखा- बलंगा इलाके की नाबालिक लड़की की मौत की खबर सुनकर मुझे गहरा सदमा लगा। सरकार के तमाम प्रयासों और विशेषज्ञ चिकित्सा टीम के चौबीसों घंटे प्रयासों के बावजूद, उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। मैं उसकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं और ईश्वर से उसके परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।

ओडिशा की उपमुख्यमंत्री प्रवती परिदा ने भी नाबालिग लड़की के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर लिखा- एक अप्रत्याशित और दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद दिल्ली एम्स में इलाज करा रही बलांगीर की पीड़िता का निधन हो गया है। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए मैं इस दुखद स्थिति में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं। चिकित्सा दल और सरकार के सभी प्रयासों के बावजूद हमें गहरा दुख है कि उसे बचाया नहीं जा सका।

ओडिशा के पूर्व सीएम नवीन पटनायक ने भी इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- यह जानकर अत्यंत दु:ख और पीड़ा हुई की पुरी जि़्ले के बलंगा क्षेत्र में आग में जलाई गई युवती की एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। मेरी संवेदनाएं युवती के साथ हैं और इस दु:ख की घड़ी में उसके परिवार के साथ प्रार्थनाएं हैं। ईश्वर परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

बता दें यह घटना 19 जुलाई को हुई थी, जब 15 साल की लड़की एक दोस्त से मिलने के बाद घर लौट रही थी। पुरी में भार्गवी नदी के किनारे तीन बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। बदमाश उसे एक सुनसान जगह पर ले गए, उस पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर और आग लगा दी। गंभीर रूप से जली लड़की किसी तरह पास के एक घर में भाग गई। स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए आए, उसके परिवार को सूचित किया और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद अगले दिन उसे एयरलिफ्ट करके नई दिल्ली एम्स लाया गया और 20 जुलाई को एम्स के बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के बर्न आईसीयू में भर्ती कराया था।

ओडिशा पुलिस ने शनिवार को दावा किया था कि घटना में कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं था। हालांकि, पीड़िता की मां ने अपनी एफआईआर में आरोप लगाया था कि तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बेटी को आग के हवाले कर दिया था। पुलिस ने यह स्पष्ट नहीं किया कि लड़की को आग कैसे लगी। पुलिस ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि पुलिस ने पूरी ईमानदारी से जांच की है। जांच अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। अब तक की गई जांच के मुताबिक यह स्पष्ट है कि इसमें कोई अन्य व्यक्ति शामिल नहीं है। पुलिस ने सभी से अनुरोध किया कि इस दुखद क्षण में इस मामले पर कोई भी संवेदनशील टिप्पणी न करें।

मामला दर्ज होने के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। सबूत जुटाने के लिए वैज्ञानिक टीम और श्वान दस्ते की मदद ली है। पुलिस के मुताबिक मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। इस बीच पुलिस ने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्रियों और अन्य मंत्रियों के आवासों के आसपास सुरक्षा कड़ी कर दी है।

# लोको पायलटों के काम के घंटों को लेकर बड़ा खुलासा....12 से 16 घंटे तक लगातार काम कर रहे

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे में लोको पायलटों के काम के घंटों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए) ने आरोप लगा दिया है कि कई रेलवे जोन सुरक्षा नियमों को ताक पर रखकर लोको पायलटों से तय सीमा से अधिक काम करा रहे हैं। इसके लिए क्रू मैनेजमेंट सिस्टम (सीएमएस) में फर्जी ब्रेक की एंट्री करके रिकॉर्ड को गलत तरीके से दिखा रहे है। इससे न सिर्फ लोको पायलटों की थकान बढ़ रही है, बल्कि रेलवे की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोको पायलटों का काम बेहद जिम्मेदारी भरा होता है। हजारों टन वजनी ट्रेनों को चलाने के लिए उन्हें हर पल चौकन्ना रहना पड़ता है। सिग्नल देखने, ब्रेक लगाने और आपात स्थिति में तुरंत फैसला लेने जैसे कामों में जरा सी चूक भारी पड़ सकती है। लेकिन एआईएलआरएसए का कहना है कि रेलवे के कुछ जोन पायलटों से 12 से 16 घंटे तक लगातार काम कर रहे हैं, जबकि नियम के मुताबिक एक लोको पायलट को एक बार में 9 घंटे से ज्यादा और साइन-ऑन से साइन-ऑफ तक कुल 11 घंटे से ज्यादा काम नहीं करना चाहिए। एआईएलआरएसए के मुताबिक, कई रेलवे जोन सीएमएस में गलत तरीके से ब्रेक की एंट्री कर रहे हैं, ताकि यह दिखा सके कि नियमों का पालन हो रहा है। धनबाद डिवीजन में मई-जून 2025 में 2,719 बार गलत ब्रेक की एंट्री के मामले सामने आए। पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर में 1,883, दानापुर में 785, समस्तीपुर में 304 और सोनपुर में 83 इसतरह के मामले दर्ज हुए। साउथ सेंट्रल रेलवे के सिकंदराबाद डिवीजन में अप्रैल 2025 में हुई जांच में 545 मामलों में मालगाड़ी के पायलटों से करीब 14 घंटे तक लगातार काम कराया। इन आंकड़ों ने रेलवे की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। एआईएलआरएसए का कहना है कि लोको पायलटों की थकान न सिर्फ उनकी सेहत के लिए खतरा है, बल्कि यह यात्रियों और रेलवे ढांचे की सुरक्षा को भी जोखिम में डाल रही है। एविएशन सेक्टर में पायलटों के लिए सख्त नियम हैं, जहां ड्यूटी और आराम के समय का कड़ाई से पालन होता है। लेकिन रेलवे में लोको पायलटों के साथ ऐसा नहीं है, जबकि उनका काम भी उतना ही जिम्मेदारी भरा है।

# आतंकी के जनाजे में पहुंचे लश्कर कमांडर को पीओके के लोगों ने खदेड़ा

जम्मू। भारत के एक्शन की गूंज अब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) तक पहुंच रही है। मारे गए आतंकवादी ताहिर हबीब का 'जनाजा-ए-गैब' पीओके के रावलकोट स्थित खाई गला गांव में हुआ। इस्लाम में यह तब पढ़ी जाती है जब किसी मुस्लिम व्यक्ति की मौत ऐसी जगह पर हो जाए जहां उसके लिए जनाजे की नमाज पढ़ने के लिए कोई मौजूद न हो या उसका शरीर वहां न हो। पीओके में इस तरह का जमावड़ा इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान सीधे तौर पर इसमें शामिल रहा है। लेकिन इस बार कुछ अलग देखने को मिला। यह घटना इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि यह पीओके में भारत के जवाबी ऑपरेशन 'सिंदूर' का असर दिखाती है। भारत की सर्जिकल कार्रवाई के बाद, पहली बार देखा गया है कि आतंक के खिलाफ स्थानीय लोग खुद खड़े हो रहे हैं। कुइयाँ और ख्याला के ग्रामीण अब एक सार्वजनिक 'जिगरा' आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। यह एक पारंपरिक परिषद है, जिसमें सामूहिक रूप से आतंकी भर्ती की निंदा की जाती है। अंतिम संस्कार के तुरंत बाद, एक वीडियो सामने आया। इसमें शिक्षक लियाकत अली ने आठ मिनट के वीडियो में अली ने पूछा, ये कौन लोग हैं जो हमारे बच्चों को कश्मीर भेज रहे हैं? ये हमारे बच्चों का ब्रेनवॉश करते हैं और उन्हें भारत जैसी सैन्य महाशक्ति के खिलाफ खड़ा कर देते हैं। ताहिर हबीब, जो कभी पाकिस्तान सेना का जवान और फिर लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेटिव था, की मौत के बाद गांव में उसके लिए अंतिम दुआ रखी गई। लेकिन जैसे ही स्थानीय लश्कर कमांडर रिजवान हनीफ वहां पहुंचा, माहौल गर्मा गया। हबीब के परिजनों ने साफ मना कर दिया कि लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा कोई शख्स इस जनाजे में शामिल नहीं होगा। हनीफ के जबरन शामिल होने की कोशिश के बाद गांववालों और लश्कर के बीच तीखी झड़प हो गई। हबीब का परिवार नहीं चाहता था कि अंतिम संस्कार लश्कर के लिए भर्ती के तमाशे में बदल जाए। स्थानीय लश्क-ए-तैयबा का कमांडर रिजवान हनीफ हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों के साथ इस फैसले का विरोध करने पहुंचा, तो झड़प शुरू हो गई। कथित तौर पर उसके भतीजे ने शोक मनाने वालों पर बंदूक तान दी। भीड़ ने उन्हें पीछे धकेल दिया, जिसके बाद कमांडर को अपने साथियों के साथ भागना पड़ा। पीओके एक ऐसा क्षेत्र है जहां लंबे समय से खौफ ने चुप्पी साध रखी थी, लेकिन इस तरह का विरोध एक असाधारण उलटफेर है। अब चुपचाप रहने वाले लोग विद्रोही बन चुके हैं।

# बिहार के कद्दावर नेता अशोक राम कांग्रेस छोड़ जेडीयू में होंगे शामिल

पटना। बिहार कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व मंत्री डॉ. अशोक राम ने पार्टी छोड़ने का फैसला किया है। सालों तक कांग्रेस में रहने के बाद अशोक राम रविवार को जेडीयू में शामिल हो रहे हैं। अशोक ने खुद जेडीयू में शामिल होने की पुष्टि की है। डॉ. अशोक बिहार में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में शामिल थे। उनका नाम बिहार के दलित नेताओं में शुमार है। वे अभी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वे छह बार विधायक भी रह चुके हैं। वे बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट में पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि वे बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु से नाराज थे। अपनी उपेक्षा से वे काफी नाराज थे। अशोक राम ने रविवार को पार्टी छोड़ने की पुष्टि की और कहा कि वे बेहद निजी कारणों से कांग्रेस को अलविदा कह रहे हैं। राजेश राम के पिता बालेश्वर राम भी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे हैं, वे सांसद और विधायक भी रहे।

# तीन मुस्लिम मजदूरों ने खोजी 15 प्राचीन मूर्तियां, लोगों ने संरक्षण की मांग

## कर्कूट वंश की झलकती है संस्कृति, यह क्षेत्र हिंदू-मुस्लिम का है पवित्र स्थान

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में कर्कूट नाग पवित्र कुंड के पास तीन मुस्लिम मजदूरों ने खुदाई की जिसमें उन्हें 15 प्राचीन मूर्तियां मिलीं हैं, जिनमें 11 शिवलिंग और अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं। यह खोज न केवल कश्मीर की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को उजागर करती है, बल्कि कर्कूट वंश के ऐतिहासिक महत्व को भी दर्शाती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खोज शुक्रवार को उस समय हुई, जब जम्मू-कश्मीर की उमर सरकार के लोक निर्माण विभाग के तहत कर्कूट नाग जलस्रोत के जीर्णोद्धार का काम चल रहा था। सलिया क्षेत्र में स्थित यह जलस्रोत अनंतनाग जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर है। खुदाई के दौरान तीन मुस्लिम मजदूरों को एक जलमग्न पत्थर के कक्ष में 15 प्राचीन मूर्तियां मिलीं, जिनमें 11 शिवलिंग और कुछ क्षतिग्रस्त मूर्तियां हैं। इनमें से एक मूर्ति को प्राचीन मंदिर के खंभे का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें कई देवी-देवताओं की नक्काशी है। जम्मू-कश्मीर के पुरातत्व, अभिलेखागार और संग्रहालय विभाग के अधिकारियों ने इस स्थल का दौरा किया और इन मूर्तियों को श्रीनगर के संग्रहालय में भेजने की योजना बनाई, जहां विशेषज्ञ इनके युग और उत्पत्ति का अध्ययन करेंगे। बता दें स्थानीय कश्मीरी पंडितों और पुरातत्व विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज कर्कूट वंश से जुड़ी हो सकती है, जो कश्मीर में अपने शासनकाल के दौरान कला के संरक्षण के लिए जाना जाता था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कर्कूट नाग का यह जलस्रोत लंबे समय से तीर्थस्थल रहा है। एक कश्मीरी पंडित ने बताया कि इस तालाब से शिवलिंग, एक मूर्ति और अन्य वस्तुएं मिली हैं। हम चाहते हैं कि इनका संरक्षण हो। उन्होंने सरकार से इन मूर्तियों को संरक्षित करने और स्थल को धार्मिक महत्व के आधार पर विकसित करने की अपील की। ऐशमुकाम का यह क्षेत्र न हिंदू धार्मिक ही नहीं बल्कि मुस्लिम समुदाय के लिए भी पवित्र है। यहां 15वीं शताब्दी के सूफी संत शेख जैन-उद-दीन वली का मकबरा है, जो कश्मीर के प्रमुख संत शेख नूर-उद-दीन के शिष्य थे। इस मकबरे के पास ही कर्कूट नाग जलस्रोत स्थित है, जिसे हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदाय के लोग पवित्र स्थान मानते हैं। यह खोज इस क्षेत्र की समन्वित सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, जहां हिंदू और इस्लामिक परंपराएं सदियों से एक साथ फलती-फूलती रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस खोज की सोशल मीडिया पर चर्चा है। एक यूजर्स ने इसे सनातन धर्म की गहरी जड़ों का प्रतीक बताया। एक अन्य पोस्ट में कहा गया कि यह खोज कश्मीर की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करती है और हिंदू-मुस्लिम एकता की प्रतीक है, क्योंकि मुस्लिम मजदूरों ने इन मूर्तियों को खोजा है। इसको हिंदू-मुस्लिम एकता के रुप में विकसित करना चाहिए।

# मैंने इतना असहाय मुख्यमंत्री नहीं देखा, कोई किसी से जवाब नहीं मांग सकता

## उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार पर मराठी खत्म करने का आरोप लगाया

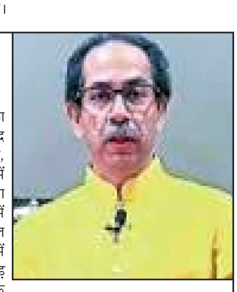

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को बीजेपी नीत महाराष्ट्र सरकार पर राज्य से मराठी को खत्म करने का आरोप लगाया। ठाकरे ने इसके साथ ही भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे मंत्रियों को बर्खास्त नहीं करने के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस को असहाय मुख्यमंत्री बताया है। मातोश्री में उद्धव ठाकरे ने कहा कि विपक्ष ने मंत्रियों के भ्रष्टाचार का सबूत दिया था, लेकिन उन्हें केवल चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। ठाकरे के आवास मातोश्री में शेतकरी क्रांति संगठन का शिवसेना (यूबीटी) में विलय हुआ। ठाकरे ने कहा कि मैंने पहले कभी इतना असहाय मुख्यमंत्री नहीं देखा। कोई किसी से जवाब नहीं मांग सकता। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विपक्षी दल मंत्री माणिकराव कोकाटे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे, जिन्हें एक वीडियो के सोशल मीडिया में वायरल जिसमें उन्हें विधान परिषद में ऑनलाइन 'रमी' खेलते दिखाया गया है। इसके बाद कोकाटे को किसानों के बारे में असंवेदनशील टिप्पणी के लिए भी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। बता दें मंत्री कोकाटे को कृषि मंत्रालय से खेल एवं युवा कल्याण विभाग में हटाकर दूसरा विभाग दे दिया था। शिवसेना (यूबीटी) खासतौर पर अपने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के मंत्रियों संजय शिरसाट, संजय राठौड़ और योगेश कदम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे पर राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करेगी। विवाद पर पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि सरकार महाराष्ट्र से मराठी को खत्म करने की कोशिश कर रही है। मंत्रालय के पास शिवालय में एक अलग कार्यक्रम में उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमें किसी से कोई नफरत नहीं है, लेकिन हम पर कोई नहीं हिंदी ना थोपें। ठाकरे का इशारा कक्षा एक से पांच तक के छात्रों के लिए त्रिनीति और हिंदी थोपने से संबंधित दो विवादास्पद सरकारी प्रस्तावों की ओर था। कई वर्गों के कड़े विरोध के बाद जीआर वापस ले लिए गए थे। उद्धव और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे ने हिंदी के जीआर वापस लिए जाने का जश्न मनाने के लिए 5 जुलाई को एक संयुक्त रैली की थी।

# ग्रामीण थाने के ग्राम गोंगलई और नवेगांव में हुई मारपीट में दो व्यक्ति घायल

## मारपीट में घायल दोनों व्यक्ति जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्रामीण थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग जगह हुई मारपीट में दो व्यक्ति घायल हो गए। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कर किया गया है। ग्राम गोंगलई में शराबी युवक ने की मारपीट तो ग्राम नवेगांव में खेत में बकरी ले जाने मना करने को लेकर हुई मारपीट । मारपीट में दोनों घायल चंदन पिता नेवालाल बेन 42 वर्ष और और जितेंद्र पिता राजाराम पटले 38 वर्ष दोनों ग्राम गोंगलई थाना ग्रामीण नवेगांव बालाघाट निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चंदन बेन मूल रूप से जबलपुर के रहने वाले हैं किंतु करीब 10-12 वर्षों से चंदन बेन ग्राम गोंगलई में मकान खरीद करअपने परिवार के साथ रहते हैं और वे मजदूरी के अलावा ड्राइवरी भी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। बताया गया है कि चंदन बेन को उन्हीं के मोहल्ले में रहने वाला मनोज मेश्राम यह कहकर ताने देते रहता था कि बाहर का आया हुआ है और यहा रहने लगा है। मनोज मेश्राम चंदन बेन को लगातार ताने देते आ रहा था। 2 अगस्त को चंदन बेन बालाघाट अपने दोस्त से मिलने के लिए आया था और शाम 7:30 बजे वह किसी से लिफ्ट लेकर अपने गांव गोंगलई पहुंचा और गुटखा लेने के लिए अपने गांव के झाड़ू की दुकान गया था किंतु दुकान बंद होने से चंदन बेन पैदल अपने घर आ रहा था। तभी रास्ते में नकुल के घर के सामने पहुंचा तो वहां मनोज मेश्राम जो गांव का ही युवक है चंदन बेन को देखकर अश्लील गालियां देने लगा। चंदन बेन मनोज मेश्राम की गाली को अनसुना करके आगे बढ़ कर वह अपने पड़ोस में रहने वाले परदेसी नाम के लड़के के घर जाकर उससे बातचीत करने लगा था। इस समय मनोज मेश्राम भी वहां आ गया और चंदन बेन को पुनः अश्लील गालियां देते हुए उसे लकड़ी से मारपीट किया और उठाकर पटक दिया आवाज सुनकर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। उसके बाद मारपीट में घायल चंदन बेन को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया। जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु ग्रामीण थाना भिजवा दी है।

### खेत में बकरी ले जाने मना करने की रंजिश को लेकर हुई मारपीट

ग्राम गोंगलई निवासी जितेंद्र पटले रेलवे में नौकरी करते हैं इसके अलावा वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी भी करते हैं। जिसके परिवार में पत्नी बच्चे सहित अन्य लोग है। जितेंद्र पटले की खेती ग्राम नवेगांव समीप ही है। बताया गया कि जितेंद्र पटले के खेत में लगी फसलों को ग्राम नवेगांव निवासी सलीम की बकरियां नुकसान पहुंचा रही थी। जितेंद्र पटले ने सलीम को कई बार समझाया और इसी बात को लेकर कहासनी भी हो गई थी। जिसके कारण सलीम, जितेंद्र पटले से रंजिश बनाए हुए था। 3 अगस्त को सुबह 9:30 बजे करीब जितेंद्र पटले कावड़ यात्रा की तैयारी करके अपने घर से मोटरसाइकिल में बालाघाट आने निकला था और उनका एक मजदूर भी मोटरसाइकिल में था ।जैसे ही जितेंद्र पटले नवेगांव पहुंचा। इस समय मौके की तक में बैठे सलीम ने जितेंद्र को रोका और लाठी से दनादन वार कर दिया। लाठी का वार जितेंद्र पटले की कनपटी सहित शरीर के अन्य जगह में लगने से वह घायल हो गया इसके बाद सलीम ,जितेंद्र पटले को जान से मार डालने की धमकी देकर वहा से फरार हो गया ।मारपीट में घायल जितेंद्र पटले को ग्रामीण थाना की पुलिस ने जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

# खतरनाक तरीके से ट्रैक्टर चलाकर एक व्यक्ति को ठोस मार उसकी मृत्युकारित कर फरार ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार

### गैर इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार हुआ लोकेश मसखरे, न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया जेल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रामपायली पुलिस ने पिछले माह ग्राम सेलोटपार से साकड़ी के मध्य नाले में एक मोटरसाइकिल सवार को चपेट में लेकर फरार ट्रैक्टर चालक को 1 माह बाद डोंगरमाली में गिरफ्तार कर लिये। यह ट्रैक्टर चालक लोकेश पिता मोहनलाल मसखरे 28 वर्ष ग्राम डोंगरमाली निवासी है। जिसके द्वारा तेज रफ्तार और खतरनाक तरीके से स्टैंड करते हुए ट्रैक्टर चलाने से मोटरसाइकिल सवार अनिल बरले 21 वर्ष ग्राम ग्राम धानीटोला बुदबुदा गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। इस मामले में लोकेश मसखरे के विरुद्ध गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज किया गया था। इस आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायिक अधिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। ज्ञात होगी 1 जुलाई को अनिल बरले अपनी पत्नी रजनी बरले के साथ शिरडी से सांई बाबा का दर्शन करके अपने ससुराल साकड़ी आया था और मोटरसाइकिल से वारासिवनी किसी काम से गया था। वारासिवनी से वापस लौटते समय शाम 6:00 बजे करीब सेलोटपार से साकड़ी जाते समय नाले के पुल के ऊपर सामने से लोकेश मसखरे तेज रफ्तार खतरनाक तरीके से ट्रैक्टर चलाते हुए ला रहा था। जिसकी चपेट में आने से अनिल बरले गंभीर रूप से घायल हो गया ।जिसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई थी। इस मामले में रामपायली पुलिस ने लोकेश मसखरे के विरुद्ध धारा 105 भारतीय न्याय संहिता के तहत गैर इरादतन हत्या का अपराध दर्ज किये थे। घटना दिनांक से लोकेश मसखरे फरार था ।जिसकी लगातार तलाश की जा रही थी। जो महाराष्ट्र में छत्तीसगढ़ राज्य में अपने ठिकाने बदलते हुए छिप रहा था। 3 अगस्त को सूचना मिली कि लोकेश मसखरे ग्राम डोंगरमाली अपने रिश्तेदार से मिलने आया हुआ है। इस सूचना पर रामपायली पुलिस की टीम ने लोकेश मसखरे को डोंगरमाली में घेराबंदी कर पकड़े और गिरफ्तार कर वारासिवनी की अदालत में पेश कर दिये। जहां से उसे

न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है। इस आरोपी को पकड़ने में थाना प्रभारी निरीक्षक दिलीप मौर्य के मार्गदर्शन में सहायक उप निरीक्षक राजीव जांचक प्रधान आरक्षक दानेश्वर अमूले, आरक्षक आलोक बिसेन, आरक्षक जितेंद्र सरादे, आरक्षक जितेंद्र टेकाम,आरक्षक फागु मरावी की सराहनीय भूमिका रही।

# नाबालिक लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के दो अलग-अलग मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

### सिवनी जिले के निवासी है दोनों आरोपी शुभम मेश्राम और रोहित उइके

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तिरोड़ी पुलिस ने दो अलग-अलग नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में फरार दो आरोपी को नागपुर में गिरफ्तार किये। गिरफ्तार आरोपी शुभम पिता ओमकार मेश्राम 20 वर्ष ग्राम जुम्माटोला थाना अरी जिला सिवनी और रोहित पिता धरमु उइके 20 वर्ष ग्राम पंचधारा थाना कुरई जिला सिवनी निवासी है। गिरफ्तार दोनों आरोपी को 4 अगस्त को विद्वान अदालत में पेश किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले वर्ष 2024 में 2 एवं 3 जून की दरमियानी रात तिरोड़ी थाना क्षेत्र में रहने वाली एक नाबालिक लड़की अपने परिवार वालों को बताये बिना चली गई थी ।परिजनों ने गांव मोहल्ला एवं रिश्तेदारी गांव मैं तलाश किये किंतु यह नाबालिक लड़की नहीं मिली। 3 जून 2024 को इस लड़की के गुम होने की रिपोर्ट तिरोड़ी पुलिस थाना में की गई थी। तिरोड़ी पुलिस ने इस नाबालिक लड़की का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी की धारा 363 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच पड़ताल की गई। इस दौरान 7 जून 2024 को यह नाबालिग लड़की नागपुर से दस्तयाब की गई थी। पूछताछ करने पर इस नाबालिक लड़की ने रोहित उइके ग्राम पंचधारा थाना कुरई जिला सिवनी द्वारा शादी का प्रलोभन देकर बहला फुसलाकर भगाकर ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के संबंध में बताई थी। इसके बाद इस मामले में धारा 376 भादवि और धारा 3/4 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम का इजाफा किया गया था। घटना के बाद से रोहित उइके फरार था। इस वर्ष 2025 में आरोपी रोहित उइके की तलाश की जा रही थी। आरोपी रोहित उइके की पतासाजी के दौरान तिरोड़ी थाना क्षेत्र से ही एक नाबालिक लड़की बिना बताए घर से चली गई थी ।परिजनों द्वारा तलाश करने के बाद भी यह लड़की नहीं मिली। 13 जुलाई 2025 को लड़की के परिजनों ने तिरोड़ी थाना में रिपोर्ट की थी ।तिरोड़ी पुलिस ने इस लड़की का अपहरण करने के आरोप में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर इस लड़की की भी तलाश शुरू की थी। लगातार की जा रही तलाश पतासाजी के दौरान इस लड़की के नागपुर में होने की सूचना मिली थी। इस सूचना पर तिरोड़ी पुलिस ने नागपुर में पतासाजी के दौरान 2 अगस्त को नागपुर के मिड़गांव पारडी थाना क्षेत्र में इस नाबालिक लड़की को शुभम मेश्राम ग्राम जुम्मा टोला थाना अरी जिला सिवनी निवासी के कब्जे से दस्तयाब किये। शुभम मेश्राम और इस लड़की को थाना लाया गया। पूछताछ करने पर लड़की ने शुभम मेश्राम द्वारा बहला फुला कर नागपुर भगाकर ले जाने और उसे शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ दुष्कर्म करने के संबंध में बताई। इस मामले में धारा 87 65(2) भारतीय न्याय संहिता और धारा5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम का इजाफा किया गया। इस अपराध में शुभम मेश्राम को गिरफ्तार किया गया। इसी दौरान तिरोड़ी पुलिस ने रोहित उइके की तलाश जारी रखी थी। हाल ही में रोहित उइके के नागपुर में ही होने की सूचना मिली। नागपुर में की जा रही तलाश के दौरान 2 अगस्त को शंकरपुर थाना बेलतरोड़ी नागपुर से रोहित उइके को गिरफ्तार किया गया। तिरोड़ी पुलिस द्वारा गिरफ्तार दोनों आरोपी शुभम मेश्राम और रोहित उइके को 4अगस्त को विद्वान अदालत में पेश किया जाएगा। दोनों आरोपियों की पतासाजी और उन्हें गिरफ्तार करने में तिरोड़ी थाना प्रभारी कौशल सूर्या के मार्गदर्शन में सहायक उपरीक्षक उमेश दियेवार, सहायक उप निरीक्षक दादूराम पटले आरक्षक नरेंद्र लोधी और महिला आरक्षक कीर्तिका बट्टी की सराहनीय भूमिका रही।

आवश्यकता है
कंप्यूटर आपरेटर -2 पद
शैक्षणिक योग्यता हिंदी व अंग्रेजी टायपिंग का ज्ञान अनिवार्य
वेतनमान- योग्यतानुसार
ऑफिस ब्वाय- 01 पद
योग्यता-न्यूनतम 12वीं कक्षा उत्तीर्ण
वेतनमान-योग्यतानुसार
मिलने का पता- वार्ड नं. 14 गंगोत्री कालोनी वारासिवनी तह वारासिवनी जिला बालाघाट
समय -दोपहर 12 से शाम 6 बजे समय
संपर्क करें- मोबाईल नंबर 9584968038

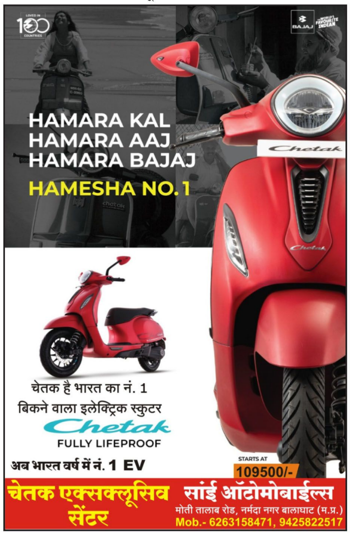


AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट ( म.प्र. ) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट